ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मैसूरु में आपा की हार पर सांप्रदायिक सोशल मीडिया पोस्ट से विवाद... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 12 फरवरी, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-42

धीरे धीरे खुलती जा रही हैं यूएसएड की भारत विरोधी करतूतें

विदेशी सिक्के पर नाचने वाले 'उपदेशकों' के चेहरे से हट रहा नकाब

शुभ-लाभ सरोकार

भारत विरोधी गतिविधियों के लिए धन देने वाली अमेरिकी संस्था यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) से भारत के स्वनामधन्य वकील, पत्रकार और मीडिया संस्थान भी फंड पा रहे थे। इनमें सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण, शेखर गुप्ता, ऋतु कपूर, रवीश कुमार, परंजॉय गुहा ठाकुरता, फाय डिसूजा जैसे कई कुख्यात नाम शामिल हैं। यूएसएड ने इंटरन्यूज को करीब 472.6 मिलियन डॉलर दिए जो भारत में डेडलीड्स के अंतर्गत चलने वाले फैक्ट-शाला के साथ काम करता है। इसी फैक्ट शाला से द प्रिंट के शेखर गुप्ता, द क्विंट की ऋतु कपूर और बीटरूट न्यूज के फाय डिसूजा जुड़े हैं। खुलासा हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण अपनी संस्था संभावना इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड पॉलिटिक्स के नाम पर इंटरन्यूज के जरिए धन प्राप्त कर रहे थे। इंटरन्यूज का दिखावटी काम दुनियाभर में स्वतंत्र मीडिया को बढ़ावा देना है, जबकि असलियत में इसका काम भारत समेत विभिन्न देशों में अराजकता पैदा करना और सत्ता को अस्थिर करने में भूमिका अदा करना है। अगस्त 2024 में भी यह संस्थान

भारत विरोधी गुटों के साथ मिलकर सत्ता परिवर्तन के इरादे से काम कर रहा था। इसके अलावा इसका उद्देश्य अलग-अलग मीडिया आउटलेट को पैसा देकर फैक्ट चेक के नाम पर सोशल मीडिया पर सेंसरशिप करना और सूचनाओं को नियंत्रित करना है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण की संस्था संभावना इंस्टीट्यूट 20 साल पहले कुमुद भूषण एजुकेशन सोसायटी के अंतर्गत हुई थी। इसका भी दिखावटी उद्देश्य अन्याय से लड़ने और उसपर चिंतन करने का है,

उजागर हो रहे हैं स्वनामधन्य हस्तियों के काले कारनामे

लेकिन असलियत में इसका काम देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहना और आतंकियों को जेल से रिहा कराने के लिए बेचैन-जद्दोजहद करना है। हिमाचल प्रदेश के कंगरा जिले के पालमपुर स्थित कंदबारी गांव में प्रशांत भूषण के संगठन के लिए जगह ली गई थी, लेकिन बाद में यह तथाकथित वामपंथियों यानी अर्बन-नक्सल तत्वों का अड्डा बन गया। यहां अक्सर योगेंद्र यादव, हर्ष मंदर, मेधा पाटकर, प्रतीक सिन्हा, नंदिनी राव, रवीश कुमार जैसे तत्व आते रहते हैं। इसके अलावा परंजॉय गुहा ठाकुरता, रवलीन कौर, मनु मुदगिल, नीतू सिंह, भाषा सिंह, स्वाति पाठक, अतुल चौरसिया, अपूर्वानंद झा जैसे ▶10 पर

हम अभी एआई युग के शुरुआती दौर में, यही मानवता के मार्ग को आकार देगा, समिट में बोले पीएम मोदी

एआई एक्शन शिखर सम्मेलन के सह अध्यक्ष पीएम मोदी ने कहा

सतत विकास का लक्ष्य हासिल करने में मददगार होगी एआई

पेरिस, 11 फरवरी (एजेंसियां)। पेरिस में चल रहे अंतरराष्ट्रीय एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह अध्यक्षता करते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, एआई से जुड़ी एक बड़ी आशंका रोजगार खत्म होने को लेकर जताई जा रही है, लेकिन इसे नए और सकारात्मक नजरिए से देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, भारत एआई को अपनाने, सार्वजनिक हित के लिए एआई एप्लिकेशन बनाने, डेटा की प्राइवेसी को बनाए रखने के लिए ▶10 पर

एआई पर दक्षता हासिल करने का काम कर रहा भारत

भारत शीघ्र तैयार कर लेगा अपना लॉर्ज लैंग्वेज मॉडल

अमेरिका ने एआई पर भारत के स्टैंड की सराहना की

पेरिस, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एआई पर भारत के स्टैंड की प्रशंसा करते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी की बात की सराहना करता हूं। मेरा भी मानना है कि एआई लोगों को सुविधा प्रदान करेगा और उन्हें अधिक उत्पादक बनाएगा। यह मनुष्यों की जगह नहीं लेगा। यह कभी भी मनुष्यों की जगह नहीं ले सकेगा। मुझे लगता है कि एआई उद्योग के बहुत से नेता जब श्रमिकों की जगह लेने के इस डर के बारे में बात करते हैं, तो मुझे लगता है कि वे मुद्दे को समझने से चूक जाते हैं। ▶10 पर

साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

डिजिटल क्रांति का साक्षी बन रहा है भारत

साइबर सुरक्षित भारत बनाने की दिशा में हो रहा काम

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध विषय पर गृह मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंडी संजय कुमार, समिति के सदस्यों, केंद्रीय गृह सचिव और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समिति ने बैठक में साइबर सुरक्षा और साइबर अपराध से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हुआ है, जिसके कारण स्वाभाविक रूप से साइबर हमलों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि साइबर स्पेस को अलग दृष्टि से देखें तो सॉफ्टवेयर सर्विसेज और यूजर्स तीनों का एक जटिल नेटवर्क है। उन्होंने कहा कि जब तक सॉफ्टवेर सर्विसेज और यूजर्स के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी को नियंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक साइबर स्पेस की समस्याओं का समाधान असंभव है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने साइबर सुरक्षित भारत बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।अमित शाह ने कहा कि साइबर क्राइम ने सारी भौगोलिक सीमाओं को समाप्त कर दिया है। यह बॉर्डरलेस और फॉर्मलेस क्राइम है, क्योंकि इसकी कोई सीमा या तय स्वरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत पिछले एक दशक में डिजिटल क्रांति का साक्षी बना है। डिजिटल क्रांति के साइज और स्केल को समझे बिना हम साइबर क्षेत्र की चुनौतियों का सामना नहीं कर सकते। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश में आज 95 प्रतिशत गांव डिजिटली कनेक्ट हो चुके हैं ▶10 पर

एयरो इंडिया 2025

जीई एयरोस्पेस ने वायुसेना के साथ किया करार

पांच साल तक करेगी टी-700 इंजन का रखरखाव

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जीई एयरोस्पेस ने टी700 इंजन के रखरखाव के लिए भारतीय वायुसेना के साथ पांच साल का प्रदर्शन-आधारित लॉजिस्टिक्स (पीबीएल) अनुबंध किया है। इसका उद्देश्य भारतीय वायुसेना के एएच-64ई-आई अपाचे हेलिकॉप्टरों के बेड़े को शक्ति प्रदान करने वाले टी700-जीई-701डी इंजनों के लिए एक व्यापक संधारणीय समाधान प्रदान करना है।

कंपनी के मुताबिक इस अनुबंध के तहत, जीई एयरोस्पेस भारतीय वायुसेना के लिए इंजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए टी700 इंजन और फ्लाइट लाइन पार्ट्स के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) के लिए जिम्मेदार होगा। जीई एयरोस्पेस के अनुसार, टर्बोशाफ्ट और टर्बोप्रॉप इंजनों का टी700/सीटी7 परिवार 15 प्रकार के सैन्य और नागरिक हेलिकॉप्टरों और फिक्स्ड-विंग विमानों को शक्ति प्रदान करता है, तथा 50 से अधिक देशों में 130 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है।

नियंत्रण रेखा पर आईईडी धमाके में दो फौजी शहीद, एक गंभीर

जम्मू, 11 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास मंगलवार को आईईडी धमाके में सेना के दो जवान शहीद हो गए। एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं। धमाके के बाद तीनों को अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था, जहां दो ने दम तोड़ दिया, जबकि एक का इलाज जारी है। मरने वालों में एक सेना के अधिकारी थे। सेना की ओर से बताया गया कि ब्लास्ट अखनूर सेक्टर के लालेली में बाड़बंदी के दौरान हुआ है। ब्लास्ट के बाद इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और तलाशी अभियाण चलाया गया है। एक दिन पहले ही पाकिस्तान ने कायराना हरकत की थी। सोमवार को केरी सेक्टर में भारतीय सेना के गश्ती दल पर गोलीबारी के बाद अब नौशेरा सेक्टर में स्नाइपर हमला किया। इसमें गोली लगने से गश्ती दल का एक जवान घायल हुआ था। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। केरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा से सटे बारतगाला में आठ फरवरी को भी पाकिस्तानी सेना ने गश्त कर रहे भारतीय जवानों पर गोलीबारी की थी। मुंहतोड़ जवाब दिए जाने पर पाकिस्तान ने गोलीबारी बंद कर दी थी। केरी सेक्टर में पाकिस्तान ने 2 सितंबर 2020 को गोलीबारी की थी। इसमें सेना के जेसीओ शहीद हो गए थे। इससे पहले नौशेरा में अगस्त 2020 में पाकिस्तान की गोलीबारी में जवान शहीद हो गए थे।

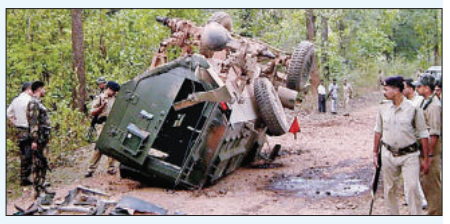

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को आदेश

ईवीएम का डाटा डिलीट नहीं किया जाए

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव के बाद ईवीएम का डाटा डिलीट नहीं करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से ईवीएम पर जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि अगर हारने वाले उम्मीदवार को शक हो, तो इंजीनियर से जांच कराई जा सकती है कि ईवीएम में कोई छेड़छाड़ तो नहीं की गई है।सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश दिया कि चुनाव के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का डाटा डिलीट न किया जाए।

शीर्ष कोर्ट ने चुनाव आयोग से पूछा कि चुनावों के बाद ईवीएम का डाटा कैसे सुरक्षित रखा जाता है और प्रक्रिया क्या होती है। कोर्ट ने आदेश दिया कि फिलहाल ईवीएम से कोई भी डाटा डिलीट न किया जाए और न ही इसमें कोई नया डाटा डाला जाए।चीफ जस्टिस (सीजेआई) संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग से पूछा कि चुनावों के बाद ईवीएम की मेमोरी और माइक्रो कंट्रोलर को बर्न करने की प्रक्रिया क्या है। सीजेआई ने कहा, इसमें किसी तरह का विवाद नहीं है। अगर चुनाव हारने वाले उम्मीदवार को शंका हो कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हो सकती है, तो इंजीनियर से स्पष्ट किया जा सकता है कि ईवीएम में छेड़छाड़ की गई है या नहीं। शीर्ष कोर्ट एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर), हरियाणा और कांग्रेस नेताओं के एक समूह की ओर से दायर की गई याचिकाओं पर ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,050/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 96,960/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^{0}

न्यूनतम : 20^{0}

मनु संहिता को लेकर राहुल गांधी के अश्लील बयान पर संतों में आक्रोश

राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने का प्रस्ताव पारित

महाकुंभ नगर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर हिंदू धर्म को लेकर दिए गए अपने बयान के कारण विवादों में घिर गए हैं। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने हिंदू धर्म व उसकी परएपराओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की हो। पिछले वर्षों में उनके हिंदू विरोधी बयानों की एक लंबी फेहरिस्त बन चुकी है जिससे बार-बार हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। इसके पीछे उनकी क्या मंशा है ये तो पता नहीं, लेकिन अब उन पर हिंदू धर्म से बहिष्कार की तलवार लटक रही है।महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 12 स्थित शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के शिविर में चल रही परम् धर्म संसद में दो बड़े प्रस्ताव पारित किए गए। इसमें परम् धर्म संसद ने राहुल गांधी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने का प्रस्ताव पारित किया है। यदि राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर दिए गए अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी तो उन्हें हिंदू धर्म से बाहर करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इस पर राहुल गांधी को 30 दिनों के भीतर अपना रुख स्पष्ट करना होगा।

महाकुंभ में परम धर्म संसद में साधु-संतों ने लिया सर्वसम्मत फैसला

धर्म संसद ने कहा कि सनातन धर्म पर अनर्गल प्रहार अब असहनीय हो चुका है और इसे राजनीतिक एजेंडे के तहत बदनाम करने की कोशिशों का सख्ती से प्रतिकार किया जाएगा। धर्म संसद ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी जैसे राजनीतिक नेता हिंदू ग्रंथों और परंपराओं को निशाना बनाकर वैचारिक अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। अब सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए कठोर निर्णय लेने का समय आ गया है। धर्म संसद में बताया गया कि विकसित देशों में सनातन धर्म की स्वीकृति तेजी से बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों में बड़ी संख्या में लोग हिंदू धर्म को स्वीकार कर रहे हैं। इसके विपरीत भारतीय राजनीति में कुछ लोग सनातन संस्कृति को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं।राहुल गांधी ने कहा था, मनुस्मृति बलात्कारियों को संरक्षण देती है। इस बयान से भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में बसे करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। परम् धर्मसंसद् ने अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारतीय हिंदुओं को हिरासत में लेकर जबरन गोमांस परोसने की भी कड़ी निंदा की है। धर्म संसद ने अमेरिकी प्रशासन की हिंदू विरोधी नीतियों की भी कड़ी आलोचना की।

कहा गया कि अमेरिका में हिंदुओं की आस्था के विरुद्ध निषिद्ध भोजन परोसने की घटनाएं हिंदू धर्म का अपमान है। इस पर वैश्विक स्तर पर कड़ा विरोध दर्ज कराया जाएगा।

कार्टून कॉर्नर

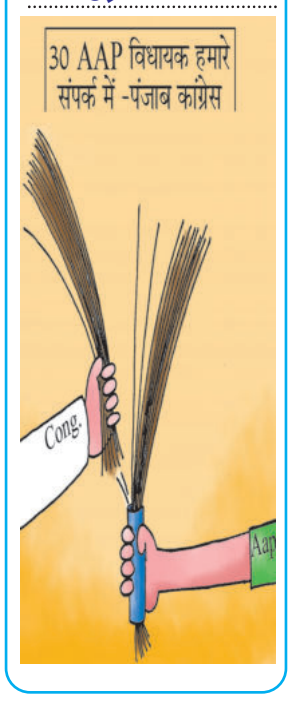

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

सालासर बालाजी मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर

गर्भगृह का पूजन कार्यक्रम 14 अप्रैल को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में बीटीएम लेआउट के रांका कॉलोनी में 25 हजार वर्गफीट के भूखंड पर सालासर बालाजी मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है। मंदिर निर्माण की कार्य योजना के अनुसार ट्रस्ट द्वारा देश के प्रसिद्ध वास्तुकार चेतन सोमपुरा को मंदिर के निर्माण के लिए चुना गया है, जो अयोध्या में श्री रामलला मंदिर के निर्माण में भी शामिल थे। इस भव्य मंदिर की संरचना 12,250 वर्ग फीट में होगी। जिसमें मंदिर का शिखर लगभग 72 फीट ऊंचा होगा। इसके मुख्य अंश श्रृंगार चौकी (मुख्य प्रवेश) भव्य संगमरमर के इनले फर्श के साथ होगा। रंगमंडप (मध्य कक्ष) 7000 वर्ग फीट का स्तंभ-रहित हॉल, जिसमें बारीकी से तैयार संगमरमर के फर्श होंगे। गर्भगृह (संतृप्ति स्थान) में तीन गर्भगृह होंगे, जिसमें सबसे बड़ा केंद्रीय गर्भगृह होगा, जहां भगवान सालासर बालाजी विराजमान होंगे। यह मंदिर न केवल पूजा स्थल होगा, बल्कि हिंदू मंदिर वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति भी होगी। जिसमें बंसी पहाड़पुर पत्थर का उपयोग किया जाएगा।

पत्थर एक दीर्घायु सामग्री है, जो ऐतिहासिक मंदिरों में इस्तेमाल की जाती है, जैसे कि राम मंदिर अयोध्या में। यह स्थायित्व और सुंदरता को सुनिश्चित करता है, जबकि कंक्रीट के निर्माण के मुकाबले अधिक टिकाऊ है। शिला पूजन व मंदिर निर्माण में योगदान देने का एक पुण्य कार्य है। जो पापों को दूर करता है और शांति और समृद्धि लाता है। शिला पूजा 13 अप्रैल 2025 को आयोजित की जाएगी। प्रत्येक शिला के लिए 11,000 की धनराशि योगदान के लिए कोई भी भक्त कर सकते हैं और 100 शिलाओं या उससे अधिक का योगदान करने वाले भक्त को पूजा का विशेष अवसर मिलेगा। लाभ लेने के इच्छुक लोगों के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए प्रमोद मुरारका अध्यक्ष, सतीश मित्तल उपाध्यक्ष और मनित सोमानी सचिव से संपर्क किया जा सकता है।

दो दिवसीय मीडिया फेस्ट 17 से

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कल्याण कर्नाटक के विभागीय केंद्र स्थान कलबुर्गी में पहली बार सरकार ने भविष्य में पत्रकार बनने वाले पत्रकारिता के छात्रों के लिए 17 और 18 फरवरी को दो दिवसीय मीडिया फेस्ट-2025 कार्यक्रम का आयोजन करने की योजना बनाई है। यह जानकारी कलबुर्गी के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक जडियप्पा गेद्लगट्टी ने दी। यहां मंगलवार को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग कर्नाटक मीडिया अकादमी, कर्नाटक वर्किंग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन और शरणबसव विश्वविद्यालय के सहयोग से शरणबसव विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

मीडिया उत्सव के तहत कार्यशालाएं, कुशल पत्रकारों द्वारा वार्ताएं और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग, कलबुर्गी और बेलगावी विभागों के स्नातक और स्नातक कॉलेजों के लगभग 200 छात्र और कॉलेज के प्रोफेसर इसमें भाग लेंगे। शरणबसव विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रमुख टी.वी. शिवनंदन ने कहा कि यह दो दिवसीय मीडिया उत्सव पत्रकारिता के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान कर रहा है। भावी प्रतिस्पर्धी पत्रकारों की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को सामने लाने के लिए कई प्रतियोगिताएं होंगी। विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था की है तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। कर्नाटक वर्किंग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष भवानी सिंह और कलबुर्गी इकाई के जिला अध्यक्ष बाबूराव यड्रामी प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित थे।

ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभा जी के पावन सानिध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा भवन हनुमंतनगर में हनुमंतनगर ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों के शिशु संस्कार भाग 1 से भाग 5 की परीक्षा में पास होने पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय और 90 प्रतिशत आने वाले ज्ञानार्थियों एवं लेने वाले ज्ञानार्थियों का सम्मान किया गया।

ज्ञानशाला संयोजिका मंजू दक ने सभी पधारे हुए ज्ञानार्थियों का स्वागत किया। साध्वी ने ज्ञानार्थियों को बड़ों का आदर करना देव-गुरु धर्म के प्रति अटूट श्रद्धा रखना एवं ज्ञानशाला नियमित रूप से आना अच्छे बनना ऐसी प्रेरणा प्रदान की। साथ ही बताया कि हनुमंतनगर ज्ञानशाला का अच्छे से संचालन हो रहा है। साध्वी आस्थाप्रभा जी एवं साध्वी दीक्षा प्रभा जी ने भी बच्चों को प्रेरणा दी। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष गौतम दक, उपाध्यक्ष प्रकाश बोल्या, सहमंत्री महावीर आर. देरासरिया एवं ज्ञानशाला प्रशिक्षिका सहित सम्पूर्ण श्रावक-श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ की छठीं ध्वजारोहण सम्पन्न

प्रतिकूलता का मूल्य जाने बिना अनुकूलता के अनुभव का पता नहीं चलता: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अवंती पार्श्वनाथ तीर्थ जैन श्वेतांबर मारवाड़ी समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में अवंती तीर्थ की छठीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तीर्थ के शिखर पर ध्वजारोहण का वरघोड़ा निकाला गया। सत्यनारायण मन्दिर से प्रारंभ हुए वरघोड़े में साध्वी अमितयशा श्री जी और अमीझरा श्री जी ने सानिध्यता प्रदान की। उज्जैन जैन समाज संघ के साथ धूमधाम से निकले वरघोड़े में परमात्मा की पालकी, रथ, बैंड, ढोल बाजे के साथ तीर्थ परमात्मा के आंगन में शांतिनाथ महिला मंडल, बालिका मंडल, जिनेश्वर युवा परिषद्, शांति सुलोचन बहू मंडल के साथ में पहुंचा।

जहां ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार कोठारी ने सभी का स्वागत किया। तत्पश्चात मूलनायक अवंति पार्श्वनाथ की मुख्य ध्वजा बेंगलूरु निवासी संघवी कुशलराज उत्तमचन्द ललित कुमार गुलेच्छा परिवार ने अमर ध्वजा फहराई। चिंतामणी पार्श्वनाथ ध्वजा के लाभार्थी विजया हीरालाल राठौड बड़गाँव निवासी, आदेश्वर भगवान की ध्वजा के लाभार्थी विमलाद-वी माँगीलाल मालू परिवार सूरत निवासी ने फहराई।

इस उपलक्ष्य में साध्वी ने अपने प्रवचन में कहा कि आज से 6 वर्ष पूर्व का आज वही माघ चतुर्दशी का दिन आया है जब प्रतिष्ठाचार्य खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी एवं शताधिक साधु साध्वी जी भगवन्तों की निश्रा में प्रतिष्ठा समय का जो माहौल तीर्थ नगरी में था वह पूरे भारत में अभी भी लोगों की नजरों के सामने प्रतिष्ठित है। इसके लिए समाज जन ट्रस्टी एवं प्रतिष्ठा कार्यक्रम के संयोजक संघवी कुशल राज गु-लेच्छा बेंगलूरु निवासी बधाई के पात्र हैं।

जीवन यात्रा में प्रतिकूलता का मूल्य जाने बिना अनुकूलता के अनुभव का पता नहीं चलता है। मूलनायक अवंती तीर्थ की ध्वजा आज बदली जा रही है, इसी तरह व्यक्ति को अपने व्यवहार एवं दिनचर्या को भी हृदय से बदलना चाहिए। ध्वजा तो प्रतीकात्मक होती है।

गुरुवर्या जी का कहना है कि जब भी ध्वजा बदली जाती है तो उस समय मनुष्य को भी अपने भावों में परिवर्तन करके परमात्मा शक्ति को याद करके श्रद्धा के साथ नमन करना चाहिए तथा अपने जीवन की बुराइयों का त्याग करना चाहिए, ताकि ध्वजा बदलने की सार्थकता होती है। संघ के ललित डाकलिया ने बताया कि इस अवसर पर पूरा समाज हजारों की संख्या में जुलूस में उपस्थित रहा। विधि कारक पंकज चौपड़ा खाचरौद वालों ने विधिविधान करवाया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में अध्यक्ष अशोक कोठारी, उपाध्यक्ष ललित बाफना, महामंत्री अभय छाजेड़, कोषाध्यक्ष दिलीप चौपड़ा, ट्रस्टी रमेश बांठिया, रजत मेहता, जिनेन्द्र चौपड़ा, चन्द्रप्रकाश संकलेचा, भैरुलाल छाजेड़ के साथ उज्जैन के सभी संघों के सदस्य और हजारों की संख्या में जनसमूह में उपस्थित थे।

मिथिला महोत्सव 16 फरवरी को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मिथिला महोत्सव के लिए रविवार को श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के साथ कर्नाटक मिथिला परिषद का संयुक्त बैठक आयोजित किया गया। जिसमें बताया गया कि 16 फरवरी को बंटस संघ ऑडिटोरियम अत्तिगुप्पे विजयनगर में मिथिला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बिहार के कई मंत्री एवं प्रमुख गायक तथा सांसद हिस्सा लेंगे। महोत्सव की तैयारी जोड़ों पर है। इस बैठक में हरिश्चंद्र झा, पवन मिश्रा, पं राज-गुरु, मणिकांत झा, सुनील ठाकुर, अवनीश किशोर, गिरीश झा, राजकुमार झा, रूपेश झा, विक्रम व कुमार, राजेश कुमार, पालन झा, कृष्ण कुमार, क्षितिज कुमार इत्यादि लोग उपस्थित थे। बैठक के अंत में पंडित राजगुरु ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिद्ध गंगा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल माकली द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव नमना 2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक गण मौजूद थे।

पारिवारिक शिविर का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी उदितयशाजी के सान्निध्य में एक पारिवारिक शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रथम चरण साध्वी संगीतप्रज्ञा जी ने अनुप्रेक्षा के साथ किया। साध्वी उदित यशा जी ने आध्यात्म के रंग परिवार के संघ विषय पर धर्म परिषद् को बड़े ही मार्मिक ढंग से समझाते हुए पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ बनाने के गुर सिखाए। विभिन्न विषयों पर साध्वी भव्ययशा जी ने सरल शब्दों में अपना व्यक्तव्य प्रस्तुत किया। अंतिम चरण में 18 पापों के अनुप्रेक्षा पर साध्वी संगीत प्रभा ने अपने अपने व्यक्तव्य से हासन वासियों को झकझोर दिया। कार्यक्रम में सर्व समाज ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उसके बाद साध्वीजी ने अपने 2025 के चातुर्मास के हेतु मद्रास की तरफ विहार किया।

कांग्रेस विधायक परिवार अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में भ्रष्टाचार में लिप्त : चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि विधायक संगमेश्वर के बेटे बसवेश के व्यवहार से यह तथ्य सामने आया है कि कांग्रेस विधायक परिवार अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में भ्रष्टाचार में लिप्त है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भद्रावती विधायक संगमेश्वर के बेटे बसवेश का महिलाओं और एक सरकारी अधिकारी के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि धमकी वीडियो में थी।

कानून क्या कर रहा है? मुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? उन्होंने पूछा कि क्या आपके विधायकों का यह रवैया है कि वे जो भी कर रहे हैं, वह ठीक है। उन्होंने कहा कि संगमेश्वर के बेटे बसवेश को पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाना चाहिए था। वे दूसरों के बारे में कहते हैं, क्या हम लड़कियों का सम्मान इसी तरह करते हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस पार्टी, जो अब सरकार चला रही है, लड़कियों का सम्मान कर रही है। विधायक के बेटे को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने पूछा कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। कांग्रेस एक पारिवारिक पार्टी है। उनका नियम है कि परिवार में हर किसी को अधिकार रखना चाहिए और गर्व दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला उत्पीड़न के मामले में सरकार को इतना विलंब नहीं करना चाहिए था, अगर कोई और ऐसा करता तो आप क्या करते? यह सरकार लड़कियों की सुरक्षा नहीं कर रही है। कितने बलात्कार हुए हैं? कितनी महिलाओं ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है? आज कितनी माताओं ने अपनी जान गँवाई है? उन्होंने न केवल सत्ता में साझेदारी करने के लिए बल्कि कानून-व्यवस्था की गिरावट के लिए भी कांग्रेसियों की आलोचना की।

साध्वीवृन्द के दर्शन वंदन का लाभ

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी ने महत्ती कृपा कर साध्वीश्री पुण्ययशा जी का वर्ष 2025 का चातुर्मास राजाराजेश्वरी नगर को प्रदान किया है।

इसलिए श्रावक समाज पूर्ण जागरूकता के साथ विहार व्यवस्था में संलग्न है। इसी के तहत सोमवार को सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ के कुशल निर्देशन में उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, सेवा प्रभारी बुद्धमल बैंगाणी, सहप्रभारी हिमांशु बोथरा एवं कार्यसमिति सदस्य कौशल लोढ़ा बेलगावी पहुंचे। साध्वीवृन्द के दर्शन कर सुखसाता की पृच्छा की। भायंदर सभा से अभय बाफना ने आगे की विहार सेवा की जिम्मेदारी का हस्तांतरण राजाराजेश्वरी नगर के सभा के सदस्यों को किया। राजेश छाजेड़ ने गुरुकृपा से मिले इस अवसर को सजगता से निभाने की प्रतिबद्धता दर्शायी। सभी श्रावकों ने हुब्बल्ली में विराजित मुनि पुलकित कुमार जी के दर्शन-सेवा का लाभ लिया।

मैसूरु में आपा की हार पर सांप्रदायिक सोशल मीडिया पोस्ट से विवाद, आरोपी हिरासत में

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने एक व्यक्ति को सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने के आरोप में हिरासत में लिया है।

इस पोस्ट में नई दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आपा) की हार का जश्न मनाते हुए एक खास समुदाय के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणी की गई थी। इस पोस्ट के बाद मैसूरु शहर में तनाव फैल गया था। मैसूरु के कल्याणनगर निवासी आरोपी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल का मजाक उड़ाते हुए पोस्ट डाली थी।

आरोपी ने एक खास धार्मिक समूह के खिलाफ भड़काऊ सांप्रदायिक बयान भी दिए थे। यह पोस्ट सोमवार रात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। सोमवार देर रात अल्पसंख्यक समुदाय के लोग उदयगिरी पुलिस स्टेशन के सामने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एकत्र हुए। हालांकि, पुलिस ने भीड़ को शांत करने की कोशिश की और धार्मिक नेताओं को भी बुलाया, जिन्होंने भीड़ से शांत रहने का अनुरोध किया, लेकिन स्थिति हिंसक हो गई और भीड़ ने पुलिस स्टेशन पर पथराव शुरू कर दिया। उन्होंने नारे लगाए और जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया और बाद में भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया और स्थानीय राजनीतिक नेताओं के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भीड़ से अपील की और आश्वासन दिया कि आरोपी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और भीड़ को विरोध वापस लेने के लिए मनाने में कामयाब रहे।

हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है, लेकिन इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है। 16 अप्रैल, 2022 को हुब्बल्ली में एक बदमाश ने कथित तौर पर व्हाट्सऐप संदेश में इस्लाम के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की, जिसके कारण भीड़ ने पुलिस स्टेशन को घेर लिया। पुलिस ने तब तक उसे गिरफ्तार कर लिया था और इसके बावजूद भीड़ ने उसे सौंपने की मांग की और कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश की। अगले दिन, हजारों लोग इकट्ठा हुए, जुलूस निकाला, पुलिस जीप पर चढ़ गए और इस्लामी झंडा फहराया। उन्होंने पुलिस पर पथराव किया, जिसमें कई अधिकारी घायल हो गए। उस दिन हुब्बल्ली का आधा हिस्सा बंद रहा।

कर्नाटक सरकार ने हुब्बल्ली पुलिस स्टेशन दंगा मामले से संबंधित मामलों को वापस लेने का फैसला किया था, जिसमें 2022 में पुलिस पर हमला करने के लिए 150 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज किया गया था। इस कदम से विवाद खड़ा हो गया था और भाजपा ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

बोरी गोदाम में आग लगने से भारी नुकसान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ के बंटवाल तालुक के बड़काबैल में सोमवार आधी रात को एक बोरी गोदाम में अचानक आग लग गई, जिससे काफी नुकसान हुआ। स्थानीय निवासी मुहम्मद उर्फ मोनाक का गोदाम आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आग की लपटें हामिद और सरपुद्दीन के पड़ोसी घरों तक भी फैल गईं। सौभाग्य से, किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है। अग्निशमन कर्मियों और स्थानीय निवासियों ने आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की।

आग का कारण शॉर्ट सर्किट होने का संदेह है। विधायक राजेश नाइक ने स्थिति का आकलन करने के लिए घटनास्थल का दौरा किया। राजस्व निरीक्षक विजय आर और अन्य अधिकारियों ने भी घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया।

कॉफी बागान में मजदूरों को ले जा रहा वाहन पलटा, 14 गंभीर रूप से घायल

मडिकेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। मडिकेरी तालुक के बल्लुपेट के निकट निदानुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर मंगलवार सुबह कॉफी बागान में काम करने वाले श्रमिकों को ले जा रहा टाटा विंगर वाहन सड़क के किनारे पलट गया, जिससे कई श्रमिक घायल हो गए।

यह घटना उस समय हुई जब वाहन तमिलनाडु के सेलम से मडिकेरी जिले के शनिवरसंथे के पास कॉफी की कटाई के लिए कॉफी बागान में आ रहा था। वाहन के चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया। सकलेशपुर ग्रामीण पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में हुई इस घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के कारण मजदूरों के कपड़े, बर्तन और खाने-पीने का सामान बिखर गया। घायलों को एंबुलेंस से हासन जिला अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि दुर्घटना का कारण तेज गति थी और पुलिस ने मौके पर जाकर जांच की।

क्या भाजपा विधायक यतनाल को कर सकती है निलंबित?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। असंतुष्ट नेता और बीजापुर के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, जिन्हें अपनी ही पार्टी के खिलाफ असंतोष व्यक्त करने के लिए केंद्रीय चुनाव अनुशासन समिति से कारण बताओ नोटिस मिला है, को भाजपा पार्टी से निलंबित किए जाने की संभावना है। केंद्रीय चुनाव अनुशासन समिति ने यतनाल को तीन दिन के भीतर कारण बताओ नोटिस का जवाब देने का निर्देश दिया है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि यदि उनका जवाब संतोषजनक नहीं रहा तो उन्हें पार्टी से निलंबित भी किया जा सकता है। अनुशासन समिति यतनाल की बोलती बंद करने के लिए निलंबन का हथियार इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है, क्योंकि उसे डर है कि अगर निष्कासन जैसी कठोर कार्रवाई की गई तो पंचमसाली समुदाय, जो भाजपा का मजबूत आधार है, अगले विधानसभा चुनाव में उसके खिलाफ हो सकता है। अनुशासन समिति ने इससे पहले यतनाल को नोटिस जारी किया था। समिति ने आपत्ति जताई कि उन्होंने जो जवाब दिया वह संतोषजनक नहीं था। यतनाल, जिन्होंने कहा था कि वह अपना व्यवहार सुधार लेंगे, हमेशा की तरह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजेंद्र और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस.येदियुरप्पा के परिवार पर भड़के। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि यतनाल इस नोटिस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। हमेशा की तरह, यदि वे वही विजयेंद्र, येदियुरप्पा, पारिवारिक राजनीति, समझौता और अन्य क्षणभंगुर कारण बताएंगे तो अनुशासन समिति इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। इसके बजाय, पार्टी सूत्रों ने कहा कि बिना देरी किए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासन समिति कार्यकारिणी सदस्य ओम पाठक ने नोटिस में चेतावनी दी कि यद्यपि यतनाल ने कारण बताओ नोटिस का जवाब तैयार कर लिया है, लेकिन पिछली बार जैसा जवाब ना दें तो अच्छा होगा। इसके बजाय, उचित औचित्य दिया जाना चाहिए। अन्यथा आपका आचरण अनुशासनहीनता माना जाएगा।

अमृत भारत योजना के तहत

दक्षिण कन्नड़ में चार रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण कार्य जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्र सरकार की अमृत भारत योजना ने मैसूरु रेलवे डिवीजन में मेंगलूरु और सुब्रह्मण्य के बीच चार रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण शुरू किया है।

कनेक्टिविटी और सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से निर्माण इस साल मार्च के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 फरवरी, 2024 को देश भर में विभिन्न रेलवे पहलों के लिए कुल 41,000 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शुभारंभ किया था। अमृत भारत विशेष योजना के तहत 554 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और 1,500 रोड ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण किया गया है। इस पहल के तहत, कडाबा तालुक के कोडिम्बाला गांव, नेक्किलाडी गांव के बाजकेरे, नरीमोगारू गांव के संदीपनी विद्या संस्थान के पास पुरुषराकट्टे और पुत्तूर तालुक के गदीपिला में चार फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 24 करोड़ रुपये है।

कोडिम्बाला, बाजाकेरे और पुरुषराकट्टे में 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, जबकि गदीपिला में फ्लाईओवर अप्रैल तक पूरा होने की उम्मीद है। अन्य तीन फरवरी के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

इन फ्लाईओवर का निर्माण रेलवे ट्रैक से 6.53 मीटर की ऊंचाई पर किया जा रहा है, जिसकी चौड़ाई 7.5 मीटर और लंबाई 10 मीटर होगी। कंक्रीट की सतह के साथ पूरक संपर्क सड़कें भी बनाई जा रही हैं। बेंगलूरु स्थित एस वी कंस्ट्रक्शन ने यह ठेका लिया है। हालांकि प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण शुरुआती देरी हुई, लेकिन काम की गति में काफी तेजी आई है। इस क्षेत्र में रेलवे स्टेशनों का विद्युतीकरण और प्लेटफार्मों की ऊंचाई पहले ही पूरी हो चुकी है, जिससे सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। फ्लाईओवर का निर्माण पूरा होने के बाद, यह स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करेगा। एपीएमसी के पूर्व निदेशक मेदप्पागौड़ा ने राहत व्यक्त की कि फ्लाईओवर बनने से रेलवे फाटकों पर लंबा इंतजार खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा हमने पहले तत्कालीन सांसद नलिन कुमार कटील से कोडिम्बाला और बाजकेरे में फ्लाईओवर के निर्माण के लिए अपील की थी। प्रधानमंत्री मोदी की अमृत भारत योजना की बदौलत, धन सुरक्षित हो गया और परियोजना शुरू हो गई। अब हम क्षेत्र में रेलवे से संबंधित विकास के लिए वर्तमान दक्षिण कन्नड़ (डीके) सांसद कैप्टन बृजेश चौटा से संपर्क करने की योजना बना रहे हैं। परियोजना अभियंता गोवर्धन रेड्डी ने आश्वासन दिया कि रेलवे विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए, सभी चार फ्लाईओवर को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास चल रहे हैं।

क्या राहुल गांधी को कर्नाटक आने में शर्म आ रही है: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मंगलवार से शहर में शुरू हुए इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' निवेश सम्मेलन में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अनुपस्थिति की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि क्या दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार शून्य प्रदर्शन से अपमानित होने के बाद राहुल गांधी कर्नाटक आने में शर्मिंदा हैं?

या राहुल कांग्रेस पार्टी में चल रही गुटबाजी का सामना करने से डरते हैं? आर. अशोक ने यह पोस्ट कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश के उस बयान के बाद की है जिसमें उन्होंने कहा था कि मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी बेंगलूरु में शुरू हुए इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' निवेश सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहे हैं क्योंकि वे संसद के बजट सत्र पर बहस में व्यस्त हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि गांधी परिवार ने हमेशा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की तुलना में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का पक्ष लिया है, यह सभी जानते हैं। अशोक ने कहा कि ऐसा लगता है कि राहुल गांधी और डी.के. शिवकुमार एक दूसरे से नहीं मिल रहे हैं।

विजयेंद्र केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कर सकते हैं मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वरिष्ठों के निर्देश पर दिल्ली के लिए रवाना हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं, क्योंकि आलाकमान राज्य भाजपा में आंतरिक कलह को रोकने के लिए कदम उठा रहा है। विजयेंद्र रविवार शाम को दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वे वहां कुछ दिन रुकेंगे, फिर अमित शाह से मिलेंगे और राज्य वापस लौटेंगे। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद दिल्ली में भाजपा सत्ता में आई। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पैदा हुए संकट से निपटने में व्यस्त हैं और विजयेंद्र इसके के बाद अमित शाह से मुलाकात करके ही वापस लौटेंगे। विजयेंद्र की शाह से मुलाकात इसलिए भी अहम है क्योंकि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति पर फैसला लेना है। इस बीच, पूर्व मंत्री बी.श्रीरामुलु

को उम्मीद है कि पार्टी आलाकमान उन्हें मौका देगा। श्रीरामुलु प्रयागराज में पवित्र स्नान करने के बाद घर लौट आए हैं। संदूर उपचुनाव में पार्टी की हार पर पूर्व सीएम डी.वी. सदानंद गौड़ा की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट को आलाकमान ने गंभीरता से लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्रीरामुलु चुनाव से पहले बचे अंतिम पांच दिनों में प्रचार से अनुपस्थित रहे। भाजपा कर्नाटक प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल ने इस मुद्दे पर श्रीरामुलु से सवाल किया था। अफवाह यह थी कि इससे परेशान होकर उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला कर लिया था। इस बीच, केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना के घर पूजा-अर्चना के बहाने बागी नेता भी दिल्ली पहुंच गए थे। इस बीच, भाजपा केंद्रीय चुनाव अनुशासन समिति ने सोमवार को विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा है। इस प्रकार, विजयेंद्र और यतनाल गुटों के बीच आगे के घटनाक्रम ने जिज्ञासा पैदा कर दी है।

कार दीवार से टकराई, पुलिस ने चालक पर लगाया जुर्माना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लापरवाही से गाड़ी चलाने और चारमाडी के पास एक घर की दीवार से टकराने के बाद एक कार चालक पर जुर्माना लगाया गया। बेंगलूरु के युवाओं का एक समूह कार से उजीरे गया था। उनमें से एक तेजस (22) अकेले चारमाडी की ओर जा रहा था, जब रास्ते में

उसकी कई गाड़ियों से टक्कर हो गई। जब उसने देखा कि दूसरे मोटर चालक उसका पीछा कर रहे हैं, तो उसने अपनी गति बढ़ा दी, नियंत्रण खो दिया और चारमाडी के पास एक घर की दीवार से टकरा गया। बेलांगडी ट्रैफिक पुलिस ने घटना की जांच की और चालक पर जुर्माना लगाया।

पथराव और उत्पात मचाने के बाद भागे आरोपियों को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु के कानून और व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हितेंद्र ने कहा मैसूरु के उदयगिरी में स्थिति अब शांत है और पथराव और उत्पात मचाने के बाद भागे आरोपियों को गिरफ्तार करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि पथराव करने के बाद भागने वालों को पकड़ने के लिए

सीसीटीवी कैमरों और मोबाइल फोन में कैद तस्वीरों के आधार पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है। उदयगिरी पुलिस ने सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट डालने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उस समय जब पुलिस स्टेशन के सामने भीड़ जमा हो गई तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस वाहनों पर पथराव कर उनकी खिड़कियां तोड़ दीं। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी समेत 6 से अधिक पुलिसकर्मी पत्थरों की चपेट में आकर घायल हो गए। उन्होंने बताया कि अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उदयगिरी में स्थानीय पुलिस के साथ केएसआरपी और डीएआर की टीमें तैनात की गई हैं। अधिकारियों ने घटनास्थल पर शिविर स्थापित कर लिया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मैसूरु दंगों का कारण पुलिस की लापरवाही है: मंत्री राजन्ना

99 प्रतिशत मुस्लिम आबादी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने मैसूरु के उदयगिरी में हुई पथराव की घटना में पुलिस पर कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही का आरोप लगाया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमारी पुलिस को क्या हो गया है? क्या आपको कम से कम कुछ सामान्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं है? किसी आरएसएस व्यक्ति ने धार्मिक निन्दा का कार्य किया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को उदयगिरी पुलिस स्टेशन में रखा गया है, जहां 99 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। स्वाभाविक रूप से, लोग एकत्रित हो गए और उन्होंने आक्रोश व्यक्त किया तथा यह हंगामा किया। क्या पुलिस को बुद्धिमता की आवश्यकता नहीं है? शासन करना केवल मंत्रियों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है। क्या स्थानीय स्तर पर काम करने वाले पुलिसवालों में सामान्य बुद्धि नहीं है? उन्होंने गिरफ्तारियों के बाद हुए दंगों के लिए स्थानीय पुलिस को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी आलोचना की। भद्रावती कांग्रेस विधायक संगमेश के बेटे द्वारा महिला अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने और अहंकार प्रदर्शित करने के लिए उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। अधिकारियों का अपमान करना दंडनीय अपराध है, चाहे वे कोई भी हों, चाहे वे मंत्री हों, विधायक हों या उनके बच्चे हों। इसलिए उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा डी.के. शिवकुमार केपीसीसी के पूर्णकालिक अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं। एआईसीसी अध्यक्ष ने निर्देश दिया है कि किसी को भी पार्टी अध्यक्ष बदलने की चर्चा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाकी निर्णय हाईकमान उचित समय पर लेगा। हम पार्टी संगठन पर जोर देते हैं। गुटबाजी का समर्थन नहीं करते। अगर जाति सम्मेलन होंगे तो इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि एससी/एसटी और ओबीसी के लिए कोई भी कार्यक्रम पार्टी मंच पर आयोजित किया जाएगा। मैं दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण और वी. सोमन्ना से मुलाकात करूंगा। लघु सिंचाई के संबंध में कई प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि वी. सोमन्ना केंद्रीय लघु सिंचाई मंत्री हैं, इसलिए वह उनसे मिलकर इस पर चर्चा करेंगे। नाबार्ड द्वारा राज्य को दिए जाने वाले कृषि ऋण में 58 प्रतिशत की कमी आई है। इससे किसानों के लिए समस्याएँ पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि यह चूक गलतफहमी के कारण हुई है और वे केंद्रीय सहकारिता मंत्री से मिलकर उन्हें इस बारे में समझाएंगे। आरबीआई के नियमों के अनुसार, वाणिज्यिक बैंकों को प्राथमिकता क्षेत्र को 17 प्रतिशत ऋण देना चाहिए। लेकिन इसका उतना क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। अधिशेष राशि नाबार्ड को दे दी गई। वहां से ऋण राशि अन्य राज्यों को वितरित की गई। इस बार, वाणिज्यिक बैंकों ने आभूषण ऋण को कृषि ऋण बताकर गलत जानकारी दी है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय को बताया गया है कि कृषि ऋण क्रमशः 17 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत की दर पर दिए गए हैं। इस गलतफहमी के कारण नाबार्ड ने राज्य को दिए जाने वाले कृषि ऋण की राशि कम कर दी है। अमित शाह सहकारिता क्षेत्र से हैं और सहकारिता मंत्री भी हैं। वह गुजरात के एक गांव में सहकारी समिति के अध्यक्ष हैं और अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक और गुजरात अपेक्स बैंक के निदेशक के रूप में काम करते हैं। वे माइक्रोफाइनेंस योजनाओं की समस्या से अच्छी तरह परिचित हैं। उन्होंने कहा कि वह उनसे मिलेंगे क्योंकि यदि वह उन्हें राज्य के साथ हो रहे अन्याय के बारे में समझा सकें तो इससे राज्य को लाभ होगा। अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला से मिलने का प्रयास करूंगा। हमें 2028 में अगला विधानसभा चुनाव फिर जीतना होगा। इसे ध्यान में रखते हुए, मैं कई सुझाव देने का प्रयास करूंगा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पिछले विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार की जाति के अलावा किसी अन्य जाति से बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि विधान परिषद में नामांकन के लिए उन जातियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है।

मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आप लोकसभा सत्र के दौरान दिल्ली आएंगे तो सभी मंत्री उपलब्ध रहेंगे। इसलिए मैं दिल्ली जा रहा हूं।

ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण का गठन एक अच्छा विचार: रिजवान अरशद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संविधान की मंशा के विपरीत कोई कानून नहीं होना चाहिए, जिससे स्थानीय प्रशासन को सशक्त बनाया जा सके। बेंगलूरु को विभाजित कर कई निगम बनाने से समस्याएं पैदा होंगी। मुख्यमंत्री की जगह महापौर को प्राधिकरण का प्रमुख बनाना और पार्षदों के बिना नया कानून लाना ठीक नहीं है। चार साल से चुनाव नहीं हुए हैं।

बीबीएमपी के लिए तुरंत चुनाव कराएं। विधानसभा की संयुक्त छानबीन समिति द्वारा सोमवार को आयोजित 'जनता, संघों और संस्थाओं के सुझाव' बैठक में ये विचार व्यक्त किए गए, जिसका गठन 'ग्रेटर बेंगलूरु प्रशासन विधेयक-2024 की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए किया गया था। समिति के अध्यक्ष रिजवान अरशद के नेतृत्व में बीबीएमपी के पश्चिम और महादेवपुर जोन के नागरिकों से सुझाव प्राप्त हुए। मोहनराज ने कहा ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण का गठन एक अच्छा विचार है, लेकिन इसे जल्दी से जल्दी लागू किया जाना चाहिए। निगम के निर्वाचित सदस्यों के बिना शहर की कोई भी समस्या हल नहीं हो रही है। अगर इसमें और देरी हुई, तो नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। राजेश ने कहा 110 गांवों को पहले ही बीबीएमपी में शामिल किया जा चुका है। उन्हें जरूरी फंड और इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं दिया गया है। अगर नया बिल लाया जाता है और अधिक इलाकों को शामिल किया जाता है, तो वहां की समस्याएं और बढ़ जाएंगी। बेंगलूरु तेजी से विकसित हो रहा शहर है और इसका क्षेत्रफल 870 वर्ग किलोमीटर हो चुका है। एक मेयर और एक कमिश्नर कुछ नहीं कर सकते। इस संबंध में प्रशासन में बदलाव, सभी विभागों को एक मंच पर लाना और शहर प्रशासन का पुनर्गठन करके समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने ग्रेटर बेंगलूरु एडमिनिस्ट्रेशन बिल - (जीबीए) 2024 पर एक प्रेजेंटेशन पेश किया। विधायक एस.टी. सोमशेखर, ए.सी. श्रीनिवास, प्रियकृष्ण, बैरती बसवराज, विधान परिषद सदस्य नागराज यादव, बीबीएमपी जोनल कमिश्नर स्नेहल, रमेश, संयुक्त आयुक्त सरोजा, के. दक्षायिनी मौजूद थे।

दिल्ली की जीत हमारे लिए एक आदर्श होनी चाहिए: डीवी सदानंद गौड़ा

कार्य प्रणाली में स्पष्टता और अनुशासन होना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने कहा कि दिल्ली की जीत हमारे लिए एक आदर्श होनी चाहिए और कर्नाटक भाजपा में अंदरूनी कलह समाप्त होनी चाहिए तथा कार्य प्रणाली में स्पष्टता और अनुशासन होना चाहिए। कर्नाटक की जनता भाजपा को समर्थन देने के लिए तैयार है। लेकिन उनका विश्वास जीतने के लिए पार्टी के अंदरूनी ढांचे को साफ और मजबूत किया जाना चाहिए। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत पार्टी की कड़ी मेहनत, संगठन और जनोन्मुखी राजनीति का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ निश्चय, विकासोन्मुखी एजेंडे और केंद्र सरकार की कुशल कार्यप्रणाली ने लोगों का विश्वास फिर से हासिल किया है। दिल्ली में यह जीत पार्टी की मजबूत बूथ स्तरीय रणनीति, सुव्यवस्थित प्रचार रणनीति और आम लोगों की समस्याओं को निर्णायक ढंग से संबोधित करने वाले नेतृत्व के परिणामस्वरूप संभव हुई। उन्होंने कहा कि यह जीत जनता का आशीर्वाद है और हमें मार्गदर्शन प्रदान करती है। इसके विपरीत, कर्नाटक में भाजपा अभी भी आंतरिक कलह और संगठनात्मक कमजोरी से ग्रस्त है। उन्होंने कहा कि पार्टी में पैदा हुए मतभेद और गुटबाजी की राजनीति के कारण कार्यकर्ताओं में असंतोष पैदा हो गया है। जबकि दिल्ली में पार्टी एकता और अनुशासन की प्रणाली का पालन करती है, वहीं कर्नाटक में, यह तथ्य कि कुछ नेताओं ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए विभाजन पैदा कर दिया है, एक गंभीर समस्या बन रही है। इससे कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच एक प्रकार की अस्थिरता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि इस स्थिति को नहीं सुधारा गया तो आगामी चुनावों में उन्हें कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पार्टी की ताकत को फिर से बनाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। पार्टी की सफलता किसी एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, यह समर्पण, कड़ी मेहनत और सामूहिक शक्ति का प्रतिबिंब है। राज्य में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए सभी नेताओं को एकजुट होना होगा, संगठन की ताकत को फिर से बनाना होगा और एक ठोस रणनीति का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के हितों को सर्वोपरि रखना, मतभेदों को दूर रखना तथा सहयोग और एकता लाना जरूरी है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट शुरू

20 देशों के उद्यमी ले रहे हिस्सा, निवेश 10 लाख करोड़ रुपये पहुंचने की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तीन दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 का उद्देश्य नवाचार, औद्योगिक विकास और वैश्विक भागीदारी को बढ़ावा देने में दक्षिणी राज्य के रणनीतिक लाभों को उजागर करना है, जिसका मंगलवार को भव्य उद्घाटन हुआ और बुधवार को आधिकारिक रूप से शुरू होगा। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी के अनुसार रीइमेजिनिंग ग्रोथ थीम के साथ, इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की उम्मीद है, जिसमें इन प्रतिबद्धताओं का कम से कम 70 प्रतिशत पूरा करने का लक्ष्य है। अधिकारियों ने कहा कि 75 से अधिक प्रमुख वक्ताओं, 25 से अधिक तकनीकी सत्रों, 10 से अधिक देश सत्रों और एसएमई कनेक्ट चर्चाओं की विशेषता वाले राज्य के प्रमुख वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईएम) में वैश्विक आर्थिक रुझानों, उभरती प्रौद्योगिकियों और लचीलापन रणनीतियों के बारे में गहन जानकारी दी जाएगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मौजूदगी में यहां पैलेस ग्राउंड में कार्यक्रम का उद्घाटन किया और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। इन्वेस्ट कर्नाटक में राज्य की नई औद्योगिक नीति 2025-30 का भी अनावरण किया जाएगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे संसद सत्र में व्यस्त होने के कारण निवेशकों की बैठक में भाग नहीं लेंगे। पाटिल ने पहले कहा था कि गांधी संशोधित सिंगल विंडो सिस्टम का शुभारंभ करेंगे, जबकि खड़गे समापन समारोह में भाग लेने वाले थे। 12-14 फरवरी के बीच होने वाले इस कार्यक्रम में प्रह्लाद जोशी, एच डी कुमारस्वामी, निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, शोभा करंदलाजे और वी सोमन्ना सहित कई केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। पाटिल ने कहा कि शिखर सम्मेलन के दौरान 19 देश भागीदार निवेश और व्यापार चर्चाओं में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि 9 समर्पित देश मंडप द्विपक्षीय सहयोग और निवेश के अवसरों को प्रदर्शित करेंगे। शिखर सम्मेलन में अक्षय ऊर्जा, विश्वविद्यालय सहयोग और स्वास्थ्य सेवा नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करने वाले विशेष उद्योग गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे, जो वैश्विक उद्योगों के भविष्य को आकार देने में कर्नाटक की भूमिका को मजबूत करेंगे। इस कार्यक्रम में वैश्विक दूरदर्शी लोगों की प्रभावशाली लाइनअप भी शामिल होने की उम्मीद है, जिसमें आनंद महिंद्रा, सज्जन जिंदल, शशि थरूर, सेबेस्टियन थ्रुन, एन डंकिन, निखिल कामथ, किरण राव, गीतांजलि किर्लोस्कर, किरण मजूमदार-शॉ, विवेक लाल, सुदर्शन वेणु, मार्टिन लुंडस्टेड, रॉब बॉयड, अकीस इवेंजेलिडिस और प्रशांत प्रकाश जैसे वक्ता शामिल होंगे। इस सम्मेलन में 'फ्यूचर ऑफ इनोवेशन एक्सपो' एक प्रमुख आकर्षण होगा, जिसमें दुनिया भर की 40 से अधिक कंपनियां औद्योगिक परिवर्तन को बढ़ावा देने वाली सफल तकनीकों का प्रदर्शन करेंगी। इस कार्यक्रम में हुब्बल्ली हवाई अड्डे के पास 200 एकड़ के स्टार्टअप पार्क की घोषणा की जाएगी, जिसे 400 से अधिक स्टार्टअप के लिए विकसित किया जाएगा और विजयपुरा जिले के तिदागुंडी में 1,200 एकड़ का सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग और एग्रो-टेक पार्क बनाया जाएगा। लगभग 60 उच्च गुणवत्ता वाले स्टार्टअप और उद्योग के नेता स्वायत्त प्रणालियों, कार्बन नैनोट्यूब, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) और उन्नत रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। 12 फरवरी को कर्नाटक की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान के लिए 14 उत्कृष्ट उद्योगों को सम्मानित करने के लिए इन्वेस्ट कर्नाटक पुरस्कार दिए जाएंगे। 13 फरवरी को, कर्नाटक में औद्योगिक विकास, नवाचार और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 35 से अधिक छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को पहली बार एसएमई पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

उत्कृष्ट महिला उद्यमियों और क्षेत्र उत्कृष्टता के लिए जिला-विशिष्ट पुरस्कार और मान्यता भी दी जाएगी।

हाईकोर्ट ने वक्फ बोर्ड के विवाह और तलाक प्रमाण पत्र जारी करने के अधिकार पर चिंता व्यक्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्य न्यायाधीश एन.वी. अंजारिया और न्यायमूर्ति एम.आई. अरुण की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की पीठ ने मुस्लिम समुदाय के जोड़ों को विवाह और तलाक प्रमाण पत्र जारी करने के वक्फ बोर्ड के अधिकार पर चिंता व्यक्त की और सवाल उठाया। पीठ ने आलम पाशा नामक व्यक्ति द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) पर गौर करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में राज्य सरकार के वक्फ और हज विभाग को कर्नाटक में वक्फ बोर्डों को विवाह और तलाक प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार देने वाले सरकारी आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी। मामले को 19 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दिया गया है, जिससे कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को सरकारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर जवाब देने का समय मिल गया है। अदालत ने इस संबंध में 2023 में जारी सरकारी आदेश पर रोक लगा दी थी। पीठ ने आश्चर्य व्यक्त किया कि वक्फ बोर्ड विवाह और तलाक प्रमाण पत्र भी दे रहा है। पीठ ने आगे कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मामला है और जवाब देने के लिए ज्यादा समय नहीं दिया जाएगा। वक्फ बोर्ड को वक्फ अधिनियम के तहत विवाह और तलाक प्रमाण पत्र जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। अल्पसंख्यक, वक्फ और हज विभाग के अवर सचिव द्वारा वर्ष 2023 में इस संबंध में वक्फ बोर्ड को अधिकार देते हुए सरकारी आदेश जारी किया गया था। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वक्फ अधिनियम केवल चल और अचल संपत्तियों से संबंधित है और कानून के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जिससे वक्फ बोर्ड विवाह और तलाक प्रमाण पत्र जारी कर सके। राज्य सरकार ने पहले अदालत में कहा था कि यह आदेश मुस्लिम समुदाय के अनुरोध के बाद जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था कि विवाह के बाद विदेश यात्रा करने वाले जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाई होती है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 1988 के काजी अधिनियम के तहत पहले काजी (विवाह समारोह संपन्न कराने वाला धार्मिक व्यक्ति) को वक्फ बोर्ड द्वारा विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया था। वर्ष 2013 में काजी अधिनियम को निरस्त कर दिया गया और राज्य ने वक्फ बोर्ड को अधिकार दे दिए हैं।

भाजपा हाईकमान ने चिकबल्लापुर जिला प्रमुख का चुनाव किया स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा हाईकमान ने बागियों के खेमे और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र की चिंताओं को दूर करने का प्रयास किया है। पार्टी ने बागी नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को कारण बताओ नोटिस जारी करने के साथ ही चिकबल्लापुर जिला इकाई के अध्यक्ष की नियुक्ति पर रोक लगा दी है। विजयेंद्र को लिखे पत्र में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने अगले निर्देश तक चिकबल्लापुर जिला इकाई के अध्यक्ष बी. संदीप का चुनाव स्थगित कर दिया है। उन्होंने पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि संदीप जिला इकाई के अध्यक्ष के रूप में काम नहीं कर सकते हैं और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव में भी मतदान नहीं कर सकते हैं। संदीप के चुनाव ने चिकबल्लापुर से पार्टी सांसद के. सुधाकर को नाराज कर दिया था, जिन्होंने विजयेंद्र पर अपने वफादार को इस पद पर निर्वाचित करने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया था। उन्होंने विजयेंद्र के खिलाफ सार्वजनिक रूप से विद्रोह का झंडा बुलंद किया था और उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी।

क्या राहुल गांधी हिंदू नहीं हैं? मंत्री एम.बी. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बड़े एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने कहा कि मनुस्मृति मानवता के खिलाफ है। इसीलिए हर कोई इसके खिलाफ बोलता है। उद्योग में जो कमियां हैं, उन्हें पहले दूर किया जाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा अन्ना बसवन्ना एक महान ब्राह्मण थे। उन्होंने हिंदू धर्म की कुछ अपवित्र प्रथाओं और अंधविश्वासों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। क्या यह गलत है? मनुस्मृति के बारे में बोलने के लिए राहुल गांधी को हिंदू धर्म से निष्कासित करने के हिंदू संसद के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा क्या राहुल गांधी हिंदू नहीं हैं? हिंदू संसद का प्रस्ताव राजनीति से प्रेरित है और इसका कोई मूल्य नहीं है। राहुल गांधी काशी से लेकर सभी मंदिरों में जाते हैं। उनमें हिन्दुओं के प्रति अपार सम्मान है। प्रियंका गांधी भी मंदिरों में जाती हैं और प्रार्थना करती हैं। लेकिन हर चीज का इस्तेमाल सार्वजनिक प्रचार के लिए नहीं किया जाता। कुछ लोगों ने धर्म का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने के लिए उनकी आलोचना की। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का यह बयान कि राज्य सरकारों द्वारा कर संग्रह के समानांतर हिस्सा मांगना अपमानजनक है, व्यक्तिगत है। राज्य सरकार केंद्र को साढ़े चार लाख करोड़ रुपये कर के रूप में दे रही है। दक्षिण के सभी राज्यों में अच्छा विकास हुआ है। परिवार कल्याण योजना के कार्यान्वयन सहित विभिन्न उपायों के कारण राज्यों की प्रगति अच्छी है। उन्होंने कहा कि कर वितरण में अनुचित व्यवहार उचित नहीं है। कुछ राज्य जनहितैषी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में पीछे हैं। हम आपसे सम्पूर्ण कर बिल का भुगतान करने के लिए नहीं कह रहे हैं। हम अपने अधिकारों का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक है, यह महज अफवाह है कि दलित समुदाय के मंत्री दिल्ली में अलग से बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई विकास नहीं हुआ है।

बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में बोलीं वित्त मंत्री

बजट का फोकस गरीब युवा, अन्नदाता और नारी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

लोकसभा में केंद्रीय बजट बहस का जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में विश्व का परिदृश्य 180 डिग्री बदल गया है। बजट बनाना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। वित्त मंत्री ने मंगलवार को लोकसभा में बजट 2025-26 पर चर्चा के दौरान कहा कि बजट राष्ट्रीय विकास आवश्यकताओं को राजकोषीय प्राथमिकताओं के साथ संतुलित करता है। मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों की महंगाई कम होती दिख रही है। कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को ग्रोथ इंजन बनाने के साथ गांवों में समृद्धि लाने पर सरकार जोर दे रही है।

वित्त मंत्री ने कहा कि बजट 2025-26 का फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर है। इसका आधार कृषि, एमएसएमई और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाओं और सुधारों को प्रस्तुत करना था। विकास, ग्रामीण समृद्धि और लचीलेपन के प्रावधान के साथ-साथ उठाए गए कदम विकास के इंजन के रूप में काम करते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि कृषि उत्पादन में सबसे पिछड़े 100 जिलों में उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए वित्त

मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2014 से पहले 45 प्रतिशत घरों में एलपीजी कनेक्शन या स्वच्छ ईंधन नहीं था।

अब करीब 32 करोड़ घरों तक, यानी करीब 100 प्रतिशत घरों तक खाना पकाने का स्वच्छ ईंधन उपलब्ध है। 10.3 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को 503 रुपए में एलपीजी सिलेंडर मिल रहा है। पिछले 10 वर्षों में विश्व का परिदृश्य 180 डिग्री बदल गया है। बजट बनाना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। लोकसभा में केंद्रीय बजट बहस का जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि सदस्यों ने बजट के विवरण में जाने का विकल्प चुना है। यह बजट बहुत अनिश्चितताओं के समय आया है, और वैश्विक वृहद आर्थिक परिवेश में परिवर्तन इसे चुनौतीपूर्ण बनाता है। इसलिए, यदि ऐसी चुनौतियां हैं, जिनके कारण बजट की तैयारी में वास्तव में बहुत अधिक अनिश्चितताएं हैं, तो मुझे कम से कम सम्मानित सदन के सामने यह रखना होगा कि ऐसे मुद्दे हैं जो वैश्विक चिंता के हैं, जिनका हमारे अपने बजट निर्माण पर भी प्रभाव पड़ता है।

वित्त मंत्री ने कहा कि मध्य पूर्व में वैश्विक संघर्ष जारी है, रूस-यूक्रेन युद्ध जारी है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में स्थिरता और उभरते बाजारों में स्थिर मुद्रास्फीति सभी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में माहौल को खराब कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास आदर्श रूप से ऐसी स्थिति है जो मुक्त व्यापार को प्रोत्साहित करेगी, हम कोई प्रतिबंध नहीं देख रहे हैं, जहां हम वैश्वीकरण के लिए बहुत दृढ़ता से वचनबद्ध हैं, हम बहुत अधिक विखंडन देख रहे हैं, जहां हमें राजकोषीय विवेक की आवश्यकता है, हम बढ़ते कर्ज देख रहे हैं। वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि 2025-26 के लिए प्रभावी पूंजीगत व्यय का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद का 4.3 प्रतिशत है और राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद 4.4 प्रतिशत है। यह दर्शाता है कि सरकार प्रभावी पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए ऋण संसाधनों का तर्कसंगत उपयोग कर रही है।

वित्त मंत्री ने कहा, सरकार आगामी वर्ष (2025-26) में प्रभावी पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए लगभग 99 प्रतिशत उधार संसाधनों का उपयोग करने का इरादा रखती है। वर्ष 2025-26 में क्षेत्रीय परिव्यय में कृषि को 1.71 लाख करोड़ रुपए, ग्रामीण विकास को 2.67 लाख करोड़ रुपए, शहरी विकास और परिवहन को 6.45 लाख करोड़ रुपए, स्वास्थ्य और शिक्षा को 2.27 लाख करोड़ रुपए, रक्षा (जिसमें रक्षा पेंशन शामिल नहीं है) को 4.92 लाख करोड़ रुपए मिलेंगे। मैं सिर्फ इस तथ्य को उजागर करना चाहती हूं कि किसी भी पूंजीगत व्यय खाते में पैसा देने से इनकार नहीं किया जा रहा है।

नक्सलवाद मुक्त भारत की ओर बढ़ते कदम

2024 से अब तक 350 से अधिक नक्सलियों का सफाया

रायपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सलियों पर सुरक्षाबल काल बन कर टूट रहे हैं। बीजापुर में हुए एक हालिया एनकाउंटर में 31 नक्सली मार गिराए गए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक देश को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। सुरक्षाबल लगातार एक के बाद एक नक्सली गढ़ तोड़ते जा रहे हैं। उन इलाकों में भी अब जवान पहुंच रहे हैं, जहां पहले नक्सली खुला घूमते थे। बस्तर से लेकर गढ़चिरौली तक नक्सली जान बचाते फिर रहे हैं।

नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई 9 फरवरी, 2025 को इन्द्रावती नेशनल पार्क, बीजापुर में हुई। यहां नक्सलियों की एक सीक्रेट मीटिंग पर हमला बोलकर छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर टाइगर और केंद्रीय सुरक्षाबलों ने 31 नक्सली मार गिराए। नक्सली इस हमले से चौंक गए। पुलिस को सूचना मिली थी कि इन्द्रावती नेशनल पार्क में छोटाकाकलेर और लोद्देड इलाके में नक्सलियों की एक बैठक हो रही है। यह बैठक नक्सलियों ने आगे रणनीति बनाने के लिए बुलाई थी। इस बैठक में तेलंगाना, बस्तर, इन्द्रावती एरिया के नक्सली शामिल थे। सुरक्षाबलों ने इस ऑपरेशन के लिए बड़ी प्लानिंग की थी। इसमें जवानों ने नक्सलियों को चौंकाने के लिए महाराष्ट्र सीमा का भी उपयोग किया। लगभग 1000 जवान इस ऑपरेशन में शामिल थे। यह बीजापुर के अलावा महाराष्ट्र की तरफ भी घुसे। इसके लिए जवानों को 100 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। जवान कुछ दिन पहले ही इस ऑपरेशन के लिए निकल हचुके चुएक थे। नक्सली इससे चौंक गए। पहाड़ी पर यह मुठभेड़ चालू हुई। तेलंगाना के नक्सलियों ने भागने की कोशिश की लेकिन मारे गए। फायरिंग के बाद यहां 31 शव और बड़ी संख्या में हथियार मिले।

सिर्फ इन्द्रावती नेशनल पार्क ही नहीं इससे पहले 2 फरवरी को कोरचोली में हुए एक ऑपरेशन 8 नक्सली मारे गए थे। 20 जनवरी, 2025 को ही गरियाबंद में भी पुलिस एनकाउंटर हो चुका है। इस एनकाउंटर में 29 नक्सली मारे गए थे। 16 जनवरी को हुए ऑपरेशन में सुकमा में 18 नक्सली मारे गए थे। इससे पहले अबूझमाड़ में 5 नक्सली मार गिराए गए थे। यह एनकाउंटर छतीसगढ़ के नक्सल प्रभावित अलग-अलग इलाकों में हुए हैं। इनमें अबूझमाड़ और गरियाबंद आदि नक्सलियों के गढ़ रहे हैं। अब इन इलाकों में सुरक्षाबलों के सैकड़ों कैम्प हैं।

सुरक्षाबल लगातार नक्सलियों के बड़े गुट साफ़ कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, 2024 में ही छत्तीसगढ़ के भीतर 239 नक्सली मार गिराए गए थे। 2025 में छत्तीसगढ़ में 87 नक्सली मार गिराए जा चुके हैं। सुरक्षाबल नक्सलियों को मार ही नहीं रहे बल्कि उन्हें मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रहे हैं। 2024 में छत्तीसगढ़ के भीतर 925 नक्सली गिरफ्तार भी किए गए थे। इसके अलावा 738 ने नक्सलवाद की राह छोड़ कर आत्मसमर्पण किया था। छतीसगढ़ की विष्णु देव साय की सरकार लगातार इस बात पर जोर दे रही है कि नक्सलियों के बहकावे में आए लोग वापस मुख्यधारा में जुड़ जाएं। हालांकि, सुरक्षाबलों को लगातार निशाना बनाने वाले नक्सली मान नहीं रहे।

नक्सली हिंसा में बीते कुछ वर्षों में तेजी से कमी आई है और उन इलाकों में विकास भी हुआ है। लोकसभा में गृह मंत्रालय द्वारा दिए गए एक जवाब के अनुसार, 2010 में देश में 126 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे लेकिन यह संख्या 2024 में घट कर 90 आ गई। 2010 में देश में 1000 से अधिक नक्सली हिंसा की घटनाएं हुई थीं। यह 2024 में घट कर 374 पर आ गईं। इसके अलावा सुरक्षाबलों को 2010 में 1000 से अधिक जवान खोने पड़े थे। यह संख्या घट 2024 में घट कर 105 पर आ गई है।

नक्सलियों पर हो रही इस ताबड़तोड़ कार्रवाई के पीछे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की दी हुई डेडलाइन सुरक्षाबलों के लिए मंत्र की तरह काम कर रही है। गृह मंत्री शाह ने अगस्त 2024 में रायपुर में ऐलान किया था कि देश में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंची है।

तमिलनाडु सरकार का सनातन विरोधी फरमान

मंदिर में आया एक-एक रुपया जमा करवाएं पुजारी

चेन्नई, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

तमिलनाडु सरकार ने सनातन विरोध फरमान जारी किया है। सरकार ने अपने आदेश में कहा है कि मंदिर के पुजारी अपनी प्लेट में आने वाले सिक्कों को भी सरकारी खजाने में जमा करवाएं। सरकारी आदेश में मंदिर के सुरक्षाकर्मियों को पुजारियों पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है। हिंदू संगठनों ने इसका विरोध किया है। कहा गया कि बवाल के बाद सरकार ने आदेश वापस लिया, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ प्रबंधन विभाग ने 7 फरवरी, 2025 को एक आदेश जारी किया।

आदेश विभाग की मदुरई शाखा ने धन्दायुथापानी मंदिर को जारी किया। इस आदेश में लिखा गया कि पुजारियों को मंदिर में चढ़ाया गया एक भी रुपया नहीं लेना है और उसे सरकार के पास जमा कराना है। आदेश में कहा गया कि पुजारी सरकार से सैलरी पाते हैं इसलिए मंदिर के भीतर आया हर दान सरकारी खजाने में जमा करवाया जाना चाहिए। इस

आदेश में पुजारियों की गतिवधियों पर नजर रखने का निर्देश मंदिर के गार्ड को दिया गया था। अब इसको लेकर हिंदू संगठन, हिंदू तमिलार काची ने विरोध जताया है। उन्होंने इसे बेहूदा करार दिया है।

तमिलार काची के एक पदाधिकारी ने कहा, यह आदेश बेतुका और निंदनीय है। मंदिर के पुजारियों की थाली में आमतौर पर भक्त 1 या 5 तक के सिक्के चढ़ाते हैं, यह उस इलाके और वहां के स्थानीय रीति रिवाजों के अनुसार चढ़ाए जाते हैं। सिक्के भगवान के प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट करने के लिए चढ़ाए जाते हैं और सरकार का इस छोटे चढ़ावे के पीछे पड़ना गलत है, वह इस मामले का विरोध करेंगे। उन्होंने इस मामले में लड़ाई को कोर्ट तक ले जाने का ऐलान किया है। वहीं, यह भी बताया गया कि जनता के भारी विरोध के चलते सरकार ने यह आदेश वापस ले लिया है। हालांकि आदेश वापसी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुजारियों के खिलाफ कार्रवाई का ऐसा कोई यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले अप्रैल 2024 में मंदिर के भीतर आए कुछ रुपए लेने के आरोप में चार पुजारियों को तमिलनाडु की सरकार ने गिरफ्तार कर लिया था। इन पर भी थाली में चढ़ाए गए पैसे लेने का आरोप लगा था।

पर्यटकों के लिए खुलेगी लद्दाख की गलवान घाटी

यहीं पर चीनियों का मुंह तोड़ा था भारतीय जांबाजों ने

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 11 फरवरी।

चीन सीमा से सटी लद्दाख की गलवान वैली के गर्म झरने 15 जून से पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं, जो कि युद्ध के मैदान में पर्यटन की नई पहल के तहत शुरू किया जा रहा है। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, भारतीय सेना और रक्षा मंत्रालय एक सहज पर्यटक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे में वृद्धि और सुरक्षा प्रोटोकाल पर काम कर रहे हैं। यह पहल 2020 के गलवान वैली गतिरोध के पांच साल पूरे होने के साथ मेल खाती है, जो यात्रियों को इसके महत्व को श्रद्धांजलि देते हुए ऐतिहासिक स्थल को देखने का मौका देगी।

याद रहे लद्दाख भारत के सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक है, जिसमें पैंगांग झील वर्तमान में इसका सबसे प्रसिद्ध आकर्षण है। युद्ध के मैदान के पर्यटन स्थल के रूप में गलवान वैली की शुरूआत से इस क्षेत्र की अपील और बढ़ेगी, जो इतिहास के प्रति उत्साही और रोमांच चाहने वालों को समान रूप से आकर्षित करेगी। इस पहल से स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान करते हुए पर्यटन के अवसरों में वृद्धि होने की उम्मीद है।

गलवान वैली में बुनियादी ढांचे के विकास और कड़े सुरक्षा उपायों के

कार्यान्वयन के साथ, यह स्थल भारत के बढ़ते युद्ध के मैदान पर्यटन सर्किट में एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त बनने के लिए तैयार है। यह पहल लद्दाख की बीहड़ सुंदरता की खोज करते हुए ऐतिहासिक और रणनीतिक अंतर्दृष्टि की तलाश करने वाले यात्रियों के लिए नए रास्ते खोल सकती है। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास स्थित लद्दाख की गलवान वैली के गर्म झरने, युद्ध के मैदान में पर्यटन पहल के तहत 15 जून से पर्यटकों के लिए खुलने वाले हैं। भारतीय सेना के सहयोग से रक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए इस कदम का उद्देश्य ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र को पर्यटकों के अनुकूल गंतव्य में बदलना है।

इसका उद्घाटन 2020 के गलवान वैली संघर्ष की पांचवीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है, जिसमें भारतीय सैनिकों ने चीन के सैनिकों की घुसपैठ का मुंहतोड़ जवाब दिया था।

चीन अपने 40 सैनिकों की मौत आज तक भूला नहीं है। भारत के 20 जांबाज शहीद हुए थे। वर्तमान में, स्थानीय निवासियों के लिए भी वैली तक पहुंच प्रतिबंधित है, लेकिन पर्यटन को समर्थन देने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा स्थापित करने के प्रयास चल रहे हैं। आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, लद्दाख प्रशासन, भारतीय सेना के साथ मिलकर सुरक्षा उपायों को लागू करते हुए आवश्यक सुविधाएं विकसित कर रहा है। इस पहल से सीमा और ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए आर्थिक अवसर उपलब्ध होंगे।

पर्यटकों को समायोजित करने के लिए दो प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाएं प्रगति पर हैं। दुरबुक से लगभग 5 किमी दूर एक साइट पर एक कैफेटेरिया, स्मारिका की दुकान और 30 पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था होगी। दुरबुक से लगभग 12 किमी दूर एक दूसरा स्थान इस क्षेत्र की खोज करने वाले पर्यटकों के लिए एक अतिरिक्त पड़ाव के रूप में काम करेगा। 2020 के युद्ध स्मारक के हिस्से के रूप में गलवान में वर्तमान में एक समर्पित संग्रहालय विकसित किया जा रहा है, जो टूरिस्टों को इसके आश्चर्यजनक प्राकृतिक परिवेश की प्रशंसा करते हुए साइट के ऐतिहासिक महत्व को जानने का मौका देगा।

इस पहल का उद्देश्य एक शैक्षिक और इमर्सिव अनुभव बनाते हुए क्षेत्र में घटित घटनाओं के बारे में गहन जानकारी प्रदान करना है। टूरिस्टों के लिए दिशा-निर्देश और सुरक्षा प्रोटोकाल सीमा के पास गलवान वैली के संवेदनशील स्थान को देखते हुए, सभी पर्यटकों के लिए सख्त सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। पर्यटकों को भारतीय सेना के समन्वय में एक सुव्यवस्थित सिंगल-विंडो सिस्टम के माध्यम से सुरक्षा मंजूरी प्राप्त करने की आवश्यकता होगी। इसके अतिरिक्त, यात्रियों को उच्च-ऊंचाई वाले इलाकों में सुरक्षित रूप से ढलने के लिए अनुकूलन प्रोटोकॉल लागू किए जाएंगे।

मॉब लिंचिंग पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

दिल्ली में बैठकर सभी मामलों की निगरानी संभव नहीं

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग से जुड़ी एक जनहित याचिका का मंगलवार को निपटारा किया। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में बैठकर मॉब लिंचिंग के मामलों का प्रबंधन नहीं किया जा सकता। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने गौहाटी हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया। इसमें एटीएम पर चौबीसों घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात करने का आदेश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग से जुड़ी एक जनहित याचिका पर कहा कि दिल्ली में बैठकर मॉब लिंचिंग के मामलों का प्रबंधन नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीआर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने शीर्ष अदालत के 2018 के फैसले का हवाला दिया। इसमें भीड़ और गोरक्षकों द्वारा की जाने वाली हिंसा जैसे अपराधों से निपटने के लिए कई निर्देश दिए गए थे। पीठ ने कहा कि दिल्ली में बैठकर हम देश के विभिन्न राज्यों में होने वाली घटनाओं की निगरानी नहीं कर सकते। जनहित याचिका में राज्यों को 2018 के फैसले के अनुरूप

तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश देने की मांग की गई थी, ताकि लिंचिंग और भीड़ हिंसा की घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

कोर्ट ने कहा कि अधिकारी शीर्ष अदालत द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य हैं। जब इस अदालत द्वारा निर्देश जारी किए जाते हैं, तो वे भारत के संविधान के अनुच्छेद 141 के मद्देनजर देश के सभी अधिकारियों और अदालतों के लिए बाध्यकारी होते हैं। यदि शीर्ष अदालत द्वारा जारी निर्देशों का पालन नहीं होता है, तो पीड़ित व्यक्ति के पास उपाय उपलब्ध है और वह सक्षम अदालतों का दरवाजा खटखटा सकता है।

लिंचिंग पीड़ितों को लगी चोटों के लिए मुआवजे के रूप में न्यूनतम एक समान राशि प्रदान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने के लिए एक अन्य प्रार्थना पर विचार करते हुए अदालत ने कहा कि पर्याप्त और उचित मुआवजा क्या हो सकता है, क्योंकि यह हर मामले में अलग-अलग होगा। यदि ऐसी घटना में किसी व्यक्ति को साधारण चोट लगी है और दूसरे को गंभीर चोटें आई हैं, तो एक समान मुआवजा देने का निर्देश अन्यायपूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की राहत की मांग करने वाली याचिका पीड़ितों के हित में नहीं होगी।

आजम खान के बेटे की अपील पर फैसला करे मुरादाबाद कोर्ट

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने मुरादाबाद की एक अदालत को 2008 के आपराधिक मामले में सपा नेता आजम खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की अपील पर छह महीने के भीतर फैसला करने का निर्देश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और राजेश बिंदल की पीठ ने कहा कि जिला और सत्र अदालत सजा के खिलाफ उनकी अपील पर फैसला करते समय अपराध की तारीख पर खान को किशोर मान सकती है। अब्दुल्ला खान और उनके पिता के खिलाफ 2008 में मुरादाबाद के छजलेट पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 341 (गलत तरीके से रोकना) और 353 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

आरोप लगाया गया था कि पुलिस ने जब उनके वाहन को चेकिंग के लिए रोका तो उन्होंने यातायात अवरुद्ध कर दिया था। खान ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 13 अप्रैल, 2023 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया। इसमें उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। इसके कारण उन्हें विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। फरवरी 2023 में अब्दुल्ला खान को मुरादाबाद की अदालत ने मामले में दो साल जेल की सजा सुनाई थी। मंगलवार को खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके किशोर होने के दावे पर ट्रायल कोर्ट से उनके पक्ष में रिपोर्ट आई है। पीठ ने कहा कि सत्र न्यायालय पहले से ही मामले में अपील पर सुनवाई कर रहा है और वह अधिकतम यही कर सकता है कि वह अदालत से सजा के खिलाफ अपील का शीघ्र निपटारा करने के लिए कहे।

महाकुंभ में अंबानी परिवार ने भी लगाई आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ 2025 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी अपने पूरे परिवार के साथ पहुंचे और त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। मां गंगा, यमुना और सरस्वती के इस पावन संगम में स्नान कर अंबानी परिवार भाव-विभोर नजर आया।

मुकेश अंबानी के साथ उनकी पत्नी नीता अंबानी, उनके दोनों बेटे आकाश अंबानी और अनंत अंबानी, आकाश की पत्नी श्लोका अंबानी और उनके बेटे पृथ्वी व वेदा, अनंत अंबानी की पत्नी राधिका मर्चेंट भी इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बने। इसके अलावा मुकेश अंबानी की मां कोकिलाबेन अंबानी, बहनें नीनाबेन और दीप्तिबेन, नीता अंबानी की मां पूर्णिमा दलाल और बहन ममता दलाल समेत परिवार के कई अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। पूरी अंबानी फैमिली देर शाम रेल घाट पर पहुंची। यहां से क्रूस पर सवार होकर सभी त्रिवेणी संगम पहुंचे जहां निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद की उपस्थिति में वैदिक मित्रों के बीच पूरे परिवार ने श्रद्धा की डुबकी लगाई। स्नान के बाद पूरे परिवार ने एक साथ संगम पूजन और आरती भी की।

महाकुंभ 2025 अब तक 45 करोड़ श्रद्धालुओं को आकर्षित कर चुका है। 144 वर्ष बाद हो रहे इस महाआयोजन से क्या गरीब, क्या अमीर हर कोई जुड़ रहा है। इसी क्रम में अंबानी परिवार का यहां आना सनातन संस्कृति के प्रति उनकी गहरी आस्था को दर्शा रहा है। देश के सबसे अमीर परिवार का उसी संगम के पवित्र जल में स्नान करना जहां करोड़ों लोग आस्था के साथ डुबकी लगा चुके हैं, एकता के महाकुंभ की भावना को और मजबूत करता है।

राजधानी लखनऊ में हो रहा धर्मांतरण का गंदा धंधा

ईसाई बनो या घर बेचो की धमकी देकर किया धर्मांतरण

घर में बनाया चर्च, फिर पूरे मोहल्ले के धर्मांतरण की कोशिश

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार के भरवारा स्टेट कॉलोनी में स्थानीय निवासियों द्वारा एक शख्स पर ईसाई धर्मांतरण करवाने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने इसे लेकर जमकर हंगामा भी किया। उन्होंने राजीव लाल नाम के शख्स के बारे में बताया कि उसने घर में चर्च बनवा रखा है और हर रविवार दोपहर में डेढ-दो सौ लोगों को बुलवाकर प्रार्थना करवाता है।

इसी सभा में धर्मांतरण भी होता है। राजीव के घर के बगल में रहने वाले रितेश मिश्रा कहते हैं कि राजीव लाल लोगों को घर और फ्लैट का लालच दे देकर परिवर्तित करवाता है। इसके बाद जो कोई उससे जुड़ते हैं उन्हें भी टास्क मिलते हैं कि वो ईसाई धर्म में लोगों को लेकर आए।

इसी तरह इलाके के अन्य लोगों का आरोप है कि राजीव के घर में आने वाले लोग उनके इलाके में खास समुदाय के लोगों को बसा रहे हैं। ये लोग खाली जमीनी को दो गुणे दाम पर खरीदते हैं। इसके बाद मकान बनवाकर उन लोगों को दिया जाता है जो धर्म परिवर्तन करते हैं।

भरवारा स्टेट कॉलोनी के निवासियों के अनुसार, राजीव लाल ने 5-6 साल पहले अपना घर बनवाया था और उसी के 6 महीने बाद से ये सब होने लगा। यहां धर्मांतरण करने वालों को घर-फ्लैट मिलता है और जो धर्मांतरण से इंकार करता है उसे घर बेचकर जाने को कहा जाता है। स्थानीय लोगों द्वारा आवाज उठाने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। उन्होंने घर में घुसकर कई लड़कियों समेत 50 से अधिक लोगों को बाहर निकाला। कुछ को थाने ले जाकर समझाया गया कि अगर इलाके का माहौल बिगड़ा तो कार्रवाई होगी। पुलिस ने उस समय धर्मांतरण के एंगल को भी खारिज कर दिया था इसलिए स्थानीय संतुष्ट नहीं हुए। तनावपूर्ण हालात के मद्देनजर इलाके में पीएसी तैनात की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हिंदू समाज ने कहा है कि अगर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे घर में बने चर्च को हटाएंगे और हर रविवार को वहां पर सुंदरकांड का पाठ करेंगे।

महाकुंभ प्रबंधन को लेकर बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वीवीआईपी सुविधाएं भोगने वाले ही कर रहे हैं दुष्प्रचार

45 करोड़ लोग कर चुके संगम में स्नान

लखनऊ, 11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार करने वालों पर करारा प्रहार किया है। सीएम योगी ने कहा कि जीवन भर वी-वीआईपी ट्रीटमेंट लेने वाले लोग आज महाकुंभ को लेकर दुष्प्रचार में जुटे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में 29 दिन में 45 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई है, जो एक ऐतिहासिक घटना है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बाद दुनिया के किसी देश की आबादी 45 करोड़ नहीं है, एक अस्थाई शहर में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आकर डुबकी लगाए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसे वीआईपी स्नान से जोड़कर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि महाकुंभ समरसता और आस्था का संगम है, जहां जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के भेदभाव को खत्म करके सभी श्रद्धालु एक साथ जुड़ते हैं।

लेकिन ये नकारात्मकता फैलाने वाले कौन लोग हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने जीवन भर सरकार की वीवीआईपी ट्रीटमेंट लिया है और अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए एक रास्ता खोलने का प्रयास किया था। ये वही लोग हैं जो नकारात्मकता पैदा करके भारत और सनातन के विरोध में सदैव खड़े रहते हैं और दुष्प्रचार करने में मशगूल रहते हैं।

सीएम योगी ने विकास कार्यों में बाधा पहुंचाने वाले लोगों पर भी तंज कसते हुए कहा कि जब भी कोई नई योजना शुरू होती है, तो कुछ लोगों को केवल कमियां निकालने की आदत होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब पाइपलाइन बिछाई जाती है, तो सड़कें खुदाई के कारण खराब हो जाती हैं, लेकिन जब वह कार्य पूरा होता है, तो लोगों को सुविधा मिलती है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब हम 4 करोड़ लोगों को आवास देते हैं तो वे कहते हैं कि अभी बहुत लोग बाकी हैं उनको बताना चाहता हूं कि 3 करोड़ आवास और स्वीकृत किए जा चुके हैं। जो लोग पहले केवल वीआईपी सुविधाएं भोगते थे, वही आज आम जनता को मिल रही सुविधाओं पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारें सिर्फ गरीबी हटाने के नारे देती रहीं, लेकिन हकीकत में गरीबों की संख्या लगातार बढ़ती गई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने योजन-ाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से गरीबी उन्मूलन का वास्तविक कार्य किया।

कासगंज के गांव में मुस्लिमों का भीषण आतंक

हिंदुओं को लगाना पड़ा मकान बिकाऊ है का पोस्टर

कासगंज, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कासगंज में एक गांव में हिंदू ग्रामीणों ने मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगा दिए हैं। उन्होंने इस बार होली त्यौहार भी नहीं मनाने की चेतावनी दी है। हिंदू चाहते हैं कि उन्हें गांव के भीतर नियत स्थान पर होलिका दहन करने दिया जाए। यह स्थान एक मस्जिद के पास है। मुस्लिम इसका विरोध कर रहे हैं। हिंदुओं ने इस संबंध में प्रदर्शन भी किया है।

कासगंज के थाना सोरों के सराय जुन्नारदार गांव में हिंदुओं ने घर बिकाऊ होने के पोस्टर लगाए हैं। इस गांव में बहुसंख्यक आबादी मुस्लिमों की है, जबकि कुछ हिंदुओं के परिवार भी रहते हैं। हिंदुओं ने गांव के भीतर एक जगह पर होलिका दहन करने की मांग की तो मुस्लिमों ने इन्कार कर दिया।

हिंदू जिस जगह होलिका दहन की मांग कर रहे हैं, वह परंपरागत स्थान है। यहां पर बीते कई दशकों से होलिका दहन होता रहा है। सपा सरकार में होलिका दहन वाले स्थान के पास ही मुस्लिमों ने मस्जिद बना दी थी। मस्जिद बनने के बाद होलिका दहन को गांव के बाहर कर दिया गया था। गांव के बाहर एक स्कूल के पास हिंदुओं को होलिका दहन करने को कहा गया था। कुछ वर्षों तक यही स्थिति बनी रही। हालांकि, अब इस नई जगह पर भी आंगनवाड़ी बन गई है। होलिका दहन को लेकर जगह का फिर से विवाद पैदा हो गया। हिंदुओं ने कहा है कि वह बार-बार होलिका दहन का स्थान नहीं बदल सकते। उन्होंने मांग की है कि गांव के भीतर मस्जिद के पास वाले स्थान पर ही उन्हें होलिका दहन की दोबारा अनुमति दी जाए। इस मांग को लेकर प्रदर्शन किया है और प्रशासन से इस समस्या को सुलझाने को कहा है। उन्होंने कहा था कि अगर परम्परागत स्थान पर होलिका दहन नहीं करने दिया गया तो इस साल होली नहीं मनाएंगे और घर गांव छोड़ कर भी चले जाएंगे।

वहीं मुस्लिम मस्जिद के सामने वाली जगह पर होलिका न जलाने देने के लिए अड़े हुए हैं। मामले में प्रशासन ने मंगलवार को बातचीत की। सीओ आंचल चौहान ने बताया कि हिंदू और मुस्लिम पक्ष को बैठा कर बात की गई है। हिंदू पक्ष ग्राम पंचायत की जमीन पर होलिका दहन के लिए राजी हो गया है। उन्होंने कहा है कि गांव में लगाए गए पोस्टर भी हट गए हैं और अभी शांति बनी हुई है।

श्रृंगेरी मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य का गोरखधाम में भव्य स्वागत

गोरखपुर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। श्रृंगेरी मठ (शारदा पीठ) के जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री भारती तीर्थ महासन्निधानम के मंगलमय आशीर्वाद और दिव्य आदेश से जगद्गुरु शंकराचार्य विध-ुशेखर भारती सन्निधानम मंगलवार शाम को गोरखनाथ मंदिर पहुंचे। मंदिर आगमन पर शंखध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका दिव्य अभिनंदन किया गया। इसके पहले शंकराचार्य की विजय यात्रा का सहजनवा स्थित जनपद की सीमा से गोरखनाथ मंदिर तक फूल बरसाकर भव्य स्वागत किया गया। शंकराचार्य जी, गोर-क्षधरा पर हुए इस अभूतपूर्व स्वागत से अभिभूत नजर आए।

जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती सन्निधानम की विजय यात्रा (11 से 13 फरवरी) मंगलवार को श्रीअयोध्याधाम से प्रारंभ हुई। शाम करीब पांच बजे गोरखपुर जनपद की सीमा (जीरो प्वाइंट) में यात्रा के प्रवेश करते ही श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के 51 वेदपाठी छात्रों ने आचार्य डॉ. रंगनाथ के नेतृत्व में शंखध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चार/मंगलाचरण के बीच जगद्गुरु शंकराचार्य का अभिनंदन किया। इसके बाद सहजनवा में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने शंकराचार्य का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। सहजनवा से लेकर गोरखनाथ मंदिर तक जगह-जगह समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने देश के शीर्षस्थ धर्माचार्यों में सम्मिलित जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती सन्निधानम का अभूतपूर्व अभिनंदन किया। शंकराचार्य के अभिनंदन और अभिवादन का दृश्य हर स्वागत स्थल पर नयनाभिराम रहा। स्वागत के लिए बड़ी संख्या में जुटे लोगों ने उन पर फूल बरसाए तो कलाकारों ने भजन सरिता बहाई। उनके स्वागत का रूट होर्डिंग्स से पटा पड़ा था।

गोरखनाथ मंदिर पहुंचते ही परिसर में जगद्गुरु शंकराचार्य का मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने उनकी अगवानी की। इसके बाद श्रीगोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के वेदपाठी विद्यार्थियों ने शंखध्वनि के बीच मंत्रोच्चार कर शंकराचार्य का अभिनंदन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती सन्निधानम मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में पधारे। यहां श्रीगोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के प्राचार्य डॉ. अरविंद चतुर्वेदी ने सपत्नीक शंकराचार्य की चरण पादुका का विधिविधान से पूजन किया और आरती उतारी। इसके बाद शंकराचार्य जी ने महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में स्थापित देवी-देवताओं, संतों, महापुरुषों, मूर्तियों और चित्रों और उनके सम्मुख लिखित विचारों का अवलोकन किया। भवन की दीवारों पर उल्लिखित गोरखवाणी के पदों को गहनता से आलोकित करते तथा उन्हें पढ़ते हुए शंकराचार्य जी काफी भाव विभोर दिखे।

सहजनवा से लेकर गोरखनाथ मंदिर तक जगद्गुरु शंकराचार्य का स्वागत करने वालों में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, भाजपा जिलाध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह, अच्युतानंद शाही, मनोज अग्रहरि, सिद्धांतो घोष, रणविजय शाही, दयानंद शर्मा, गौरव तिवारी, वीरेंद्र नाथ पांडेय, ओमप्रकाश शर्मा, इंद्रमणि उपाध्याय, देवेश श्रीवास्तव, शशिकांत सिंह आदि प्रमुख रूप से सम्मिलित रहे।

प्रेमी को मुसलमान बना कर ही किया निकाह

दो मौलाना समेत पूरा परिवार गिरफ्तार

बिजनौर, 11 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक मुस्लिम लड़की ने हिंदू लड़के से निकाह के लिए धर्मांतरण की शर्त रख दी। लड़की ने हिंदू युवक को इस्लाम कबूल करने पर मजबूर कर दिया। उसका धर्मांतरण एक मस्जिद के मुफ़्ती और मदरसा संचालक ने मिलाकर करवा भी दिया। इसके बाद निकाह हुआ। जानकारी हिंदू युवक के परिवार को हुई तो हंगामा मच गया। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर अब मुस्लिम लड़की समेत 5 लोगों को जेल भेजा है।

धामपुर का युवक मुकुल लम्बे समय से एक मेडिकल स्टोर पर काम करता है। उसकी जान पहचान कुछ समय पहले सायमा नाम की एक मुस्लिम लड़की से हुई थी। मुकुल इस लड़की से शादी करना चाहता था। हालांकि, सायमा ने शर्त लगा दी कि मुकुल को इस्लाम कबूल करना होगा, तभी वह उससे शादी करेगी। मुकुल को इस्लाम कबूल करवाने की इस साजिश में सायमा के माता-पिता भी शामिल हो गए। कुछ ही दिनों में मुकुल का ब्रेनवॉश भी हो गया। इसके बाद मुकुल को इस्लाम कबूल करवाने के लिए राजी कर लिया गया। मुकुल को धामपुर के ही एक मदरसे में ले जाया गया। यहां मौजूद मौलाना ने उसे कलमा पढ़वाया। उसका नाम बदल कर माहिर अंसारी रख दिया गया। उसके मुस्लिम बनने के बाद एक मुफ़्ती ने उसका निकाह सायमा से करवा दिया। इस बीच यह खबर मुकुल के परिजनों को लग गई। उन्होंने इस पर हंगामा किया। मुकुल के पिता ने यह सूचना पुलिस के साथ ही हिंदू संगठनों को दी। इसके बाद पुलिस ने एफआईर दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

पुलिस ने इस मामले में मुस्लिम युवती सायमा, उसकी अम्मी रुकसाना और अब्बू शाहिद को गिरफ्तार कर लिया। मामले में मदरसा के मौलाना कारी इरशाद और मुफ़्ती गुफरान को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा है कि मुकुल के धर्मांतरण में कानून का उल्लंघन हुआ है। ना इस विषय में प्रशासन को सूचना दी गई है और ना आपत्तियों को लेकर कोई नियम माने गए हैं। वहीं इस मामले के बीच धर्मांतरित युवक मुकुल सामने नहीं आ रहा है।

संपादकीय

प्रतिस्पर्धा नहीं बालमन को चाहिए मोटिवेशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बड़ी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अति महत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवनलीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। कोचिंग हब कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम है पर कोटा से अधिक आत्महत्या देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर, प्रधानमंत्री मोदी ने जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों को भी स्पष्ट संदेश दिया है। इसमें दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि कुछ दशक पहले तक दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक रहते थे, उसके बाद लगभग दोगुने द्वितीय श्रेणी व बाकी तीसरी श्रेणी पाकर संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी और प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंटस में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बलि चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चे की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं। परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत डालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया। सबसे खास बात यह कि बच्चों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। हमें दूसरे के स्थान पर स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी है। स्वयं से प्रतिस्पर्धा करेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। दरअसल होता यह है कि दूसरे से प्रतिस्पर्धा के चक्कर में नकारात्मकता अधिक आती है। होना यह चाहिए कि अपनी कमियों को ही सबक बनाकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है। आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदीजी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश न होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। मोदीजी ने मन की बात में बच्चों, परिजनों और टीचर्स तीनों को संदेश देने का प्रयास किया है। होता यह है कि जो बच्चे होशियार होते हैं या प्रभावशाली परिवार के हैं, उनपर टीचर्स का विशेष ध्यान होता है और जो बच्चे कमजोर होते उनके मामले में पीटी मीटिंग के माध्यम से पैरेंट्स को नीचा दिखा कर इतिश्री कर लेते हैं। बच्चों की नाकामी पर कभी किसी स्कूल या टीचर ने जिम्मेदारी ली हो, यह आज तो लगभग असंभव है। चाहे आप पढ़ाई के नाम पर स्कूल को कितनी ही फीस देते हो आप पर बच्चे को ट्यूशन कराने का दबाव आ ही जाता है। यदि शिक्षण संस्थानों में कमजोर और औसत बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाए तो तस्वीर बदल भी सकती है। इसी तरह से पैरेंट्स को भी नसीहत देने में मोदी जी पीछे नहीं रहे। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा। अपनी अपेक्षाएं उस पर लादने के स्थान पर दिशा देने के प्रयास करने होंगे। बच्चों के साथ बैठकर खुलकर बात करें। उनकी इच्छा, लगन और कोई परेशानी है तो उसे समझने का प्रयास करें। बच्चों में परस्पर तुलना कर बालक मन को कुंठित नहीं करना चाहिए। बच्चों को निराश करने के स्थान पर मोटिवेट करने के समग्र प्रयास की आवश्यकता है। बच्चों को मशीन नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों को समझाया यह जाना चाहिए कि 24 घंटे का समय सभी के पास होता है, इस समय को किस प्रकार से उपयोग करना है इस पर फोकस हो तो निश्चित रूप से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कहने का अर्थ यह है कि बच्चों का मनोबल बढ़ाने उनमें सकारात्मकता विकसित करने की दिशा में हमें काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षाओं से पहले अपने प्रधानमंत्री काल में 8 वीं बार परीक्षा पर चर्चा करते हुए बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को संदेश देने का सार्थक प्रयास किया है। अब सबका दायित्व है कि इन सकारात्मक पक्षों को बच्चों तक पहुंचाया जाए। बच्चों को समझाना होगा कि बड़ी बात जीवन में सफल होना है।

आखिर दिल्ली में क्यों ढहा 'आप' का किला?

योगेश कुमार गोयल

2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी, लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी, जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई है।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी का किला बुरी तरह ढह गया। आतिशी को छोड़कर पार्टी के लगभग तमाम दिग्गज नेता चुनाव हार गए और आप ने इस बार दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया। 2015 में आम आदमी पार्टी ने 67 सीटें जीती थी लेकिन 2020 में यह संख्या घटकर 62 रह गई थी। वहीं, भाजपा ने 2015 में मात्र 3 सीटें जीती थी जबकि 2020 में 8 सीटें जीतने में सफल हुई थी और बंपर जीत के साथ पूरे 27 सालों बाद अब दिल्ली में सरकार बनाने में सफल हुई। 27 साल पहले भाजपा की सुषमा स्वराज आखिरी बार कुल 52 दिन के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी और अब 27 साल बाद दिल्ली में भाजपा की सत्ता में बड़ी वापसी हुई है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी पर घोटाले के गंभीर आरोप लगे थे और यह विधानसभा चुनाव इस बार आम आदमी पार्टी के लिए नाक का बहुत बड़ा सवाल था लेकिन भाजपा ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम आदमी पार्टी की इतनी बड़ी हार के पीछे क्या प्रमुख कारण रहे और क्यों पार्टी की राजनीतिक स्थिति इतनी कमजोर हुई?

दिल्ली में आप सरकार ने करीब एक दशक तक शासन किया और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता के बीच असंतोष और बदलाव की इच्छा बढ़ी थी। विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों की कमी, बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी और वादों को पूरा न करने के आरोपों ने सत्ता विरोधी लहर को मजबूत किया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने विकल्प के रूप में भाजपा की ओर रुख किया। अरविंद केजरीवाल ने यमुना को साफ करने, दिल्ली की सड़कों को पेरिस जैसा बनाने और साफ पानी उपलब्ध कराने जैसे जो तीन प्रमुख वादे दिल्ली की जनता से किए थे, वे एक दशक में भी पूरे नहीं हुए। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, सांसद संजय सिंह इत्यादि पार्टी के शीर्ष नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और उनकी गिरफ्तारी ने पार्टी की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाते हुए 'आप' की भ्रष्टाचार विरोधी छवि को कमजोर किया। इन घटनाओं ने पार्टी की स्वच्छ राजनीति के दावे पर सवाल खड़े किए और जनता के विश्वास को कमजोर किया। खासतौर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और बाद में उनके इस्तीफे के कारण पार्टी के नेतृत्व में अस्थिरता आई और केजरीवाल की विश्वसनीयता में बड़ी कमी आई।

केजरीवाल ने हमेशा से वीआईपी कल्चर पर सवाल उठाए थे लेकिन शीशमहल के मुद्दे पर वे स्वयं 'वीआईपी कल्चर' के मुद्दे पर बुरी तरह घिर गए थे। भाजपा-कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर आप को घेरने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। राजनीति में आने से पहले केजरीवाल ने कहा था कि वो वीवीआईपी कल्चर को खत्म करेंगे, गाड़ी, बंगला और सुरक्षा लेने की बात से भी उन्होंने इनकार किया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद उन्होंने लग्जरी गाड़ियां तो ली ही, केंद्र से जेड प्लस सुरक्षा मिलने के बावजूद पंजाब सरकार की शीर्ष सुरक्षा भी ली।

पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और नेतृत्व के मुद्दों ने भी आप की हार में बड़ा योगदान दिया। कई वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने या निष्क्रिय होने से संगठनात्मक ढांचे में कमजोरी आई। इसके अलावा नेतृत्व के प्रति असंतोष और निर्णय लेने में पारदर्शिता की कमी ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों के मनोबल को प्रभावित किया। आप सरकार ने बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में मुफ्त सेवाओं की घोषणा की थी लेकिन विपक्ष ने इसे 'रेवड़ी संस्कृति' कहकर आलोचना करते हुए इसे आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बताया। इसके अलावा, इन योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में आई समस्याओं ने जनता के बीच नकारात्मक धारणा बनाई, जिससे 'आप' की लोकप्रियता में गिरावट आई। दिल्ली में सड़क, परिवहन और स्वच्छता के क्षेत्रों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। इसके अलावा प्रदूषण, जलभराव और कूड़े के ढेर जैसी समस्याओं का समाधान नहीं होने से जनता में केजरीवाल सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ी थी। इन मुद्दों पर सरकार की निष्क्रियता ने मतदाताओं को निराश किया। दिल्ली में आप की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण मुफ्त बिजली-पानी जैसी योजनाओं को माना जाता रहा लेकिन चुनाव के दौरान भाजपा ने भी 'आप' वाला ही दांव खेला और अपने चुनावी संकल्पों में महिलाओं, बच्चों व युवाओं से लेकर ऑटो रिक्शा चालकों तक के लिए बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की ही, साथ ही यह ऐलान भी किया कि वह सत्ता मिलने पर आप द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं को जारी करेगी। भाजपा की इन घोषणाओं से आप की चुनौती बहुत बढ़ गई थी।

विपक्ष और खासकर भाजपा की मजबूत रणनीति तथा भाजपा का मुखर प्रचार आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना। भाजपा ने आप सरकार की तमाम कमजोरियों को उजागर करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कांग्रेस ने भी इस तरह टिकट बांटे, जिसने कई सीटों पर आप को आसान जीत से रोकने में अहम भूमिका निभाई। भ्रष्टाचार, विकास की कमी और अन्य मुद्दों पर केंद्रित अभियानों ने जनता के बीच आप के प्रति नकारात्मक धारणा बनाई। भाजपा ने सामाजिक और धार्मिक मुद्दों को भी पुरजोर तरीके से उठाया, जिससे आप के समर्थन में बड़ी कमी आई। चुनाव से पहले कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन की चर्चाएं थी लेकिन हरियाणा विधानसभा में दोनों के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण दिल्ली में भी दोनों दलों के बीच गठबंधन नहीं हो सका, जिसके चलते विपक्षी मतों का विभाजन हुआ और इसका सीधा लाभ भाजपा को मिला। कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करने के फैसले ने आप की रणनीतिक कमजोरी को उजागर किया और विपक्षी एकता की कमी का स्पष्ट संकेत दिया। इसका भी दिल्ली के मतदाताओं पर विपरीत प्रभाव पड़ा। पिछले दो विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने एक भी सीट नहीं जीती थी। 2015 में कांग्रेस को 9.7 प्रतिशत मत मिले थे लेकिन 2020 में मतों का प्रतिशत गिरकर महज 4.3 फीसद रह गया था लेकिन इस बार कांग्रेस के मत प्रतिशत में जो बढ़ोतरी हुई है, उसका नुकसान भी आप को भुगतना पड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी हर चुनावी सभा में 'आप' को ऐसी 'आपदा' करार देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरने का भरपूर प्रयास किया, जिसने जनता के फायदे के लिए मिलने वाली केंद्र की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया, उससे मतदाताओं के बीच आप की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ा और प्रधानमंत्री के 'आपदा' वाले नारे से भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश कई गुना बढ़ा। दिल्ली की आबादी में पूर्वांचल (बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड) से आए लोगों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है और विपक्ष ने इस समुदाय की समस्याओं को नजरअंदाज करने के आरोप लगाते हुए आप सरकार को इस मुद्दे पर घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में जहरीले झाग की समस्या, आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने देना, बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों ने पूर्वांचली समुदाय में असंतोष बढ़ाया। इस उपेक्षा के कारण इस समुदाय का समर्थन आप से हटकर अन्य दलों की ओर गया और इसका नुकसान आप को भुगतना पड़ा।

बहरहाल, केजरीवाल का दावा था कि वे नैतिकता और शुचिता की राजनीति करने आए हैं लेकिन उन्होंने दूसरे राज्यों के चुनावों में जिस तरह से पैसा खर्च किया और दिल्ली में कोरोना काल के दौरान करोड़ों रुपये खर्च कर जो 'शीशमहल' बनवाया, उसे लेकर उन पर लगातार लगते रहे आरोपों का पार्टी के पास ही कोई कारगर जवाब नहीं था। देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के बड़े-बड़े दावों के बीच शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के छींटे, केजरीवाल की तानाशाहीपूर्ण नेतृत्व शैली, उनका अड़ियल रवैया, इस तरह की बातों से मतदाताओं का केजरीवाल से मोहभंग होता गया और भाजपा मजबूत विकल्प के रूप में उभरती गई। कुल मिलाकर, केजरीवाल की कथनी और करनी के बीच बड़ा अंतर आप की हार का बड़ा कारण रहा। दिल्ली की खस्ताहाल सड़कों और बारिश के मौसम में जलभराव के मुद्दे ने भी दिल्ली में केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ाई। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही इस मुद्दे पर आप को घेरा, जिसने आप की लुटिया डुबोने में बड़ी भूमिका निभाई।

दृश्टि कोण

दिल्ली चुनाव में संविधान को लेकर भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार बेअसर

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों ने न सिर्फ भविष्य की राजनीति की दिशा को स्पष्ट किया, बल्कि कुछ अहम मुद्दों पर जनता की राय को भी उजागर किया। एक प्रमुख संदेश यह है कि संविधान को लेकर भाजपा पर आरोप लगाने और उसे बदलने या अनदेखा करने का दुष्प्रचार अब असरदार नहीं रह गया है। इस नैरेटिव का उद्देश्य दलित-पिछड़ों को भाजपा से दूर रखना था, लेकिन नतीजों से स्पष्ट है कि कांग्रेस इसमें असफल रही।

आरक्षित सीटों के परिणामों में भी महत्वपूर्ण संकेत छिपे हैं। दिल्ली की 12 आरक्षित सीटों में से आठ पर आम आदमी पार्टी और चार पर भाजपा ने जीत दर्ज की। यह दिखाता है कि दलित समाज में कांग्रेस का 'संविधान का रक्षक' होने का दावा प्रभावी नहीं हुआ। राहुल गांधी ने बार-बार संविधान की प्रति लहराकर इसे मोदी सरकार के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की, लेकिन यह रणनीति मतदाताओं को प्रभावित करने में विफल रही।

दिल्ली में मुस्लिम प्रभाव वाली करीब एक दर्जन सीटों पर भी रोचक बदलाव देखने को मिला। जंगपुरा में मनीष सिसोदिया की हार से साफ है कि मुस्लिम बहुल सीटों पर आप की पकड़ पहले जैसी नहीं रही। भाजपा ने मुस्तफाबाद और करावल नगर में जीत दर्ज कर यह दिखाया कि मुस्लिम मतदाता भी उसके प्रति नरम हो रहे हैं। हालांकि, अधिकांश मुस्लिम मतदाता अब भी आप के साथ रहे।

कांग्रेस के लिए यह चुनाव एक और झटका साबित हुआ। उसे महज 6.48% वोट मिले, जो पिछले चुनाव की तुलना में थोड़ा बेहतर था, लेकिन सीटों के लिहाज से फिर भी शून्य पर ही अटकी रही। हालांकि, कांग्रेस के आक्रामक प्रचार ने केजरीवाल विरोधी माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अलका लांबा के बयान को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा कि 'दिल्ली में उनका नुकसान हुआ है, जिन्होंने दिल्ली का नुकसान किया।'

केजरीवाल का वह बयान, जिसमें उन्होंने मोदी को हराने के लिए उनके 'दूसरा जन्म' लेने की चुनौती दी थी, अब बेमानी हो गया है। तीन बार से देश की सत्ता में काबिज मोदी को दिल्ली में इस बार बड़ी सफलता मिली। दिलचस्प यह है कि इस जीत में कांग्रेस की अप्रत्यक्ष भूमिका भी रही। हालांकि, यह इतिहास में दर्ज होगा या नहीं, कहना मुश्किल है।

'संविधान खतरे में है' वाला नैरेटिव इस चुनाव में नहीं चला, लेकिन कांग्रेस शायद ही इस मुद्दे को छोड़ने वाली है। राहुल गांधी का रुख दर्शाता है कि वह अपनी रणनीति से हटने वाले नहीं, चाहे परिणाम कुछ भी हों। दिलचस्प यह भी है कि केजरीवाल ने कुछ समय पहले सभी मुख्य विपक्षी दलों से कांग्रेस के विरोध में खड़े होने की बात कही थी। अब उनकी पार्टी की हार से गठबंधन की एकजुटता पर और असर पड़ेगा। पहले से ही कमजोर विपक्षी गठबंधन में, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और शरद पवार जैसे नेताओं ने कांग्रेस की जगह आप को तरजीह दी थी। अब, जब आप खुद मुश्किल में है, तो यह इंडी गठबंधन और बिखर सकता है।

आम आदमी पार्टी की हार असम गण परिषद् की याद दिलाती है, जो 1985 में आंदोलन से उभरी थी, लेकिन महज दो कार्यकाल के भीतर अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष करने लगी। वहां आंतरिक कलह के कारण पार्टी कमजोर हो गई थी। आम आदमी पार्टी के लिए भी यह खतरा मंडरा रहा है, खासकर पंजाब में।

वहां के आप नेता यह सवाल उठा सकते हैं कि आखिर वे ऐसे नेता के नेतृत्व में क्यों रहें, जो अपनी सीट और सरकार, दोनों नहीं बचा सका। अब देखना होगा कि आम आदमी पार्टी असम गण परिषद् की तरह हाशिए पर चली जाती है या फिर कोई नई राह तलाशती है। संभावना यह भी है कि पार्टी के भीतर केजरीवाल के नेतृत्व को चुनौती दी जाए, खासकर पंजाब में, जहां केजरीवाल की पकड़ दिल्ली जितनी मजबूत नहीं है।

विचार मंथन

33 करोड़ देवी देवताओं के भरोसे महाकुंभ

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन चल रहा है। भक्तों में संगम जाकर स्नान करने की होड़ मची हुई है। माघ पूर्णिमा स्नान के लिए देश भर से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश और समीपव्रती राज्यों मे जाम लग गया है। प्रयागराज से 200 से 300 किलोमीटर ईद-गिर्द चार पहिया वाहन रेंग रहे हैं। वाहनो में श्रद्धालुओं का परिवार है। जिसमें छोटे-छोटे बच्चे और महिलाएं भी हैं कई घंटे तक भूखे प्यासे रहकर जाम में फंसे हुए हैं। आस्था इतनी प्रबल है, संगम में स्नान करने का मोह छोड़ नहीं पा रहे हैं। जो छोड़ना चाहते हैं, उन्हें वापस जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उत्तर प्रदेश की पुलिस समस्या का समाधान नहीं निकाल पाई। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को अपनी पुलिस व्यवस्था करनी पड़ी। अन्य राज्यों मे जाम में फंसे यात्रियों के लिए चाय-नाश्ता, भोजन-पानी की व्यवस्था प्रशासनिक एवं जन सहयोग से सामाजिक संस्थाओं द्वारा करने की कोशिश की गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता, संघ के अनुवांशिक संगठन, बजरंग दल और गौ रक्षक कहां छिपे हैं। इसको लेकर लोग चर्चा करने लगे हैं। पहली बार महाकुंभ के आयोजन में 100 करोड़ श्रद्धालुओं को संगम में दर्शन कराने, ठहराने, खाने-पीने की व्यवस्था करने का दावा उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने किया था। हिंदू संगठनों ने भी महाकुंभ को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे। महाकुंभ शुरू होने के बाद जिस तरह से कई स्थानों पर भगदड़ मची। कुंभ मेला के क्षेत्र में कई जगहों पर आग लगी। अभी भी हजारों लोग कुंभ मेले से गायब हैं। जिसकी तलाश उत्तर प्रदेश की पुलिस अभी तक नहीं कर पाई है। उत्तर प्रदेश सरकार अभी तक मृतकों के आंकड़े को भी अपग्रेड नहीं कर पाई है। एक ही बार 30 श्रद्धालुओं की मौत होने का समाचार अधिकृत रूप से आया था। उसके बाद से लगातार अफवाहें चल रही हैं। माघ पूर्णिमा स्नान के पहले सैकडों किलोमीटर दूर तक का जाम लगा है। वह अपने आप में अभूतपूर्व है। प्रयागराज में दूध और खाने पीने की वस्तुओं का अभाव हो गया। प्रयागराज में आवश्यक वस्तुओं की कमी हो गई। बड़े वाहन प्रयागराज तक पहुंच ही नहीं पाए। प्रयागराज मे भारी भीड़ को देखते हुए जिन मुसलमानों को मेला क्षेत्र में घुसने नहीं दिया गया था। उन मुसलमान ने अपनी मस्जिद और घर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए। कुंभ में इसके पहले कभी भी इस तरह की अव्यवस्था नहीं देखी गई। उत्तर प्रदेश सरकार ने 10000 करोड रुपए से ज्यादा महाकुंभ इंतजाम में खर्च किए। जो अभी तक खर्च की गई राशि में सबसे ज्यादा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दावा किया गया था। जगह-जगह हजारों की संख्या में कैमरे लगाए गए हैं। एआई तकनीकी की मदद ली गई है। बड़े-बड़े कई सेक्टर बनाए गए हैं। उनमें सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। पल-पल की जानकारी कंट्रोल रूम को मिल रही है। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव पल-पल की जानकारी ले रहे थे। प्रयागराज की व्यवस्था डिविजनल कमिश्नर के हाथों में थी। पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी मेला क्षेत्र में लगातार सुरक्षा व्यवस्था को देख रहे थे। यह सब कागजों तक सीमित होकर रह गया। मेला क्षेत्र में भारी गंदगी फैल गई। भोजन-पानी की समस्या लगातार बनी रही। पेयजल की आपूर्ति श्रद्धालुओं के बीच में नहीं हो सकी। भारी भीड़ और जाम की हालत को देखते हुए 13 फरवरी के सुबह तक के लिए वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई। ऐसी अव्यवस्था इसके पहले कभी देखने को नहीं मिली। महाकुंभ के इस इंतजाम को लेकर करोड़ों की संख्या में आए श्रद्धालु त्राहिमाम त्राहिमाम करते रह गए। ऐसी हालत में अव्यवस्था के बीच से व्यवस्था निकलना शुरू हो गई। जो श्रद्धालु जाम में फंसे थे, उन्होंने खुद व्यवस्था बनानी शुरू कर दी। श्रद्धालु कह रहे हैं, यदि हिंदुओं के 33 करोड़ देवी देवता नहीं होते, तो वह सुरक्षित नहीं रहते। कुंभ मेले के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं के बीच में देवी देवताओं के बीच में आस्था की अलख जगी, जिसके कारण वह पूर्ण रूप से सुरक्षित होकर अपने घर वापस लौट रहे हैं। बहरहाल सरकार कागजों पर अपनी दुकान लगती है। कागजों पर पैसे खर्च हो जाते हैं। नेताओं और अधिकारियों की तिजोरियों में करोड़ों-अरबो रुपए पहुंच जाते हैं। जो राजनीतिक दल इस धार्मिक आस्था का फायदा उठा लेता है, वह सत्ता के सिंहासन पर बैठ जाता है। श्रद्धालु हमेशा समर्थ और शक्तिमान की पूजा करते हैं। उन्ही में श्रद्धालुओं भगवान का अंश देखते हैं। श्रद्धालुओं का अपना स्वयं का भाग्य होता है। इसमें देवी-देवता और सरकार क्या कर सकते हैं। यह सोचकर भक्त नियति से समझौता कर लेता है। यही हिंदू धर्म की आस्था और सत्य का प्रतीक है। दुनिया के देशों में जिस तरह से महाकुंभ के आयोजन को लेकर प्रचार प्रसार किया गया था। महाकुंभ की समाप्ति के पहले प्रचार प्रसार का यह ढोल पूरी तरह से फट गया है। उत्तर प्रदेश सरकार की इससे पहले इतनी बड़ी बदनामी कभी नहीं हुई होगी, जो इस महाकुंभ में हुई है। बरबस हर आदमी के मुंह से निकल रहा है। अव्यवस्था के बीच में पहली बार व्यवस्था को निकलते हुए देखा है। अव्यवस्था से व्यवस्था कैसे बनती है, इसका उदाहरण यह महाकुंभ है। इसे कॉलेजों के पाठ्यक्रम में शामिल करके मैनेजमेंट ओर एडमिनिस्ट्रेशन के छात्रों और प्रबंधन के कार्य में लगे हुए लोगों को पढाने और सिखाने की जरूरत है। ताकि जो स्थिति इस महाकुंभ में बनी है, भविष्य में वह स्थिति पुनः ना बने।

भ्रष्टाचार पर होगा वार

विभागों की मलाई पर तकरार

वैश्विक स्तरपर आज सारी दुनियाँ कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार के दंश से अर्थव्यवस्था में कमजोरी महसूस कर रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी काली कमाई भ्रष्टाचारियों द्वारा बेहद सस्पेंस वाली जगह पर छुपा कर रखा जाता है,जो अर्थव्यवस्था के सरकुलेशन में काम नहीं आती। मसलन 2000 के नोटों की लंबी राशि चलन में नहीं आ रही थी यानी मतलब साफ है भ्रष्टाचार्यों के पास लॉक हो गई थी,नतीजा नोटों की नोटबंदी ही पर्याय था। परंतु बहुत ताजुब की बात है एक ओर जहां सरकार भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस करने कमर कसकर भिड़ी हुई है दूसरी ओर हमेशा देखा जाता है की राजनीति में सहयोगी पार्टी या पार्टी के अंदर ही पार्टी के कद्दावर नेताओं में मंत्रालय के विभागों की मलाई पर तकरार होती है,यानें सरकारी टेंडर में परसेंटेज के मामले होते हैं,इसीलिए ही 40 या 50 पेर्सेंट के आरोप प्रत्यारोप राजनीति में सभी बातें एक दूसरे के ऊपर लगाते रहते हैं अक्सर चुनाव जीते हुए व्यक्तियों से लेकर मंत्री व चपरासी से लेकर उच्च पदासीन अधिकारी इसमें शामिल होते हैं तो फिर भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति का क्या अर्थ हुआ? जो रेखांकित करने वाली बात है, जिसका सटीक उदाहरण महाराष्ट्र के एक नेता पर गृहमंत्री होने के बावजूद 100 करोड़ प्रतिमाह का आरोप लगा था वो जेल भी गए थे। ऐसे अनेक आरोप राजनीतिज्ञों मंत्रियों पर लगते रहते हैं जो रेखा रेखांकित करने वाली बात है, जिससे क्लियर होता है कि भ्रष्टाचार ऊपर से लेकर नीचे की ओर चलता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेविभागों की मलाई पर तकरार, भ्रष्टाचार पर कैसे होगा पलटवार !तथा भ्रष्ट प्लस अचार एट द रेट ऑफ भ्रष्टाचार, लोक निर्माण सरकारी टेंडर गृह परिवहन मंत्रालयों को आखिर क्यों मलाई वाला विभाग कहा जाता है?

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के अर्थ को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार शब्द दो शब्दों की संधि से बना है-भ्रष्ट+आचार,जिनके निम्न अर्थ हैं-भ्रष्ट=दूषित, गंदा, अनैतिक,गलत, आपराधिक, आचार=आचरण, व्यवहार, कार्यकप कार्य, तो सीधे शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार का तात्पर्य उस कार्य से है जो गलत हो, अनैतिक हो, आपराधिक हो या दूषित हो। हमारे राजनेताओं की कृपा से आजकल यह शब्द मुख्यतया राजनैतिक संदर्भ में प्रयोग होता है लेकिन सामान्यतया हर वह आचरण भ्रष्टाचार है जो कि किसी गलत उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अनैतिक ढंग से और दुर्भावना से किया जाए।केवल सरकारी कार्यों में घोटाले करना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि अपने आदर्शों से समझौता करना और निजी लाभ के लिए किसी अन्य को पीड़ा पहुंचाना भी भ्रष्टाचार है।दूधवाले का दूध में पानी मिलाना भी भ्रष्टाचार है और शिक्षक का कक्षा में ना पढ़ाना भी भ्रष्टाचार है। अधिकारी का काम ना करना भी भ्रष्टाचार है और काम के बदले रिश्वत मांगना भी भ्रष्टाचार है। टैक्स चोरी करना भी भ्रष्टाचार है और यातायात के नियमों को ना मानना भी भ्रष्टाचार है।सीमित शब्दों में कहें तो भ्रष्टाचार केवल सरकारी योजनाओं में घोटाले करना ही नहीं है बल्कि निजी स्वार्थ सिद्धि हेतु किया गया हर गलत आचरण ही भ्रष्टाचार है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार से आर्थिक दुष्प्रभाव की करें तो,भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है,मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है, इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं,परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है।भारत और चीन की विकास दर अधिक है।भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है।मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, सड़क घटिया बनी. प्रश्न उठता है कि घूस की 50 लाख की रकम का उपयोग किस प्रकार हुआ यदि इस रकम को शेयर बाजार में लगाया गया तो भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव कुछ घटता है,दक्षिणी अमेरिकी देशों एवं भारत में यह अंतर साफ है। दक्षिण अमेरिका के नेताओं ने घूस की रकम को स्विट्जरलैंड के बैंकों में जमा करा दिया। नतीजा विकास में गिरावट आयी,परंतु भारतीय नेताओं ने स्विस बैंकों में जमा कराने के साथ- साथ घरेलू उद्यमियों के पास भी रकम जमा करायी। यदि घूस की रकम का निवेश किया जाये, तो अनैतिक भ्रष्टाचार का आर्थिक सुप्रभाव भी पड़ सकता है।मान लीजिए सरकारी निवेश में औसतन 70 फीसदी रकम का सदुपयोग होता है, जबकि निजी निवेश में 90 फीसदी का, ऐसे में यदि एक करोड़ रुपये को भ्रष्टाचार के माध्यम से निकाल कर निजी कंपनियों में लगा दिया जाये, तो 20 लाख रुपये का निवेश बढ़ेगा।अर्थशास्त्र में एक विधा 'बचत की प्रवृत्ति' के नाम से जानी जाती है। अपनी अतिरिक्त आय में से व्यक्ति कितनी बचत करता है उसे 'बचत की प्रवृत्ति' कहा जाता है। गरीब की 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 90 रुपये की खपत करता है और 10 रुपये की बचत. तुलना में अमीर को 100 रुपये की अतिरिक्त आय हो, तो वह 10 रुपये की खपत करता है और 90 रुपये की बचत करता है.मान लीजिए अमीर इंजीनियर ने गरीब किसान से 100 रुपये की घूस ली। गरीब की आय में 100 रुपये की गिरावट आयी, जिसके कारण बचत में 10 रुपये की कटौती हुई. परंतु अमीर इंजीनियर ने 100 रुपये की घूस में 90 रुपये की बचत की. इस प्रकार घूस के लेनदेन से कुल बचत में 80 रुपये की वृद्धि हुई। अमीर द्वारा गरीब का शोषण सामाजिक दृष्टि से गलत होते हुए भी आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो गया।भ्रष्टाचार का आर्थिक विकास पर दुष्प्रभाव पड़ता है। मसलन, भ्रष्टाचार के चलते सड़क कमजोर बनायी जाती है, जिससे वह जल्दी टूट जाती है। इस फॉर्मूले के अनुसार भारत और चीन की विकास दर कम होनी चाहिए थी, क्योंकि ये देश ज्यादा भ्रष्ट हैं। परंतु वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत और चीन की विकास दर अधिक है. भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि भ्रष्टाचार से प्राप्त रकम का उपयोग किस प्रकार किया जाता है.मान लीजिए एक करोड़ रुपये के सड़क बनाने के ठेके में से 50 लाख रुपया भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया.

रोमानिया के राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस ने महाभियोग की योजना के बीच दिया इस्तीफा

बुखारेस्ट, 11 फरवरी (एजेंसियां)। रोमानिया के राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस ने सोमवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह फैसला तब आया जब विपक्षी हार्ड-राइट संसदीय दलों ने उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की योजना बनाई थी। राष्ट्रपति का इस्तीफा देश में पहले से चल रहे राजनीतिक संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रपति इओहानिस का दूसरा और अंतिम कार्यकाल आधिकारिक रूप से 21 दिसंबर 2024 को समाप्त होने वाला था। हालांकि, रोमानिया की सर्वोच्च अदालत ने चुनाव में संभावित रूसी हस्तक्षेप के संदेह के कारण राष्ट्रपति चुनाव को रद्द कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद इओहानिस को उत्तराधिकारी चुने जाने तक पद पर बने रहने के लिए कहा गया था।

विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति पर असंवैधानिक रूप से पद पर बने रहने का आरोप लगाया और उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की। इसके जवाब में, इओहानिस ने स्वेच्छा से पद छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने यह फैसला दो महीने पहले सर्वोच्च अदालत के राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया को रद्द करने के आदेश के बाद लिया। राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस ने कहा कि रोमानिया को संकट से बचाने के लिए मैं राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे रहा हूं। मैं 12 फरवरी को पद छोड़ दूंगा। उनके इस कदम से देश में नेतृत्व को लेकर एक नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। रोमानिया की सर्वोच्च अदालत ने दिसंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव को रद्द कर दिया था। अदालत के अनुसार, चुनावों में विदेशी शक्तियों, विशेष रूप से रूस, द्वारा हस्तक्षेप किए जाने के सबूत मिले थे। इस फैसले ने देश में राजनीतिक माहौल को अस्थिर और तनावपूर्ण बना दिया। संविधान के अनुसार, यदि राष्ट्रपति पद खाली होता है, तो सीनेट के अध्यक्ष या निचले सदन के अध्यक्ष को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया जा सकता है। हालांकि, विपक्ष और सत्तारूढ़ दलों के बीच सहमति न होने के कारण यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

चीन की नजर से नहीं बचेगा, अमेरिकन न्यूक्लियर सबमरीन

बीजिंग। अमेरिकी नौसेना की परमाणु शक्तियों से लैस पनडुब्बियों को दुनिया की सबसे छुपी हुई युद्ध मशीनों में से एक माना जाता है। लेकिन पनडुब्बी-खोज तकनीक में प्रगति के साथ, चीनी वैज्ञानिकों का दावा है कि वे अब सबसे शांत परमाणु पनडुब्बियों का भी पता लगा सकते हैं। शियान स्थित नॉर्थवेस्टर्न पॉलिटेक्निकल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स का दावा है कि वे अब पनडुब्बियों द्वारा उत्पन्न चुंबकीय क्षेत्रों का इस्तेमाल करके सबसे शांत पनडुब्बियों का भी पता लगा सकते हैं। ये चुंबकीय क्षेत्र पनडुब्बियों के चलने से उत्पन्न पेचीदा और अशांत प्रवाह क्षेत्रों के कारण बनते हैं। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह नई तकनीक नौसैनिक युद्ध में क्रांति ला सकती है। सहायक प्रोफेसर वांग होंगलेई की अगुवाई में टीम ने केल्विन वेक का मॉडल तैयार किया है, जो पनडुब्बियों के पानी में चलने से उत्पन्न वी-आकार की सतह की गड़बड़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वेक का पहले रडार-आधारित इमेजरी डिटेक्शन के लिए अध्ययन किया गया था, लेकिन जब समुद्री जल के आयन – जो पनडुब्बी की गति से प्रभावित होते हैं – पृथ्वी के भू-चुंबकीय क्षेत्र के साथ संपर्क में आते हैं, तो यह एक हल्का लेकिन पता लगाने योग्य चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करता है। सीवुल्फ-क्लास पनडुब्बियों को अमेरिकी नौसेना की सबसे शक्तिशाली, घातक, जटिल और महंगी पानी के नीचे की कॉम्बेट प्लेटफार्मों में से एक माना जाता है, जो दुश्मन के तट के पास हाई-लेवल मिशनों के लिए डिज़ाइन की गई हैं। इन्हें साइलेंट किलर्स के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि ये गहराई में जाकर महीनों तक लक्ष्यों का पीछा कर सकती हैं।

बेन्नू उल्कापिंड ने वैज्ञानिकों को किया सबसे अधिक चिंतित

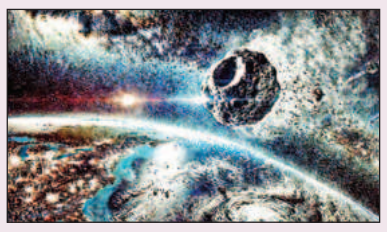

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में हजारों उल्कापिंड घूम रहे हैं, लेकिन इनमें से सभी पृथ्वी के लिए घातक नहीं होते। पृथ्वी के लिए अंतरिक्ष से आने वाले खतरों में सबसे बड़ा खतरा उल्कापिंडों की टक्कर को माना जाता है। वैज्ञानिकों को बेन्नू उल्कापिंड ने सबसे अधिक चिंतित किया है। यह उल्कापिंड लगभग 500 मीटर चौड़ा है। इस उल्कापिंड का पृथ्वी से टकराने की संभावना साल 2182 में सबसे अधिक है। नासा के अनुसार, इसकी टक्कर की संभावना 2,700 में 1 बार है, जिसे दुर्लभ लेकिन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बेन्नू की टक्कर से पृथ्वी पर भयावह असर देखने को मिल सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यदि यह उल्कापिंड पृथ्वी से टकराया, तो भूकंप और सुनामी जैसे प्राकृतिक आपदाएं आएंगी। टक्कर के प्रभाव से लाखों टन धूल अंतरिक्ष में फैल जाएगी, जिससे सूर्य की रोशनी पृथ्वी तक कम पहुंचेगी। इसका सीधा असर वैश्विक जलवायु पर पड़ेगा और तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस कारण लगभग दो वर्षों तक अत्यधिक ठंड पड़ेगी, जिससे धरती का वातावरण ठंडा और शुष्क हो जाएगा। बेन्नू की टक्कर से वैश्विक वर्षा में भी 15 फीसदी तक की गिरावट हो सकती है।

बार-बार एक ही गाना सुन्ने से सुखद अनुभव होता है

लॉस एंजेलस। हाल ही में गायक केंड्रिक लैमर के गाने 'नॉट लाइक अस' को कई अवॉर्ड मिले। इस गाने ने

ग्रैमी अवॉर्ड्स में धमाल मचाया। इसको लेकर गायक ने अपनी प्रतिक्रिया कहा कि मैं भी पहले इस गाने को सुन चुका था। ग्रैमी में इसे इतनी सराहना मिली, तो मैंने फिर से उसे सुना और ऐसा महसूस हुआ कि मैं लगातार 2-3 दिन तक इसे बार-बार सुनता रहा। और ऐसा पहली बार नहीं था, इससे पहले भी कई बार मैं किसी गाने को बार-बार सुनने की आदत में था। यही सवाल मेरे मन में आया कि ऐसा क्यों होता है, तो मैंने इस बारे में थोड़ा रिसर्च किया और कुछ दिलचस्प बातें पता चलीं। असल में, जब हम किसी गाने से गहरे तौर पर जुड़ाव महसूस करते हैं, तो हमारा दिमाग एक केमिकल, डोपामाइन, रिलीज करता है। यह केमिकल हमें खुशी और संतुष्टि का एहसास कराता है, और यही कारण है कि हमें वही गाना फिर से सुनने का मन करता है। इसके अलावा, कई बार कोई गाना हमें किसी पुरानी याद, किसी खास इंसान या किसी अहम लम्हे से भी जोड़ देता है, और तब तो यह गाना और भी खास हो जाता है। गाने की धुन, बोल और रिदम भी इस अनुभव को और गहरा बना सकते हैं। कुछ गाने हमें जोश से भर देते हैं, तो कुछ हमें सुकून का अहसास कराते हैं, और कुछ गाने सीधे हमारे दिल की गहराइयों में उतर जाते हैं।

गाजा पट्टी में फिर छिड़ सकता है युद्ध

अमेरिका-इजराइल की नई रणनीति से हमास के तेवर कड़े, बंधकों की अगली रिहाई टालने की घोषणा की

गाजा पट्टी, 11 फरवरी (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में इजराइल और आतंकवादी समूह हमास के बीच फिर लड़ाई छिड़ने के आसार हैं। हमास ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हालिया रणनीतिक मुलाकात के बाद कड़ा संदेश दिया है। हमास ने सोमवार को कहा कि वह शनिवार को होने वाली बंधकों की रिहाई को फिलहाल स्थगित कर रहा है।

द टाइम्स ऑफ इजराइल समाचार पत्र की खबर के अनुसार, हमास के सैन्य विंग के प्रवक्ता हुदैफा काहलौत उर्फ अबू ओबेदा ने कहा कि इजराइल ने तीन हफ्तों में समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा नहीं किया है। इजराइल के रक्षा बल गाजा में मानवीय सहायता के प्रवाह में बाधा डाल रहे हैं। गाजा पट्टी के उत्तर में लौटने वाले फिलिस्तीनियों को निशाना बना रहे हैं। चेतावनी दी है कि फिलहाल 73 बंधकों की रिहाई अगली सूचना तक स्थगित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि हमास ने सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल से 251 लोगों को बंधक बनाया था। उनमें से 178 को अब तक हुए समझौते के तहत रिहा किया जा चुका है। हमास प्रवक्ता ओबेदा ने कहा कि समझौते के तहत 73 बंधकों में से कुछ को 15 फरवरी को रिहा किया जाना था। इजराइल के बदले रुख की वजह से ऐसा करना मुश्किल है।

आतंकवादी समूह ने एक अलग बयान में कहा कि अगर इजराइल समझौते का उल्लंघन करना बंद कर देता है तो वह मध्यस्थों से किए गए वादे के तहत बंधकों की समय पर रिहाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमास की इस घोषणा के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा कैबिनेट की बैठक आहूत की है। इस बीच रक्षामंत्री ने सेना को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया।

सीएनएन की खबर के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास की प्रतिक्रिया के बाद इजराइल से कहा कि वह युद्धविराम समझौते को रद्द कर दे। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर हमास शनिवार को बंधकों को रिहा नहीं कर सकता तो संघर्ष विराम जारी रखने का कोई मतलब नहीं। अगर दोपहर 12 बजे तक बंधकों को रिहा नहीं किया जाता तो गाजा पट्टी को नरक बना दिया जाएगा। ट्रंप ने इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि रिहाई के लिए कई बंधक अभी भी जीवित है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि बहुत से बंधक मर चुके हैं।

लीबिया में नाव पलटने से बड़ा हादसा, अधिकांश यात्री पाकिस्तानी नागरिक

इस्लामाबाद। लीबिया के तट के पास एक बड़ी त्रासदी सामने आई है, जहां 65 यात्रियों को ले जा रही एक नाव दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई। इस नाव में अधिकतर पाकिस्तानी नागरिक सवार थे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की और बताया कि त्रिपोली स्थित पाकिस्तानी दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों से संपर्क कर लिया है। विदेश कार्यालय के अनुसार, यह दुर्घटना लीबिया के जाविया शहर के उत्तर-पश्चिम में मार्सा डेला बंदरगाह के पास हुई। नाव पलटने के तुरंत बाद त्रिपोली स्थित पाकिस्तान दूतावास ने मृतकों की पहचान और जीवित बचे यात्रियों की सहायता के लिए एक विशेष टीम को जाविया अस्पताल भेज दिया है। बयान में कहा गया है कि अभी तक मृतकों और जीवित बचे लोगों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। साथ ही, पाकिस्तानी नागरिकों की सटीक संख्या का भी पता लगाने के लिए लीबिया में संबंधित अधिकारियों के साथ संपर्क और जांच प्रक्रिया जारी है। फिलहाल, लीबिया में पलटी नाव के यात्रियों को लेकर बचाव अभियान जारी है। पाकिस्तान सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए स्थानीय प्रशासन से लगातार संपर्क बनाए हुए है।

कनाडाई पुलिस ने खोल दी त्रूडो की पोल, 9 साल में ड्रग्स ओवरडोज से 50 हजार की मौत

ओटावा, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

कनाडा की पूर्ववर्ती ट्रूडो सरकार की नीतियों ने कनाडा को अंतरराष्ट्रीय ड्रग हब बना दिया है। कनाडा में ट्रूडो सरकार के जाते ही रॉयल कैनेडियन पुलिस ने पोल खोलनी शुरू कर दी है। रॉयल कैनेडियन पुलिस प्रमुख ने आधिकारिक तौर पर इस बात को स्वीकार किया है कि कनाडा में ड्रग तस्करों का बोलबाला है। इस समय कुल चार हजार संगठित अपराधी गिरोह काम कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर जहरीले ड्रग फेंटेनाइल की तस्करी कर रहे है।

कनाडा पुलिस के इन दावों ने भारत के उन दावों को और पुख्ता कर दिया कि कनाडा ड्रग्स तस्करों का हब बन गया है। रॉयल कैनेडियन पुलिस के मुताबिक पिछले 9 सालों में कनाडा में ड्रग्स के ओवरडोज के चलते 50 या 100 नहीं बल्कि 50 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। कनाडा में बढ़ते ड्रग्स तस्करों के नेटवर्क से भारत तो पहले ही लंबे वक्त से परेशान था।

अब इस फेहरिस्त में अमेरिका का नाम भी जुड़ गया है। रॉयल कैनेडियन पुलिस ने स्वीकार किया कि 4000 संगठित गिरोह इस वक्त काम कर रहे हैं जिसमें अधिकांश ड्रग्स बेचने वाले हैं। इनमें ज्यादातर लोग एशियाई मूल के हैं और एक बड़े माफिया सरगना के तार चीन से भी जुड़े हुए हैं। कनाडा में ड्रग्स की ओवरडोज लेने से होने वाली मौतों में

पिछले आठ सालों में दो सौ प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

एक आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक 2016 के बाद नशीले पदार्थ की ओवरडोज से लगभग 50000 कनाडा लोगों की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि कनाडा के अंतरराष्ट्रीय ड्रग हब बनने का सबसे बड़ा महत्वपूर्ण कारण पूर्ववर्ती सरकार के संदेहास्पद लोगों से संबंध रहे हैं। जिसके चलते वे सख्त कानून में लगातार ढील देते चले गए। मसलन मादक पदार्थों के तस्करों के लिए अनिवार्य जेल समय सीमा को पूर्ववर्ती सरकार ने समाप्त कर दिया। अधिकांश ड्रग तस्करों को बड़ी आसानी से जमानत मिलने लगी और उन्हें कानून का कोई डर नहीं रहा। नतीजे के तौर पर कनाडा अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्करों का अड्डा बन गया।

कनाडा के मादक पदार्थों के हब बनने से अमेरिका भी बेहद परेशान है। क्योंकि इनमें से एक बड़े तस्कर के सीधे संबंध चीनी एजेंसियों से भी बताए जाते हैं। अमेरिका ने कनाडा से जो गोपनीय जानकारी मांगी थी उसमें सैम गोर नाम के एक बड़े तस्कर नेटवर्क की बाबत जानकारी मांगी गई थी। यह तस्कर नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करता है और अमेरिकी जांच के मुताबिक इसके पीछे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के कुछ कार्यकर्ता भी शामिल है। कनाडा में मादक पदार्थों के तस्करी नेटवर्क में ज्यादातर एशियाई लोग शामिल है।

मेक्सिको की खाड़ी अब अमेरिका की खाड़ी के नाम से जानी जाएगी

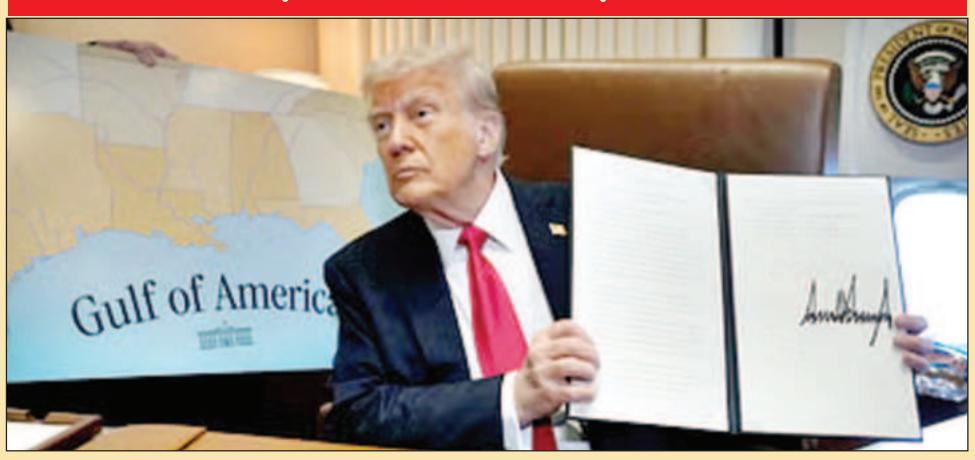

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। डोनाल्ड ट्रंप इस आदेश पर उस समय हस्ताक्षर किए, जब वे खुद अपने आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन से अमेरिका की खाड़ी के ऊपर उड़ान भर रहे थे। ट्रंप दरअसल न्यू ऑर्लियंस में सुपर बाउल में शामिल होने जा रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने का एलान कर दिया था और अब आधिकारिक तौर पर उस आदेश पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि मेक्सिको की खाड़ी को बीते 400 वर्षों से इसी नाम से जाना जाता था।

नेपाल प्रधानमंत्री मोदी को सागरमाथा संवाद के लिए करेगा आमंत्रित

काठमांडू, 11 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल सागरमाथा संवाद में हिस्सा लेने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित करेगा। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में नेपाल कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित करता है। यह सम्मेलन 16-18 मई को काठमांडू में प्रस्तावित है।

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में सोमवार शाम हुई कैबिनेट बैठक में इस पर चर्चा की गई। ओली सरकार के पूर्व मंत्री शरत सिंह भण्डारी ने बताया कि सागरमाथा संवाद में मुख्य अतिथि के रूप में भारत के प्रधानमंत्री को निमंत्रण भेजने का का प्रस्ताव किया गया है। नेपाल इस आयोजन की रूपरेखा भारत के रायसीना डायलॉग की तरह तैयार कर रहा है।

कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री ओली ने जानकारी दी कि हाल ही में नेपाल दौरे पर आए भारतीय विदेश मंत्रालय के नेपाल डेस्क के प्रभारी अतिरिक्त सचिव मनु महावर से इस विषय पर चर्चा हो चुकी है। नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा ने कहा कि सागरमाथा संवाद के लिए भारतीय प्रधानमंत्री को अनौपचारिक निमंत्रण भेज दिया गया है। दिल्ली से सकारात्मक जवाब मिलते ही औपचारिक निमंत्रण भेजा जाएगा। विदेशमंत्री डॉ. राणा ओमान के मस्कट में 16-18 फरवरी तक होने वाले इंडिया फाउंडेशन के कार्यक्रम में भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर से इस संबंध में चर्चा करेंगी।

सऊदी अरब का बड़ा फैसला, हज में बच्चों को ले जाने पर लगाया बैन, 14 देशों के लिए बदले वीजा नियम

सऊदी, 11 फरवरी (एजेंसियां)। हज यात्रा को लेकर सऊदी अरब ने बड़ा फैसला किया है। सऊदी अरब के नए फैसले के मुताबिक अब बच्चों की हज में एंट्री बैन कर दी गई है। सऊदी अरब के हज और उमरा मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि हज के दौरान हर साल बढ़ती भीड़ को लेकर ये फैसला लिया गया है।

मंत्रालय का कहना है कि 2025 में उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो पहली बार हज करने आए हैं। बच्चों पर बैन भी इसी वजह से लगाया है कि उन्हें भीड़ भाड़ में होने वाली परेशानी से बचाया जा सके। हज 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए हैं। सऊदी अरब के नागरिक और वहां रहने वाले के जरिए या ऑफिशियल ऑनलाइन पोर्टल के जरिए अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। आवेदकों को अपनी जानकारी सत्यापित कराने के साथ ही उनके साथ यात्रा करने वाले का भी पंजीकृत करना होगा। सऊदी अरब के नए वीजा नियमों से अल्जीरिया, बांग्लादेश, मिस्र, इथोपिया, भारत, इंडोनेशिया, इराक, जॉर्डन, मोरक्को, नाइजीरिया, पाकिस्तान, सूडान, ट्यूनीशिया और यमन पर देश प्रभावित होंगे।

सऊदी अरब की सरकार ने इन देशों के साथ पर्यटन, व्यापार और पारिवारिक यात्राओं के लिए एक साल के बहु-प्रवेश वीजा को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है। नए नियमों के तहत, इन देशों के लोग केवल एकल-प्रवेश वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं, जो कि 30 दिनों के लिए वैलिड होगा।

अमेरिका : निजी विमान की बिजनेस जेट से टक्कर, एक व्यक्ति की मौत, चार घायल

एरिजोना, 11 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के एरिजोना में स्कॉट्सडेल एयरपोर्ट पर एक छोटा निजी जेट विमान एक प्लेन से टकरा गया। हादसे में एक शख्स की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को हुई दुर्घटना में मोटली क्रू के फ्रंटमैन विंस नील के स्वामित्व वाला 'लीयरजेट 35' शामिल था।हालांकि, हादसे के वक्त नील विमान में नहीं थे, उनके प्रतिनिधि वॉरिक रॉबिन्सन ने सीए-नएन को यह जानकारी दी।विमान ने कथित तौर पर लैंडिंग के समय एक खड़े 'गल्फस्ट्रीम 200' बिजनेस जेट को टक्कर मार दी।अधिकारियों ने बताया कि विमान के उतरते ही उसका बायां मुख्य गियर फेल हो गया, जिससे टक्कर हो गई। विमान ने ऑस्टिन, टेक्सास से उड़ान भरी थी।सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बचावकर्मियों ने घटनास्थल पर घायलों को प्राथमिक मेडिकल सहायता दी। एक व्यक्ति को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया और तीन अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्कॉट्सडेल फायर डिपार्टमेंट के कैप्टन डेव फोलियो के अनुसार, एक व्यक्ति ने मेडिकल मदद लेने से इनकार कर दिया।सोशल मीडिया पर मोटले क्रू द्वारा पोस्ट किए गए प्रारंभिक बयान में दावा किया गया कि मृतक पायलट था तथा घायल यात्रियों में नील की प्रेमिका और उसका एक मित्र भी शामिल थे।मोटली क्रू की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक शुरुआती बयान में दावा किया गया था कि मृतक पायलट था और नील की गर्लफ्रेंड और एक दोस्त घायल यात्रियों में शामिल हैं।

राष्ट्रीय खेल : तलवारबाजी में जेटली चिंगाखाम और मीना नाओरेम ने लहराया परचम

देहरादून, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में तलवारबाजी प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों में सर्विसेज के जेटली चिंगाखाम और मणिपुर की मीना नाओरेम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

पुरुषों की एपे स्पर्धा

पुरुषों की एपे स्पर्धा के फाइनल में जेटली चिंगाखाम (सर्विसेज) ने कड़े मुकाबले में जम्मू-कश्मीर के वहीद सुफयान को 11-10 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। सेमीफाइनल में जेटली चिंगाखाम ने अपने ही राज्य के पंकज कुमार को 15-11 से हराया था, जबकि वहीद सुफयान ने सर्विसेज के रॉबर्ट श्रीमयम को 15-12 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस स्पर्धा में जेटली चिंगाखाम ने स्वर्ण, वहीद सुफयान ने रजत और पंकज कुमार तथा रॉबर्ट श्रीमयम ने कांस्य पदक जीते।

महिला फॉयल स्पर्धा

महिला फॉयल स्पर्धा के फाइनल में मणिपुर की मीना नाओरेम ने तमिलनाडु की अशिथा जॉइस को 15-13 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। सेमीफाइनल में अशिथा जॉइस ने मणिपुर की सोनिया वैखम को 15-12 से हराया था, जबकि मीना नाओरेम ने हरियाणा की कनुप्रिया को 15-11 से मात दी थी।

इस स्पर्धा में मीना नाओरेम को स्वर्ण, अशिथा जॉइस को रजत और सोनिया वैखम तथा कनुप्रिया को कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय खेल की इस तलवारबाजी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे यह प्रतियोगिता बेहद रोमांचक और दर्शनीय बन गई।

न्यूज ब्रीफ

डब्यूपीएल में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करेंगी दीप्ति

मुम्बई। 14 फरवरी से शुरु होने वाली महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा (डब्यूपीएल) में दीप्ती शर्मा यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करती दिखेंगी। इसका कारण है कि एलिसा हीली फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। दीप्ति ने पिछले कुछ सालों में टीम इंडिया की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है। 14 फरवरी से महिला प्रीमियर लीग शुरु होगी। महिला प्रीमियर लीग के पहले दो सत्र में खास प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली यूपी वॉरियर्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना है। इसी कारण उसने दीप्ति को कप्तानी सौंपी है। दीप्ति महिला प्रीमियर लीग में हैट्रिक लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। उनका पिछले दो सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वह टीम की सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक है। दीप्ति की इस टीम में ताहलिया मैक्ग्रा, चमारी अट्टापट्टू, ग्रैस हैरिस जैसी कुछ शानदार खिलाड़ी है।

इंग्लैंड दौरे में फिर मिल सकता है सरफराज को अवसर

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने वाले सरफराज खान को जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से एक बार फिर अवसर मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें एक भी टेस्ट मैच में खेलने का मौका नहीं मिला पर वह चोटिल हो गए हैं। ऐसे में अब वह रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में भी नहीं खेल पायेंगे हालांकि उनके नॉकआउट मैचों के लिए फिट होने की संभावना है। उन्हें पसलियों में हल्का फ्रेक्चर है। यह चोट उन्हें ऑस्ट्रेलिया में फील्डिंग करते समय लगी। भारत लौटने पर उनका स्कैन कराया गया जिसमें पसली में हल्का फ्रेक्चर है। भारतीय टीम को अब टेस्ट क्रिकेट जून में खेलना है। तब टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जहां उसे मेजबानों के साथ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले साल नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में खेला था। उन्होंने अभी तक भारत के लिए केवल एक टेस्ट में डेब्यू किया है। ऐसे में अब वह तभी भारतीय टीम में नजर आ सकते हैं। सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड है। उन्हें घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद साल 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। सरफराज ने अब तक 6 टेस्ट खेले हैं जिसमें उन्होंने 371 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 3 अर्धशतक शामिल है। उनका सबसे अधिक स्कोर 150 रन रहा है। इसके अलावा 54 फर्स्ट क्लास मैचों में सरफराज खान के नाम 4593 रन दर्ज हैं।

तीसरे एकदिवसीय में राहुल को शायद ही जगह मिले

मुम्बई। भारती और इंग्लैंड के बीच बुधवार को होने वाले तीसरे एकदिवसीय मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज केएल

राहुल को शामिल किये जाने की संभावनाएं बेहद कम हैं। राहुल अब तक हुए दोनो ही एकदिवसीय मैच में रन नहीं बना पाये हैं। भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे में अब तीसरे मैच में बदलावों के साथ उतर सकती है। राहुल लंबे समय से अच्छी पारी खेल पाने में विफल रहे हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट प्रारुप में भी वह रन नहीं बना पाये थे। वहीं अब एकदिवसीय में भी उनका बल्ला खामोश है। सीरीज के दोनों ही मैचों में राहुल को नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने के लिए भेजा गया पर राहुल ने लगातार दोनों मैचों में निराश किया। राहुल के बल्लेबाजी क्रम को लगातार बदलने से भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में खेले गए पहले एकदिवसीय में राहुल 9 गेंद खेलकर सिर्फ 2 रन बना पाए थे। वहीं दूसरे एकदिवसीय में में भी राहुल 14 गेंद खेलकर केवल 10 रन ही बना पाये। ऐसे में अब तीसरे मैच में उनकी जगह को विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को शामिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय खेल : टेबल टेनिस में पश्चिम बंगाल ने दोनों टीम इवेंट्स में जीते गोल्ड

देहरादून, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में चल रहे 38वें राष्ट्रीय खेल में टेबल टेनिस के टीम मुकाबलों में पश्चिम बंगाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला टीम फाइनल में पश्चिम बंगाल ने महाराष्ट्र को 3-1 से हराया, जबकि पुरुष टीम फाइनल में भी पश्चिम बंगाल ने महाराष्ट्र को 3-0 से मात दी।

महिला टीम फाइनल:

महिला टीम फाइनल में पश्चिम बंगाल की शुरुआत अच्छी रही, जब सुतीर्था मुखर्जी ने महाराष्ट्र की स्वस्तिका घोष को 11-8, 6-11, 14-12, 2-11, 11-5 से हराया। हालांकि, अगले मैच में महाराष्ट्र की दिया पराग चितले ने अयिहिका मुखर्जी को 12-10, 11-6, 11-5 से हराकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद पॉयमंती बैस्या ने तनीषा संजय कोटेचा को 11-8, 11-7, 6-11, 11-6 से हराकर बंगाल को 2-1 की बढ़त दिलाई। चौथे मुकाबले में अयिहिका मुखर्जी ने स्वस्तिका घोष को 11-8, 11-6, 13-11 से हराकर पश्चिम बंगाल को खिताबी जीत दिलाई।

पुरुष टीम फाइनल:

पुरुष टीम फाइनल में पश्चिम बंगाल ने महाराष्ट्र को 3-0 से हराया। पहले मुकाबले में अनिर्बान घोष ने जैश अमित मोदी को 11-7, 10-12, 6-11, 11-6, 11-4 से हराया। दूसरे मुकाबले में आकाश पाल ने रेगेन अल्बुकर्क को 11-5, 11-8, 12-10 से हराकर बंगाल की बढ़त को 2-0 कर दिया। तीसरे मैच में सौरव साहा ने महाराष्ट्र के चिन्मय सोमैया को 11-7, 11-8, 8-11, 11-6 से हराकर बंगाल को जीत दिलाई।

सेमीफाइनल मुकाबले:

- सेमीफाइनल में महिला टीम वर्ग में पश्चिम बंगाल ने दिल्ली को 3-0 से हराया।
- दूसरे सेमीफाइनल में महाराष्ट्र ने हरियाणा को 3-0 से हराया।
- पुरुष टीम सेमीफाइनल में महाराष्ट्र ने तेलंगाना को 3-0 से हराया।
- दूसरे सेमीफाइनल में पश्चिम बंगाल ने तमिलनाडु को 3-2 से हराया।

डबल्स और मिक्स्ड डबल्स मुकाबले:

महिला डबल्स प्री-क्वार्टर में केरल की मारिया रोनी और प्रणति पी. नायर ने कर्नाटक की तृप्ति पुरोहित और साहना मूर्ति को 11-8, 11-1, 11-7 से हराया। वहीं, गुजरात की जयस्वल नमना और ओइशिकी जोरदर ने उत्तराखंड की विदुषी जोशी और ख्याति पांडे को 4-11, 8-11, 11-7, 6-11 से हराया। इसके अलावा गुजरात की फ्रेनाज़ चिपिया और कादरीफिलजा ज़हुरहुसेन ने उत्तराखंड की आदित्री भारद्वाज और लगन की जोड़ी को 11-5, 11-4 और 11-9 से हराया।

मिक्स्ड डबल्स प्री-क्वार्टर मुकाबले में तमिलनाडु के प्रेयेश एस और श्रिया ए. ने उत्तराखंड के सक्षम मित्तल और आदित्री भारद्वाज को 13-11, 11-9, 11-5 से हराया। दिल्ली के शिवजीत सिंह लाम्बा और लक्षिता नारंग ने उत्तराखंड के आरव नेगी और लगन को 11-4, 11-8, 11-5 से मात दी।

पश्चिम बंगाल की टीम ने मिक्स्ड डबल्स में भी शानदार प्रदर्शन किया, जहां अनिर्बान घोष और अयिहिका मुखर्जी की जोड़ी ने उत्तराखंड के आकाश गुप्ता और ख्याति पांडे को 11-3, 11-7, 11-4 से हराया।

पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड के दूसरी टीम के बीच हुए मुकाबले में भी पश्चिम बंगाल ने उत्तराखंड को 3-0 से हराया। पश्चिम बंगाल के सौरव साहा और प्राप्ति सेन की जोड़ी ने उत्तराखंड के गौतम ध्रुवंश और विदुषी जोशी को 11-7,15-13,11-4 से हराया।

इसके अलावा दिल्ली के सुधांशु मैनी और वंशिका भगवान ने महाराष्ट्र के सिद्धेश मुकुंद पांडे और प्रिथा प्रिया वर्तिकार को 9-11, 9-11, 13-11,11-9,12-10 से हराया।

पुरुष डबल्स के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पश्चिम बंगाल के सौगाता सरकार और रोहित चक्रबर्ती की जोड़ी ने उत्तराखंड के सक्षम मित्तल और आरव नेगी को 11-4, 11-5,11-9 से हराया।

38वें राष्ट्रीय खेल में टेबल टेनिस के मुकाबलों में पश्चिम बंगाल का दबदबा देखने को मिला। टीम इवेंट्स के अलावा डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में भी बंगाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अब व्यक्तिगत मुकाबलों में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिल सकते हैं।

एआरके ग्रुप ने अंडर-19 टी-20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए त्रिशा को सम्मानित किया

हैदराबाद, 11 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंगलवार को एआरके ग्रुप ने हाल ही में संपन्न अंडर-19 टी20 विश्व कप में भारत की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली जी. त्रिशा को हैदराबाद में सम्मानित किया। आवासीय, औद्योगिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में एक विश्वसनीय नाम, एआरके ग्रुप अपने शिल्प कौशल, नवाचार और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। एआरके फाउंडेशन के माध्यम से, इसने पिछले छह वर्षों से तेलंगाना के भद्राचलम की त्रिशा का समर्थन किया है, जो उनके क्रिकेट के सफर में महत्व-पूर्ण भूमिका निभा रहा है।

19 वर्षीय त्रिशा को एआरके ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक गुम्मी राम रेड्डी ने एक विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया, जिसमें भारतीय बैडमिंटन के दिग्गज पुलेला गोपीचंद, पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, आर्क ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री गुम्मी राम रेड्डी ने कहा, हम अंडर-19 विश्व कप 2025 में जी त्रिशा की उपलब्धि से बहुत खुश हैं। हम पिछले 6 वर्षों से उनकी यात्रा का हिस्सा रहे हैं। वह बेहद दृढ़ निश्चयी और केंद्रित हैं। वह अनगिनत युवा एथलीटों के लिए प्रेरणा हैं। उत्कृष्टता के लिए उनका अथक प्रयास और अंडर-19 टी20 विश्व कप में भारत की जीत में उनका योगदान आर्क ग्रुप में हमारे द्वारा बनाए गए मूल्यों का उदाहरण है। हमें उनकी उपलब्धियों का समर्थन करने और उनका जश्न मनाने का सम्मान मिला है।कार्यक्रम में बोलते हुए, त्रिशा ने निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए एआरके ग्रुप का आभार व्यक्त किया। मुझ पर विश्वास करने, मेरा समर्थन करने और मेरी यात्रा को सशक्त बनाने के लिए मैं एआरके ग्रुप की बहुत आभारी हूँ, विशेष रूप से गुम्मी राम रेड्डी सर की आभारी हूँ, उन्होंने कई वर्षों से कई बैठकों में मुझे बहुत प्रेरित किया है। त्रिशा ने कहा कि यह सम्मान मुझे और भी अधिक मेहनत करने तथा अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करता है।

एशिया मिश्रित टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप शुरु , भारत का पहला मुकाबला मकाउ से होगा

एशिया मिश्रित टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप मंगलवार से यहां शुरु होगी। इस चैम्पियनशिप में पी वी सिंधु की कमी भारतीय टीम को खलेगी। सिंधु चोटिल होने के कारण इस चैंपियनशिप से बाहर हैं। सिंधु की जगह विश्व रैंकिंग में 29वें नंबर की खिलाड़ी मालविका बांसोड़ को अवसर मिला है और उन्हें महिला एकल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को इस प्रतियोगिता में ग्रुप डी में रखा गया है जहां उसका पहला मुकाबला बुधवार को मकाउ से होगा। भारतीय टीम को इसके बाद गुरुवार को दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम से मुकाबला करना है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल तक तो शायद ही परेशानी आये पर उसके बाद उसे आगे बढ़ने के लिए काफी प्रयास करना होगा। भारत एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अभी तक स्वर्ण पदक नहीं जीत पाया है हालांकि उसने 2018 और 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित टीम प्रतियोगिता में स्वर्ण और रजत पदक जीता था। भारतीय टीम का हाल के दिनों में टीम प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने 2022 में थॉमस कप में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय टीम की उम्मीदें एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, अश्विनी पोनप्पा, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर टिकी हैं।

राष्ट्रीय खेल : जूडो के पहले दिन रोमांचक मुकाबले, उत्तराखंड ने जीते 3 पदक

देहरादून, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

38वें राष्ट्रीय खेलों में जूडो प्रतियोगिताओं की शुरुआत शानदार रही, जहां देशभर के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट कौशल और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। मेजबान राज्य उत्तराखंड ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न भार वर्गों में पदक हासिल किए।

महिला -48 किग्रा वर्ग में उत्तर प्रदेश की अस्मिता डे ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की, जबकि महाराष्ट्र की आकांक्षा शिंदे ने रजत पदक प्राप्त किया। कांस्य पदक उत्तर प्रदेश की अंतिम यादव और पंजाब की पल्लवी को मिला।

पुरुष -60 किग्रा वर्ग में उत्तराखंड के सिद्धार्थ रावत ने बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा के लक्की ने रजत पदक हासिल किया, जबकि हरियाणा के अजय और उत्तर प्रदेश के मनी शर्मा को कांस्य पदक मिला।

-66 किग्रा लड़कों की प्रतियोगिता में गुजरात के रोहित ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि हरियाणा के गर्वित ने रजत पदक जीता। कांस्य पदक

उत्तराखंड के आयुष मावरी और दिल्ली के अभिजीत मलिक ने प्राप्त किया।

महिला -52 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र की श्रद्धा चोपड़े ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गुजरात की महेरुके मकवाना ने रजत पदक जीता, जबकि छत्तीसगढ़ की मेहक सिंह और मणिपुर की मतुलेइबी ने कांस्य पदक जीता।

पुरुष -73 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के अरुण कुमार ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तराखंड के प्रदीप रावत ने रजत पदक जीता, जबकि अरुणाचल प्रदेश के कामडोन बाई और गुजरात के विपुल चौधरी को कांस्य पदक मिला।

महिला -57 किग्रा वर्ग में हरियाणा की अंकिता ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि गुजरात की शाहिन दरजादा ने रजत पदक पर कब्जा किया। मणिपुर की अनिता चानू और कर्नाटक की समता राणे ने कांस्य पदक जीता।

जैसे-जैसे प्रतियोगिता आगे बढ़ रही है, जूडो खिलाड़ियों का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। दर्शक आगामी मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मौलि संवादः नेशनल स्पोर्ट्स कॉनक्लेव में भवानी देवी और मीर रंजन नेगी ने साझा किए अपने प्रेरणादायक अनुभव

देहरादून, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

38वें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत चल रहे मौलि संवादः नेशनल स्पोर्ट्स कॉनक्लेव के 13वें दिन खेल जगत की जानी-मानी हस्तियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस खास मौके पर दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए, जिनमें पहली भारतीय ओलंपिक फेंसर भवानी देवी और पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी व कोच मीर रंजन नेगी ने अपनी प्रेरणादायक कहानियाँ सुनाईं।

पहला सत्र: अनस्टॉपेबल: भवानी देवी की यात्रा महानता और गौरव की ओर - पहले सत्र में भवानी देवी ने अपने खेल सफर की शुरुआत से लेकर ओलंपिक्स तक के सफर को साझा किया। उन्होंने बताया कि छठी कक्षा में फेंसिंग को चुनना उनके जीवन का अहम मोड़ था। अभ्यास के कठिन नियमों का पालन करते हुए उन्होंने सुबह 5 से 8 बजे और शाम 5 से 7 बजे तक कड़ी मेहनत की, जिसे उन्होंने पाँच साल तक जारी रखा। भवानी ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट

(2007) का अनुभव साझा किया, जब देर से पहुंचने के कारण उन्हें ब्लैक कार्ड मिला और प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया। मात्र 14 वर्ष की उम्र में उन्होंने अनुशासन और समय की अहमियत को समझा। इसी घटना के बाद उन्होंने खुद से वादा किया कि वह राज्य स्तर पर पदक जीतेंगी, और फिर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त की। उन्होंने बताया कि कोविड के दौरान ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई करने के बाद उन्हें घर पर ही अभ्यास करना पड़ा। उस समय कई लोगों ने कहा कि प्रतियोगिता रद्द हो जाएगी, लेकिन उनकी माँ सबसे बड़ी प्रेरणा बनीं। भवानी ने कहा, मैं अपनी यात्रा का आनंद ले रही हूँ और अगले ओलंपिक्स, लॉस एंजेलेस 2028 की तैयारी के लिए चार साल हैं, लेकिन फिलहाल मैं अपनी प्रक्रिया से संतुष्ट हूँ।

दूसरा सत्र: ड्रिब्लिंग एडवर्सिटीज़ एनरूट टू ग्लोरी - दूसरे सत्र में पूर्व भारतीय हॉकी गोलकीपर मीर रंजन नेगी ने अपने जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि 1982 के एशियाई खेलों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की हार उनके जीवन का सबसे कठिन दौर बन गई। इस हार के बाद उन्हें देशद्रोही तक कहा गया, घर पर पथराव हुआ और समाज ने बहिष्कार किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपने कठोर परिश्रम व समर्पण से वापसी की। बाद में वह भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच बने और फिर महिला हॉकी टीम को प्रशिक्षित किया, जिसने स्वर्ण पदक जीता। उनकी प्रेरणादायक यात्रा पर बॉलीवुड फिल्म चक दे इंडिया बनी, जिसमें हॉकी के दृश्य उन्हीं की देखरेख में फिल्माए गए थे। जब चक दे इंडिया रिलीज़ हुई, तो उनकी कहानी को फिर से सराहा गया। इस दौरान अपने दिवंगत बेटे को याद करते हुए उन्होंने कहा:

साथ छूट जाने से रिश्ते नहीं टूटा करते,
वक्त की धुंध में लम्हें टूटा नहीं करते।
कौन कहता है तेरा सपना टूट गया,
नींद टूटी है, सपना कभी नहीं टूटा करता।

मीर रंजन नेगी ने अभि फाउंडेशन की स्थापना की, जहाँ वह युवा खिलाड़ियों को अपने बच्चों की तरह प्रशिक्षित कर रहे हैं।

खेल प्रेमियों के लिए प्रेरणा बनीं ये कहानियाँ - भवानी देवी और मीर रंजन नेगी की कहानियाँ न केवल खेल प्रेमियों के लिए, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहता है। मौलि संवादः नेशनल स्पोर्ट्स कॉनक्लेव का यह आयोजन खेल और संघर्ष की कहानियों को सामने लाने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ।

रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा सोना, चांदी में मामूली कमजोरी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 87 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गया है, वहीं 22 कैरेट सोना भी 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंचा हुआ है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये से लेकर 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,810 रुपये से लेकर 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,120 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना भी 79,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा मोटर्स की कई कारों पर मिल रही शानदार छूट

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स चालू महीने अपनी कई गाड़ियों पर शानदार छूट दे रही है। टाटा अल्ट्रोज रेसर के एमवाय2024 मॉडल पर 1 लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है। इसमें 85,000 रुपये का कंज्यूमर डिस्काउंट और 15,000 रुपये का एक्सचेंज या स्क्रैपेज बोनस शामिल है। अल्ट्रोज रेसर की कीमत 9.50 लाख से 11 लाख रुपये के बीच है। इसके अलावा, कुछ डीलरों के पास अभी भी एमवाय2024 हैरियर और सफारी मॉडल्स का स्टॉक उपलब्ध है, जिन पर 75,000 रुपये तक का बेनेफिट दिया जा रहा है। जबकि एमवाय2025 मॉडल्स पर 50,000 रुपये तक की छूट मिल रही है। टाटा नेक्सॉन के एमवाय2024 मॉडल पर 45,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है, जिसमें कैश डिस्काउंट और एक्सचेंज या स्क्रैपेज बोनस शामिल हैं। वहीं, एमवाय2025 मॉडल्स पर केवल 15,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस मिल रहा है। नेक्सॉन सीएनजी की बात करें तो सिर्फ एमवाय2024 मॉडल पर 45,000 रुपये तक का डिस्काउंट मिल रहा है। अगर आप टाटा की कार खरीदने की सोच रहे हैं, तो यह आपके लिए बेहतरीन मौका हो सकता है। बता दें कि भारत में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है और इसकी कारों की डिमांड लगातार बढ़ रही है। अगर आप टाटा की नई कार खरीदने का प्लान कर रहे हैं, तो यह सही मौका हो सकता है।

रोजमर्रा की चीजों पर तेजी से कम हो रहा टैक्स, निर्मला सीतारमण ने संसद में कही ये बड़ी बातें

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र 2025 के दौरान वित्त मंत्री ने लोकसभा में बोलते हुए कहा कि बजट

को पेश करना पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है. उन्होंने ये भी कहा कि देश में मुद्रास्फीति का ट्रेंड धीमा होता दिख रहा है, खासतौर से खाद्य उत्पादों के मामले में इसके अलावा, तृणमूल कांग्रेस के सांसद नदीमुल हक के सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद से टैक्स की दरों में लगातार गिरावट देखी गई है उन्होंने राज्यसभा में बताया कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स लागू होने के बाद इनडायरेक्ट टैक्सेस में कमी आई है. उन्होंने कहा कि ओल्ड टैक्स सिस्टम के तहत औसत डायरेक्ट टैक्स दर 15.8 फीसदी थी, जो अब घटकर 11.3 फीसदी रह गई है. इसके अलावा उन्होंने कहा कि पहले रोजमर्रा की चीजों पर 15.8 फीसदी टैक्स लगता था, लेकिन अब यह घटकर 11.3 फीसदी रह गया है. काउंसिल द्वारा लगातार दरों में कटौती की जा रही है. उन्होंने यह भी साफ किया कि से जीएसटी किसी भी चीज पर टैक्स भार नहीं बढ़ा, बल्कि कई उत्पादों पर टैक्स दरें कम हुई हैं बजट में किसे कितना मिला केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा, सरकार आने वाले वर्ष (2025-26) में प्रभावी पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) के लिए अपनी 99 फीसदी उधारी का इस्तेमाल करने का इरादा रखती है. वर्ष 2025-26 में अलग-अलग क्षेत्रों के लिए बजटीय आवंटन इस प्रकार है- कृषि को 1.71 लाख करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास को 2.67 लाख करोड़ रुपये, शहरी विकास और परिवहन को 6.45 लाख करोड़ रुपये, स्वास्थ्य और शिक्षा को 2.27 लाख करोड़ रुपये और रक्षा (जिसमें रक्षा पेंशन शामिल नहीं है) को 4.92 लाख करोड़ रुपये दिए गए हैं।

ग्राहकों को शानदार डिस्काउंट ऑफर दे रही मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी कंपनी इस महीने ग्राहकों को शानदार डिस्काउंट ऑफर दे रही है। कंपनी अपनी एमवाय2024 इनवेंट्री क्लियर करने के लिए आकर्षक छूट दे रही है। खासतौर पर, मारुति की सबसे ज्यादा बिकने वाली हैचबैक स्विफ्ट और सेडान डिजायर पर बंपर डिस्काउंट मिल रहा है। मारुति स्विफ्ट के एमवाय2025 मॉडल के मैनुअल और सीएनजी वेरिएंट्स पर 55,000 रुपये तक की छूट दी जा रही है, जबकि एएमटी ट्रिम्स के लिए यह छूट 60,000 रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं, कुछ चुनिंदा डीलरशिप्स के पास एमवाय2024 मॉडल्स की इनवेंट्री अभी भी उपलब्ध है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के द्वारा उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स 167 अंक की तेजी के साथ 44,470 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 6,066.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक 185.79 अंक यानी 0.95 प्रतिशत उछल कर 19,709.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,431.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,767.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,006.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार काम किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 124.74 अंक यानी 0.57 प्रतिशत उछल कर 21,911.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक हरे निशान में बने हुए हैं। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण निक्केई इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,344.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,276.33 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.99 प्रतिशत उछल कर 2,546.26 अंक के स्तर पर आया हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,352 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट टाइम्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,858.80 के स्तर पर आ गया है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 108.85 अंक यानी 1.59 प्रतिशत टूट कर 6,542.24 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 126.25 अंक यानी 0.59 प्रतिशत फिसल कर 21,395.73 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.16 प्रतिशत लुढ़क कर 3,316.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार, लगातार पांचवें दिन सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन दबाव की स्थिति बनी रही। बाजार में 1.30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई। बाजार में मचे हाहाकार के कारण निवेशकों को एक दिन में ही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो गया। बाजार में लगातार जारी गिरावट के कारण पिछले 5 दिन में सेंसेक्स में करीब 2,300 अंक की गिरावट आ चुकी है। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.32 प्रतिशत और निफ्टी 1.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स में 1.12 प्रतिशत से लेकर 2.78 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 3.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 408.50 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 417.82 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 9.32 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,097 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 525 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,478 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,617 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

एसआईपी को लेकर आईसीआईसीआई प्रमुख निवेश अधिकारी के बयान से मची सेक्टर में हलचल

मुंबई, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत के दूसरे सबसे बड़े म्यूचुअल फंड हाउस के निवेश अधिकारी के बयान पर असेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने हाल में कहा कि मौजूदा समय में निवेशकों को स्मॉल कैप और मिडकैप म्यूचुअल फंडों में सिस्टमैटिक इंवस्टमेंट प्लान (एसआईपी) से बचना चाहिए। इसतरह के फंडों में अपने निवेश को भुनाने पर भी विचार करना चाहिए क्योंकि इनदिनों इनके वैल्यूएशन अधिक हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर निवेशक महंगे फंड्स में एसआईपी करते है, तब यह रणनीति उनके लिए घातक हो सकती है, खासकर यदि निवेश लंबे समय तक न किया जाए जो अधिकांश निवेशकों के लिए असामान्य है। स्मॉल कैप फंड्स वे म्यूचुअल फंड्स होते हैं, जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। इन कंपनियों का मार्केट कैप काफी कम होता है। हालांकि इन फंड्स से लंबे समय में अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बनी रहती है, लेकिन इसमें रिस्क भी अधिक होता है। बाद में निवेशक अधिकारी ने अपनी स्पीच को बाद में हटा लिया गया। उनके बयान को हटाने को लेकर दो तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोग कह रहे हैं कि ऐसा कंपनी के कॉम्प्लायंस अप्रूवल के अभाव में हुआ, जबकि कुछ का मानना है कि डिस्ट्रिब्यूटर लॉबी ने इस बयान को हटाने का दबाव डाला। दरअसल उन्होंने कहा कि अगर निवेशक गलत प्रॉडक्ट में गलत समय पर एसआईपी करते हैं, तब उन्हें नुकसान हो सकता है। उन्होंने स्मॉल और मिड कैप स्कीम्स में हो रहे निवेश पर चिंता जताकर कहा,अगर निवेशक महंगे शेयरों पर एसआईपी करते हैं, तब यह निवेश रणनीति उनके लिए घातक हो सकती है। दरअसल शेयर मार्केट में अनिश्चय का माहौल है और पांच महीने में बाजार करीब 12 प्रतिशत करेक्शन देख चुका है। उन्होंने उदाहरण दिए जब एसआईपी निवेशकों के लिए घाटे का सौदा साबित हुआ। वर्ष 1994-2002 और 2006-2013 के बीच मिड कैप में एसआईपी से निवेशकों को नुकसान हुआ था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विदेशी सिक्के...

पत्रकार भी प्रशांत भूषण के संगठन से प्रत्यक्ष तौर पर जुड़े हुए हैं।उल्लेखनीय है कि अगस्त 2024 में इसी जगह एक वर्कशॉप हुई थी जिसे उसी कुख्यात संस्था इंटरन्यूज की मदद से प्रायोजित किया गया। इंटरन्यूज को यूएसएड के अलावा अमेरिकी धनपशु और कुख्यात भारत विरोधी षडयंत्रकारी जोर्ज सोरोस की ओपन सोसायटी फाउंडेशन संस्था से भी भारी फंड मिलता है।यूएसएड ने इस इंटरन्यूज को करीब 472.6 मिलियन डॉलर (4106 करोड़ रुपए) दिए हैं और यही इंटरन्यूज भारत में डेडलीड्स के अंतर्गत चलने वाले फैक्ट शाला के साथ काम करता है, जिसके प्रमुख चेहरे द प्रिंट के शेखर गुप्ता, द क्विंट की ऋतु कपूर और बीटरूट न्यूज के फाय डिसूजा हैं। इन कनेक्शन्स से समझा जा सकता है कि कैसे भारत में फैक्ट चेकिंग और मीडिया लिटरेसी के नाम पर सूचनाओं को सेंसर करने में यूएसएड का पीछे से हाथ है। इतना ही नहीं इसी यूएसएड ने उस वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी सम्मेलन (आईएसीसी) को भी वित्त पोषित किया है जिसने साल 2022 में भारत विरोधी दिशा रवि को बोलने के लिए मंच दिया था। दिशा रवि वही हैं जिनका नाम 2021 में भारत विरोधी टूलकिट में आया था और दिल्ली पुलिस ने उन्हें पकड़ा था। आईसीसी की लिस्ट में एक संजय प्रधान भी थे जो ओपन गवर्नमेंट पार्टनरशिप (ओजीपी) के एंबेसडर हैं। यही ओजीपी उस वी-डेम इंस्टिट्यूट को फंड देते हैं जो बेबुनियाद डेटा देकर भारत विरोधी प्रोपगेंडा फैलाने का काम करता है।इंटरन्यूज और इकेलिटी लैब्स के बीच फंडिंग का कनेक्शन भी उजागर हुआ है। इकेलिटी लैब्स अपने आपको दलित नागरिक अधिकार संगठन के रूप में बताता है, लेकिन हकीकत में यह जातिगत रंगभेद, इस्लामोफोबिया और धार्मिक असहिष्णुता पर केंद्रित एजेंडे को बढ़ाने का काम करता है। इसी संस्था ने अन्य संगठनों के साथ मिलकर संयुक्त राज्य अमेरिका में जाति और दक्षिण एशियाई अमेरिकियों के बीच जाति का सर्वेक्षण नामक रिपोर्ट तैयार की थी। इसके अलावा जब सीईओ जैक डोर्सी ने ब्राह्मणवादी पितृसत्ता तोड़ो अभियान चलाया तब बाद में पता चला था कि उसे डिजाइन करने वाले असली सरगना इकेलिटी लैब्स के कार्यकारी निदेशक थेनमोझी सुंदरराजन थे।यूएसएड का प्रोपेगेंडा नेटवर्क अभी भी पूरी तरह उजागर नहीं है, ये किस संस्था को फंड देते थे, वो संस्था किससे जुड़ी थी, उस संस्था के लोग कैसे नैरेटिव बनाते थे और यूएसएड द्वारा दी धनराशि का प्रयोग किन कामों में होता था। इन सबका खुलासा अभी और भी होना बाकी है। दशकों से यूएसएड ने अमेरिकियों के पैसों का गलत इस्तेमाल किया है और अब धीरे-धीरे सबका पता चला रहा है।

विकास का...

लगातार काम कर रहा है। भारत के पास एआई तकनीक पर काम करने के लिए कुशल वर्क फोर्स भी मौजूद है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के अपने लॉर्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही अपना एलएलएम तैयार कर लेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मित्र फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में चल रहे एआई एक्शन शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। इस सम्मेलन में करीब 100 देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। प्रधानमंत्री का जोर समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार और मानव कल्याण के लिए एआई प्रौद्योगिकी के प्रति सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर है। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में आए प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत कई स्टार्ट-अप और तकनीक को विकसित करने पर जोर दे रहा है। रोबोटिक्स, हेल्थकेयर, ट्रांसलेशन में भारत के कई एआई स्टार्ट-अप काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा सतत विकास का लक्ष्य हासिल करने के लिए एआई मददगार होगा। सुरक्षा के दृष्टिकोण से एआई के खतरे, एआई नियंत्रण, एआई की सेवाएं, उसके फायदे के अलावा दुनिया के सभी देशों द्वारा एआई का समान रूप से उपयोग में लाए जाने को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि मशीन मानव की मास्टर नहीं हो सकती है। ऐसे में सभी को जिम्मेदारी समझनी होगी।प्रधानमंत्री मोदी ने एआई के लिए संचालन व्यवस्था और मानक स्थापित करने को लेकर सामूहिक वैश्विक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एआई पहले से ही हमारी अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रहा है। एआई इस सदी में मानवता के लिए कोड लिख रहा है। हम अभी एआई युग के शुरुआती दौर में ही हैं, जो मानवता के मार्ग को आकार देगा। प्रधानमंत्री ने कहा, संचालन व्यवस्था और मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता है, जो हमारे साझा मूल्यों को बनाए रखें, जोखिमों को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें। उन्होंने एआई की वजह से नौकरियां खत्म होने की आशंकाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण काम खत्म नहीं होता, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को कुशल बनाने और नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है।एआई एक्शन शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी कहा, मैं एक सरल प्रयोग से शुरू करता हूं। यदि आप अपनी मेडिकल रिपोर्ट किसी एआई ऐप पर अपलोड करते हैं तो यह सरल भाषा में बता सकता है कि इसका क्या मतलब है, लेकिन यदि आप उसी ऐप से किसी व्यक्ति की बाएं हाथ से लिखने की छवि बनाने के लिए कहते हैं तो सबसे अधिक संभावना है कि ऐप किसी व्यक्ति को उसके दाएं हाथ से लिखते हुए दिखाएगा, क्योंकि प्रशिक्षण डेटा में यही बात हावी है। यह दर्शाता है कि एआई की सकारात्मक क्षमता बिल्कुल अद्भुत है, इसमें कई पूर्वाग्रह हैं जिनके बारे में हमें सावधानी से सोचने की आवश्यकता है। इसीलिए मैं अपने मित्र राष्ट्रपति मैक्रों का इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने तथा मुझे इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के लिए आभारी हूं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमें ओपन सोर्स सिस्टम विकसित करना चाहिए, जो विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ाए। हमें पक्षपात रहित गुणवत्तापूर्ण डेटा सेंटर बनाने चाहिए, हमें प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण करना चाहिए और लोगों को केंद्रित करने वाले एप्लिकेशन बनाने चाहिए। हमें साइबर सुरक्षा, गलत सूचना और डीपफेक से संबंधित चिंताओं को दूर करना चाहिए। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रौद्योगिकी स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में निहित हो ताकि यह प्रभावी और उपयोगी हो।

अमेरिका ने ...

हमारा मानना है कि एआई हमें अधिक उत्पादक, अधिक समृद्ध और अधिक स्वतंत्र बनाएगा।जेडी वेंस ने कहा, ट्रंप प्रशासन एआई के लिए एक श्रमिक-समर्थक विकास पथ बनाए रखेगा। इसलिए यह अमेरिका में रोजगार सृजन के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। वेंस ने कहा कि ट्रंप प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका में विकसित एआई प्रणालियां वैचारिक पूर्वाग्रह से मुक्त हों और अमेरिका अपने नागरिकों के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को कभी प्रतिबंधित नहीं होने देगा।उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि तेजी से बढ़ते एआई उद्योग के अत्यधिक विनियमन के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे इस परिवर्तनकारी उद्योग के खत्म होने की आशंका है। वेंस के बयान के बाद ऐसा माना जा रहा है कि कृत्रिम मेधा के प्रति यूरोप के नियामक दृष्टिकोण को चुनौती मिल सकती है। शिखर सम्मेलन में विश्व के नेताओं, शीर्ष तकनीकी अधिकारियों और नीति निर्माताओं ने सुरक्षा, अर्थशास्त्र और शासन पर एआई के प्रभाव पर चर्चा की है। अमेरिका की ओर से जताए गए विरोध के बाद शिखर सम्मेलन में मतभेद खुले तौर पर सामने आ गए हैं। यूरोप विनियमन और निवेश करना चाहता है, चीन अपने सरकार समर्थित तकनीकी दिग्गजों के माध्यम से पहुंच का विस्तार कर रहा है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका इसमें हस्तक्षेप न करने वाला दृष्टिकोण अपना रहा है।वेंस ने सुझाव दिया है कि अगर यूरोपीय सरकारें एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिबंध लगाती हैं तो अमेरिका को अपनी नाटो प्रतिबद्धताओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। उनकी पेरिस यात्रा में यूक्रेन, वैश्विक शक्ति परिवर्तन में एआई की भूमिका और अमेरिका-चीन तनाव पर भी खुलकर चर्चा होने की उम्मीद है। इससे पहले चीन के अधिकारियों ने सोमवार को एआई उपकरणों तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के पश्चिमी प्रयासों की निंदा की थी। जबकि चीनी कंपनी डीपसीक के नए एआई चैटबॉट को लेकर अमेरिकी कांग्रेस में सुरक्षा चिंताओं के कारण इसके उपयोग को सीमित करने का आह्वान किया है। वेंस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी अलग-अलग मुलाकात करेंगे।

डिजिटल...

और एक लाख ग्राम पंचायत वाई-फाई हॉटस्पॉट से युक्त हैं। पिछले दस वर्षों में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या साढ़े चार गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में यूपीआई के द्वारा कुल 17, 221 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 246 लाख करोड़ लेन-देन हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में पूरी दुनिया में हुए डिजिटल लेन-देन में 48 प्रतिशत लेन-देन भारत में हुए। शाह ने कहा कि स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के मामले में भी भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बना। वर्ष 2023 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में डिजिटल इकॉनमी का योगदान करीब 32 लाख करोड़ रुपए यानी 12 प्रतिशत रहा और करीब 15 मिलियन रोजगार का सृजन हुआ।अमित शाह ने कहा कि आज भारत दुनिया में डिजिटल परिदृश्य में तीसरे नंबर का देश बन चुका है। भारत की अर्थव्यवस्था का कुल 20 प्रतिशत हिस्सा डिजिटल अर्थव्यवस्था में योगदान करता है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय का लक्ष्य है कि साइबर अपराध के मामलों में एक भी एफआईआर दर्ज होने की नौबत नहीं आए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, साइबर अपराध से निपटने के लिए हमने चार प्रकार की रणनीति अपनाई है जिसमें कन्वर्जेंस, कोऑर्डिनेशन, कम्युनिकेशन और कैपेसिटी शामिल हैं। इन चारों में निश्चित लक्ष्य और व्यूह रचना के साथ काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतर-मंत्रालयी और गृह मंत्रालय में अंतर-विभागीय समन्वय को बढाया गया है, जिससे सीमलेस कम्युनिकेशन और सूचना की धारा प्रवाह प्राप्ति को सुनिश्चित किया जा रहा है। अमित शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय, सीईआरटी-आईएल, ख4सी, टेलिकॉम और बैंकिंग जैसे विभागों के बीच टेक्नोलॉजी और बैठकों के माध्यम से संवाद की स्वस्थ परंपरा शुरू की गई है।केंद्रीय गृह मंत्री ने साइबर अपराध रोकने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए समिति के सभी सदस्यों से ख4सी की हेल्पलाइन 1930 का प्रचार करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि साइबर वित्तीय धोखाधड़ी को देखते हुए, 1930 हेल्पलाइन नंबर कार्ड ब्लाक करने जैसे कई सुविधाओं का वन पॉइंट सलूशन प्रदान करता है। अमित शाह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग और रिजर्व बैंक तथा अन्य सभी बेंक के साथ समन्वय से म्यूल अकाउंट्स की पहचान की व्यवस्था बनाने के लिए प्रयास जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि म्यूल अकाउंट को ऑपरेट होने से पहले ही बंद करने की व्यवस्था भी की जाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के रुकें, सोचें और फिर कार्रवाई करें के मंत्र के बारे में जानकारी देकर उन्हे साइबर अपराधों के प्रति सतर्क किया जा सके।गृह मंत्री ने कहा कि ख4सी पोर्टल पर 1 लाख 43 हजार एफआईआर दर्ज की गई है और 19 करोड़ से अधिक लोगों ने इस पोर्टल का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से 805 ऐप्स और 3266 वेबसाइट-लिंक को ख4उ की सिफारिश पर ब्लॉक किया गया है। 399 बैंक और वित्तीय मध्यस्थ ऑनबोर्ड हो चुके हैं। साथ ही 6 लाख से अधिक संदिग्ध डेटा साझा किया गया, 19 लाख से अधिक म्यूल खाते पकड़े गए और 2038 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेनदेन रोके गए।अमित शाह ने कहा कि 33 राज्यों तथा केंद्र-शासित प्रदेशों में साइबर क्राइम फॉरेंसिक ट्रेनिंग लैब की स्थापना की गई है। सीवाईट्रेन नामक मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स प्लेटफॉर्म पर 101561 पुलिस अधिकारियों का पंजीकरण हुआ है और 78 हजार से अधिक प्रमाण-पत्र जारी किए गए है।

ईवीएम का...

सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग ईवीमए के बर्न किए गए माइक्रो कंट्रोलर मेमोरी की जांच करवाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि ईवीएएन में किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं हुई। मामले पर अगली सुनवाई तीन मार्च से शुरू होगी।

फाल्गुन माह कल से आरंभ

● व्रत-त्योहार और शुभ मुहूर्त वाला महीना होता है फाल्गुन ● हिन्दू पंचांग का आख़िरी महीना होता है फाल्गुन

हिन्दू पंचांग के अनुसार, साल का आख़िरी महीना होता है। 13 फरवरी से शुरु हो जाएगा और 14 मार्च तक रहने वाला है। आमतौर पर यह महीना आनंद और उल्लास का महीना माना जाता है। इस महीने से ग्रीष्म ऋतु यानी गर्मियों के मौसम की शुरुआत होने लगती है। मान्यता है कि बसंत ऋतु होने की वजह से इस महीने में लोगों के प्रेम संबंधों एवं व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होने लगता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की इस वर्ष गुरुवार 13 फरवरी 2025 से शुरुआत होगी। वहीं शुक्रवार 14 मार्च 2025 तक रहेगा। यह महीना विशेष रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। फाल्गुन मास को समाप्त होने के बाद हिंदी नव वर्ष की शुरुआत होती है। इस मास में मां लक्ष्मी, भगवान शिव, श्रीकृष्ण और चंद्रदेव की पूजा की जाती है। इसलिए यह महीना भक्ति, साधना और पुण्य कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है।

फरवरी में माघ और फाल्गुन

खास बात ये है कि फरवरी में हिंदी कैलेंडर के मुताबिक 12 फरवरी तक माघ मास रहेगा। इस तिथि तक आने वाले तीज-त्योहार माघ माह की परंपरानुसार होंगे, जबकि 13 तारीख से फाल्गुन महीना शुरू हो जाएगा। इसके बाद के त्योहारों में तिल के बजाय मेवा और मिठाइयों का भोग लगेगा और मंदिरों में भगवान का श्रृंगार भी बदल जाएगा। इस महीने तीर्थ स्नान और अन्य परंपराओं में भी बदलाव होने लगेगा।

शिवलिंग पर जल चढ़ाएं

इस माह के दौरान सफ़ेद वस्तुओं का दान करना बेहद शुभ माना गया है। आप सफेद फूल, दही, शंख, चीनी, चावल, सफेद चंदन, सफेद कपड़े आदि का दान कर सकते हैं। इस महीने प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान शिव के लिए व्रत रखें। इस माह की पूर्णिमा तिथि को चंद्र देव के दर्शन करते हुए चंद्रमा के मंत्रों का उच्चारण करें। ये महीने शिव को विशेष प्रिय होता है। इसलिए प्रतिदिन शिवलिंग पर जल चढ़ाएं।

फाल्गुन मास में करें ये शुभ काम

इस माह में भगवान शिव का रुद्राभिषेक और श्रीकृष्ण के भजन-कीर्तन करने से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। फाल्गुन मास में अन्न, वस्त्र, गुड़, चावल और तिल का दान करने से विशेष लाभ मिलता है। इसके साथ ही यह महीना साधना और संयम के लिए बहुत शुभ होता है। इसलिए सात्विक भोजन और ध्यान करना लाभकारी होता है। रंगों का यह त्योहार प्रेम और सौहार्द बढ़ाने का संदेश देता है, इसलिए इसे हर्षोल्लास से मनाना चाहिए। फाल्गुन मास आध्यात्मिकता, धार्मिक अनुष्ठानों और उत्सवों से परिपूर्ण होता है। इस माह में भक्तिभाव से पूजा-पाठ और दान करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। यह महीना नई ऊर्जा और सकारात्मकता से भरपूर होता है, जो जीवन में खुशहाली लाने का संदेश देता है।

महाशिवरात्रि

फाल्गुन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस दिन व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इस वर्ष महाशिवरात्रि 26 फरवरी, दिन बुधवार को पड़ रही है।

होलाष्टक

होली के ठीक 8 दिन पहले होलाष्टक आरंभ होते हैं और होलिका दहन तक रहते है। यहां ध्यान देने की बात यह है कि इन आठ दिनों के दौरान किसी भी तरह का शुभ कार्य करना वर्जित माना जाता है। इस बार फाल्गुन महीने में होलाष्टक 7 मार्च से शुरू होकर 14 मार्च तक चलेंगे।

होलिका दहन

13 मार्च यानि फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को व्रतादि की पूर्णिमा और होलिका दहन भी किया जाएगा।

होली

फाल्गुन महीने के आखिरी दिन यानि 14 मार्च शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को स्नान-दान की पूर्णिमा मनाई जाएगी और आपसी सौहार्द का त्यौहार होली भी मनाई जाएगी यानि रंगों से होली खेली जाएगी।

फाल्गुन में त्योहार

16 फरवरी 2025 - द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी

20 फरवरी 2025 - शबरी जयंती

21 फरवरी 2025 - जानकी जयंती

24 फरवरी 2025 - विजया एकादशी

25 फरवरी 2025 - प्रदोष व्रत

26 फरवरी 2025 - महाशिवरात्रि

27 फरवरी 2025 - फाल्गुन अमावस्या

1 मार्च 2025 - फुलैरा दूज, रामकृष्ण जयंती

3 मार्च 2025 - विनायक चतुर्थी

10 मार्च 2025 - आमलकी एकादशी

11 मार्च 2025 - प्रदोष व्रत

13 मार्च 2025 - होलिका दहन, फाल्गुन पूर्णिमा व्रत

14 मार्च 2025 - होली, मीन संक्रांति, चंद्र ग्रहण

विवाह शुभ मुहूर्त

फरवरी: 13, 14, 15, 18, 19, 20, 21, 25

मार्च: 3, 5, 6, 7, 11, 12, 13,

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

फाल्गुन महीने में 3 ग्रह करेंगे राशि परिवर्तन

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, फाल्गुन का महीना कई राशि के जातकों के लिए उत्तम रहने वाला है। इस महीने में कई बड़े ग्रह राशि अपनी चाल बदलेंगे। शुभ ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। उनकी बिगड़ी किस्मत बन जाएगी। ज्योतिषियों की मानें तो फाल्गुन महीने में बुध देव राशि परिवर्तन करेंगे। इसके साथ ही सूर्य देव भी अपनी स्थिति बदलेंगे।

बुध गोचर 2025

ग्रहों के राजकुमार बुध ग्रह 27 फरवरी को कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। यह गोचर देर रात 11 बजकर 42 मिनट पर होगा। इस राशि में बुध देव 06 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन बुध देव राशि परिवर्तन करेंगे। बुध देव 07 मई को मेष राशि में गोचर करेंगे।

सूर्य राशि परिवर्तन 2025

ग्रहों के राजा सूर्य देव 14 मार्च को कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। इस शुभ अवसर पर मीन संक्रांति मनाई जाएगी। साथ ही खरमास शुरू हो जाएगा। खरमास के दौरान मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। सूर्य देव की कृपा से कई राशि के जातकों को रोजगार में सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

शुक्र गोचर 2025

शुक्र ग्रह फरवरी फाल्गुन महीने में मीन राशि में ही विराजमान रहेंगे। इस राशि में शुक्र देव 30 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन शुक्र देव मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। शुक्र देव की कृपा के चलते कई राशि के जातकों को सच्चा प्यार मिल सकता है। साथ ही सुखों में वृद्धि होगी।

ग्रह स्थिति

न्याय के देवता शनिदेव 27 फरवरी को शाम 07 बजकर 06 मिनट पर अस्त होंगे। इसके अलावा, वृषभ राशि में देवगुरु बृहस्पति रहेंगे। न्याय के देवता शनिदेव कुंभ राशि में हैं। राहु और केतु मीन और कन्या में विराजमान हैं। मंगल देव भी गुरु की राशि कर्क में विराजमान रहेंगे। वहीं, चंद्र देव नियमित रूप से राशि परिवर्तन करेंगे।

माघी पूर्णिमा पर कर लिया जाए ये काम, तो पितृ दोष से मिल जाएगी राहत

माना जाता है कि पितृ दोष लगने पर व्यक्ति को अपने जीवन में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं पूर्णिमा को पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए एक उत्तम तिथि माना है। 12 फरवरी को मनाई जा रही माघी पूर्णिमा पर आप पितृ दोष से राहत पाने के लिए कौन-से उपाय कर सकते हैं।

कौन-सी है पितरों की दिशा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है। ऐसे में पूर्णिमा के दिन पितरों को याद करते हुए इस दिशा में सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इसी के साथ मिट्टी के दीपक में तेल डालकर बाती जलाएं और छत पर दक्षिण दिशा में रख दें। इसके साथ ही पितरों का ध्यान करते हुए अपनी गलतियों के लिए क्षमा याचना करें। इन उपायों को करने से पितृ दोष से छुटकारा पाया जा सकता है।

मिलेगी पितृ दोष से निजात

पीपल के पेड़ में भी पितरों का वास माना गया है। ऐसे में आप पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ में जल चढ़ा सकते हैं। जल चढ़ाने के बाद पेड़ की सात बार परिक्रमा करें। इसी के साथ पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का तेल में काले तिल डालकर दीप जलाएं और छायादान करें। इससे आपको पितृ दोष से राहत मिल सकती है।

पितरों की कृपा प्राप्ति के मंत्र

ॐ श्री पितराय नमः

ॐ श्री पितृदेवाय नमः

ॐ श्री पितृभ्यः नमः

ॐ श्री सर्व पितृ देवताभ्यो नमो नमः

ॐ पितृभ्यः स्वधायिभ्यः पितृगणाय च नमः

ॐ श्राध्दाय स्वधा नमः

ॐ नमः शिवाय

ॐ श्रीं सर्व पितृ दोष निवारणाय क्लेशं हं हं सुख शांतिम् देहि फट् स्वाहा

ॐ पितृदेवताभ्यो नमः

ॐ पितृ गणाय विद्महे जगत धारिणे धीमहि तन्नो पित्रो प्रचोदयात्

बिजनेस में कामयाबी के लिए फरवरी 2025 में सर्वार्थ सिद्धि योग!

सर्वार्थ सिद्धि योग, जैसा कि नाम है, किसी भी कार्य की सिद्धि के लिए, सफलता के लिए श्रेष्ठ समय है, यह योग दिन, नक्षत्र विशेष के संयोग से बनता है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कार्य सफल होते हैं और व्यक्ति को सुख, समृद्धि, धन, यश, सेहत मिलती है। सर्वार्थ सिद्धि योग में कोई भी नया काम शुरू करना बहुत शुभ माना जाता है, यही नहीं, इसमें गाड़ी, बंगला आदि खरीदना भी शुभ माना जाता है, क्योंकि.... इस योग में किए गए कार्य पूरे होते हैं और शुभ फलदायक होते हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग में खासकर सोमवार, शुक्रवार को वस्त्र, आभूषण आदि खरीदना बहुत शुभ माना जाता है, तो मंगलवार को ज़मीन, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि खरीदना शुभ माना जाता है!

फरवरी माह में सर्वार्थ सिद्धि योग इस प्रकार हैं...।

10 फरवरी 2025, सोमवार, 18:01 से 07:08, 11 फरवरी 2025

11 फरवरी 2025, मंगलवार, 18:34 से 07:07, 12 फरवरी 2025

16 फरवरी 2025, रविवार, 07:04 से 04:31, 17 फरवरी 2025

20 फरवरी 2025, बृहस्पतिवार, 13:30 से 07:01, 21 फरवरी 2025

21 फरवरी 2025, शुक्रवार, 07:01 से 15:54

23 फरवरी 2025, रविवार, 06:59 से 18:42

अगर आप में भी हैं कुछ आदतें, तो आज ही बदलाव करने की है जरूरत

आचार्य चाणक्य को अर्थशास्त्र और नीतिशास्त्र के जनक के रूप में जाना जाता है। उनके द्वारा लिखी गई चाणक्य नीति भी काफी लोकप्रिय है, जिसे लोग आज भी अपनाते हैं। उन्होंने अपने इस नीति ग्रंथ में मनुष्य के जीवन को सरल और सफल बनाने के लिए कई सलाह दी है। ऐसे में अगर आप अपने जीवन में इन बातों को उतारते हैं, तो इससे आपके लिए सफलता के मार्ग खुलने लगते हैं।

बनी रहती है पैसों की किल्लत

चाणक्य नीति के अनुसार, जो व्यक्ति साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखता या गंदगी में रहना पसंद करता है। ऐसे व्यक्ति पर मां लक्ष्मी कभी मेहरबान नहीं

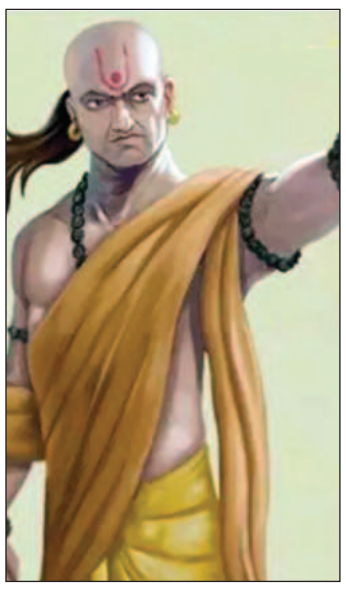

होती। क्योंकि मां लक्ष्मी केवल वहीं वास करती हैं, जहां साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाए। इसलिए जितना जल्दी हो सके अपनी इस आदत में बदलाव कर लें, वरना आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

बदलें ये आदत

आचार्य चाणक्य जी का मानना है कि, जिस व्यक्ति का पूरा ध्यान केवल खाने पर रहता है, यानी जो व्यक्ति भुक्खड़ प्रवृत्ति का होता है, वह भी जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाता। इसी के साथ अगर कोई व्यक्ति सूर्योदय पहले अपने बिस्तर से नहीं उठता या जिसे लेट तक सोने की आदत होती है, उस व्यक्ति के पास भी धन नहीं टिकता। इसलिए अपनी इन आदतों को आज ही बदल डालें।

इन चीजों में न करें शर्म

आचार्य चाणक्य ने बताया है कि व्यक्ति को किन जगहों पर अपनी शर्म छोड़ देनी चाहिए। सही होने पर खुलकर अपनी बात कहने में शर्म नहीं करनी चाहिए। इसी के साथ भोजन करते समय भी शर्म नहीं चाहिए, वरना व्यक्ति भूखा ही रह जाता है। ऐसे में व्यक्ति की यह आदत भी उसकी सेहत के लिए समस्या खड़ी कर सकती है। वहीं कुछ लोग किसी से अपना ही पैसा मांगने में झिझकते हैं। यह आदत भी आपके लिए आर्थिक समस्या खड़ी कर सकती है।

मंगल दोष के कारण असफल वैवाहिक जीवन सहित अनेक बाधाएं आती हैं, ये है राहत के उपाय...

जिन व्यक्तियों की जन्म कुंडली में लग्न/चंद्र से 1, 4 ,7 और 12वें भाव में यदि मंगल ग्रह स्थित हो तो कुंडली में मंगल दोष का निर्माण होता है। इस दोष के चलते व्यक्ति को असफल वैवाहिक जीवन सहित कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मंगल दोष का प्रभाव जन्म कुंडली में मंगल के कारकत्व के सापेक्ष कम-ज्यादा होता है, मंगल दोष से राहत के लिए ये उपाय हैं। प्रमुख रूप से मंगल दोष जन्म लग्न के सापेक्ष देखा जाता है जो संपूर्ण जीवन को प्रभावित करता है, लेकिन चन्द्र कुंडली से मंगल दोष होने पर आध्यात्मिक सुख का अभाव रहता है तो शुक्र कुंडली में मंगल दोष से जीवन में भौतिक सुख का अभाव रहता है। मंगल दोष निवारण के लिए उज्जैन में प्रसिद्ध मंगलनाथ मंदिर है, जिसमें श्रद्धालु मंगलदेव के शुभ आशीर्वाद हेतु, मंगल दोष मुक्ति हेतु पूजा-अर्चना करते हैं।

शिव स्वरूप में मंगल- भूमि प्राप्ति, धन प्राप्ति, संतान प्राप्ति, शीघ्र विवाह, कर्ज मुक्ति सहित एक्कीस विभागों के अधिपति हैं, इसलिए यहां विधिपूर्वक पूजन से इन क्षेत्रों में आ रही बाधाएं समाप्त होती हैं, जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता प्राप्त होती है। मंगल दोष शांति के पूर्ण विधान में गणेशांबिका एवं शिवपूजन, षोडशमातिका एवं सप्तघृतमातृका पूजन, ब्राह्मण वरण, अग्नि पूजन, नवग्रह एवं रूद्रास्थापना पूजन, पुण्याह वाचन पूजन, पितरों का नांदी श्राद्ध पूजन, मंगल ग्रह का भात पूजन एवं मंगल दोष हवन होता है।

देवी त्रिपुरा के नौ रूप हैं, जिनकी नवरात्रि में आराधना की जाती है। देवी का द्वितीय स्वरूप- देवी ब्रह्मचारिणी हैं, जिनकी हर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर पूजा-अर्चना की जाती है। क्योंकि, देवी ब्रह्मचारिणी ने शिवजी के लिए केवल फल-फूल-पत्ते खाकर घोर तपस्या की थी, इसलिए जो श्रद्धालु तपस्या में मनोबल बनाए रखना चाहते हैं, वे देवी ब्रह्मचारिणी की आराधना करें। त्रिपुरा सुंदरी के प्रमुख उपासक रहे दिवंगत पंडित लक्ष्मीनारायण द्विवेदी मंगल दोष निवारण के लिए देवी

त्रिपुरा के ब्रह्मचारिणी स्वरूप की पूजा, व्रत और आराधना की सलाह देते थे।

देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना से मंगल ग्रह की अनुकूलता प्राप्त होती है, इसलिए जिनकी कुंडली में मंगल दोष है, जिनकी राशि मेष या वृश्चिक है, उन्हें उदयपुर संभाग के तलवाड़ा, बांसवाड़ा स्थित देवी त्रिपुरा की आराधना से संपूर्ण सुख की प्राप्ति होती है। भूमि प्राप्ति, ऋण मुक्ति, रक्त रोग मुक्ति और पदोन्नति के लिए देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना करें. जिन श्रद्धालुओं के रक्त संबंधियों से मतभेद हों वे संकल्प लेकर देवी ब्रह्मचारिणी की आराधना करें, विवाद से राहत मिलेगी। देवी ब्रह्मचारिणी के दाहिने हाथ में जप की माला एवं बाएं हाथ में कमंडल रहता है।

इस अवसर पर ऐसी कन्याओं का पूजन किया जाता है जिनकी सगाई हो गई है, लेकिन शुभ-विवाह नहीं हुआ है। मनोकामना पूर्ण करने के लिए संकल्प लेकर हर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को व्रत करें और देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना करें। व्यक्ति की जन्म कुंडली में लग्न के सापेक्ष मंगल ग्रह की उपस्थिति आदि के कारण यदि मंगल दोष है, मंगल अकारक है तो मंगलवार को मंगल से संबंधित वस्तुओं का दान करें, अशुभ प्रभाव कमजोर होगा।

वैसे मंगल दोष, अकारक मंगल की जानकारी ज्योतिषीय गणना से संभव है, जो कोई जानकार ज्योतिषी बता सकता है लेकिन इसके अलावा कई ऐसे संकेत भी है जिनसे व्यक्ति स्वयं मंगल का कारकत्व जान सकता है। जिनका मंगल अकारक होता है उन्हें भाई और रक्त संबंधियों का आवश्यक सहयोग नहीं मिलता है। जिनका मंगल अकारक होता है उन्हें जमीन प्राप्त करने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और अक्सर जमीन हाथ से निकल जाती है।

जिनका मंगल अकारक होता है उन्हें अक्सर रक्तदोष से संबंधित रोगों की शिकायत रहती है। जिनका मंगल अकारक होता है वे अक्सर ऋणग्रस्त रहते हैं तथा जमा पूंजी अचानक निकल जाती है. जिनका मंगल अकारक होता है, जन्म पत्रिका में मंगल जिस भाव में होता है उस भाव के सुख को नष्ट कर देता है। मंगल अकारक होने पर श्रीगणेश, श्रीराम और महावीर हनुमान की पूजा करें।

मंगल अकारक होने पर मंगलवार को रक्त संबंधियों को तांबे के पात्र, गुड़, स्वर्ण, लाल रंग की वस्तुएं, बिजली का सामान, मसूर की दाल आदि भेंट करें। नियमित रक्तदान से भी मंगल दोष में राहत मिलती है। ऐसी ज्योतिर्धारणा है कि अगर एक मांगलिक व्यक्ति दूसरे मांगलिक व्यक्ति से विवाह करता है, तो मंगल दोष दूर हो जाता है।

कुंभ विवाह, विष्णु विवाह, अश्वत्थ विवाह- अर्थात....वृक्ष से विधिवत विवाह कराकर मंगल दोष से राहत प्राप्त कर सकते हैं। इनके अलावा लाल किताब के भी- चिड़ियाओं को मीठा खिलाना, घर पर हाथी-दांत रखना, बरगद के पेड़ की मीठे दूध से पूजा आदि उपाय भी किए जाते हैं!

सुनील दत्त के कारण मिला बॉलीवुड को मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर

उनकी गोल आंखों में हंसी के रंग के इतने शेड्स छुपे हुए हैं जिसको फिल्म जगत आज भी परत दर परत निकालने में व्यस्त हैं। हंसाने के अंदाज इतने दिलकश की मानों उदास चेहरे के लिए वो दवा हो। जॉनी लीवर का अंदाज बेहद ही निराला है। लगभग तीन सौ से ऊपर फिल्म करने वाले जॉनी लीवर ने वैसे तो 1981 में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत कर दी थी लेकिन सफलता की सीढ़ी चढ़ने में उन्हें छह साल और लग गए। ये महज इत्तेफाक था कि मशहूर कामेडियन जॉनी वॉकर के करियर में फिल्म प्यासा के गाने 'सर जो तेरा चकराए' से उनको जो शोहरत मिली थी कुछ वैसा ही जॉनी लीवर के साथ हुआ। 1978 में रिलीज हुई फिल्म जलवा जिसमें नसीरुद्दीन शाह एक जुदा अंदाज में नजए आए थे, जलवा ने जॉनी को एक नई पहचान दी थी और इस फिल्म में जॉनी ने एक दक्षिण भारतीय मालिश वाले की भूमिका अदा की थी। जॉन प्रकाश राव उर्फ जॉनी लीवर हिंदी सिनेमा में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए प्रसिद्ध हैं। जॉनी लीवर भारत के पहले स्टैंड कॉमेडियन हैं। उन्हें अब तक 13 बार फिल्मफेयर अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ के निर्माताओं ने फिल्म का पहला मोशन पोस्टर जारी किया

आगामी पीरियड ड्रामा, केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ के निर्माता कनु चौहान ने मुख्य अभिनेता सूरज पंचोली की विशेषता वाला पहला मोशन पोस्टर जारी किया। वह इस धमाकेदार एक्शन फिल्म में वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में हैं, जो एक गुमनाम योद्धा है।

प्रिंस धीमान द्वारा निर्देशित, केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ 14वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान गुजरात में प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए लड़ने वाले और अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर योद्धाओं की कहानी बताती है। मोशन पोस्टर ने फिल्म की रिलीज के लिए माहौल तैयार कर दिया है, जिससे दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है और वे टीजर देखने और सूरज पंचोली को पहले कभी न देखे गए अवतार में देखने के लिए उत्सुक हैं। इसमें सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और आकांक्षा शर्मा भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन प्रिंस धीमान ने किया है और इसका निर्माण कनु चौहान ने चौहान स्टूडियो के तहत किया है। यह 14 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नागा चैतन्य–साई पल्लवी की लव स्टोरी ने दुनियाभर में मचाया धूम

थंडेल की तीसरे दिन की कमाई ने तोड़ा रिकॉर्ड

नागा चैतन्य और साई पल्लवी की स्टारर थंडेल 7 फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई, इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज किया गया। फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आ रही है वहीं यह घरेलू कलेक्शन के साथ ही दुनियाभर में जबरदस्त कमाई कर रही है। थंडेल में नागा मछुआरे के ग्रुप के लीडर होते हैं और मछली पकडऩे के दौरान कुछ मछुआरों के साथ वे पाकिस्तान के जलक्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं। अपने 3 महीने की छुट्टी में वे ज्यादातर टाइम उनकी गर्लफ्रेंड साई पल्लवी के साथ बिताते हैं। फिल्म की कहानी प्यार, बदला, साहस, देशभक्ति की भावना से भरपूर है और इस अनोखी लव स्टोरी को दुनियाभर के दर्शक खूब प्यार दे रहे हैं। थंडेल के मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर किया है। बता दें थंडेल ने दुनियाभर में तीन दिन में 62.37 करोड़ का कलेक्शन किया है जो कि शानदार है। अजित कुमार की विदामुयार्ची से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद फिल्म ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

इसके साथ ही थंडेल नागा चैतन्य की सबसे तेज 60 करोड़ कमाने वाली फिल्म भी बन गई है।थंडेल 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और 11.5 करोड़ के साथ जबरदस्त ओपनिंग की। फिल्म ने पहले दिन तेलुगु में सबसे ज्यादा 11.3 करोड़, हिंदी में 0.12 करोड़ और तमिल में 0.08 करोड़ की कमाई की। दूसरे दिन फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 12.1 करोड़ कमाए। वहीं तीसरे दिन की कमाई की बात करों तो फिल्म ने 5.22त्न ग्रोथ के साथ 12.25 करोड़ की कमाई की। तरह फिल्म का तीन दिनों का टोटल घरेलू कलेक्शन 35.85 करोड़ रहा।साई पल्लवी और नागा चैतन्य ने इससे पहले 2021 में लव स्टोरी में कोलेब किया था। साई और नागा के अलावा फिल्म में प्रकाश बेलावाड़ी, दिव्या पिल्लई, राव रमेश, करुणाकरण, बबलू पृथ्वीराज और किशोर राजू वशिष्ठ जैसे कलाकारों ने खास रोल प्ले किया है।

शबाना आजमी को शुरुआती दिनों में अभिनेता रोमेश शर्मा से मिली थी फटकार

अनुभवी अदाकारा शबाना आजमी ने कहा कि अभिनेता एवं फिल्म निर्माता रोमेश शर्मा ने उन्हें शोबिज में उनके शुरुआती दिनों में बुरी तरह फटकारा था। अभिनेत्री ने रोमेश शर्मा के साथ 1974 में आई फिल्म 'परिणय' में साथ काम किया था।शबाना और रोमेश प्रतिष्ठित भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के पूर्व छात्र हैं।अभिनेत्री ने शनिवार को ट्विटर पर रोमेश के 70 वें जन्मदिन की पार्टी की कुछ तस्वीरें साझा कीं।

एक तस्वीर में रोमेश के अलावा शबाना और उनके पति जावेद अख्तर, मेगास्टार अमिताभ बच्चन और उनकी पत्नी जया बच्चन और संगीतकार अमजद अली खान दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने शीर्षक में लिखा, ''रोमेश शर्मा के 70 वें जन्मदिन के जश्न में। निजी, सादगी भरा जश्र। सभी ने अच्छे समय का आनंद उठाया।'' एक अन्य तस्वीर में शबाना और रोमेश के साथ जया बच्चन और अभिनेता डैनी डेंजोंगपा को देखा जा सकता है।

दुलहनिया बीड़ीवाली शो में नजर आएंगी पौलमी दास

बिग बॉस ओटीटी 3 की पूर्व प्रतियोगी पौलमी दास 'दुलहनिया बीड़ीवाली' शो में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। शो में अभिनेत्री के किरदार का नाम 'चंपा' है। 'दुलहनिया बीड़ीवाली' की कहानी निशा नामक एक नवविवाहिता की है, जो अपने पति रोहन के साथ अपने पैतृक गांव जाती है, जहां उसे चंपा (पौलमी) की किंवदंती से जुड़े एक अभिशाप का पता चलता है। गांव में रिवाज रहता है कि इस भय से बचने के लिए हर आदमी को दुल्हन की पोशाक पहननी पड़ेगी। हालांकि, रोहन ऐसा करने से इंकार कर देता है। इसके बाद कहानी में से कई रहस्य सामने आने लगते हैं, जिसे लेकर गांव में भय व्याप्त हो जाता है। निशा का अतीत उसके सामने आकर खड़ा हो जाता है। इसके बाद वह रोहन की रक्षा करने और अभिशाप को तोड़ने के लिए लड़ाई लड़ती है।'दुलहनिया बीड़ीवाली' में ड्रामा रहस्य, परंपरा और अलौकिक तत्वों का मिश्रण है। अभिनेत्री पिछली बार एएलटीटी के शो 'नागवधू– एक जहरीली कहानी' में नजर आई थीं। अभिनेत्री इंडियाज नेक्स्ट टॉप मॉडल में एक प्रतियोगी के तौर पर भाग ले चुकी हैं। साल 2016 में वह 'सुहानी सी एक लड़की' में भी काम कर चुकी हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम 'बेबी' रहता है। अभिनेत्री को 'दिलही तो है' में 'अनन्या पुरी' नामक किरदार के रूप में लिया गया था। साल 2020 में उन्हें 'कार्तिक पूर्णिमा' में 'पूर्णिमा' की मुख्य भूमिका में लिया गया।

किरण राव की फिल्म लापता लेडीज में अपने किरदार फूल से लोगों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री नितांशी गोयल को आईफा में सर्वश्रेष्ठ मुख्य भूमिका (महिला) पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया है। अभिनेत्री का मानना है कि आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ, यामी गौतम और श्रद्धा कपूर जैसे नामों के साथ नॉमिनेट होना सपना सच होने जैसा है।नितांशी ने कहा, यह नॉमिनेशन मेरी कल्पना से परे है। मैं इस सम्मान के लिए जूरी की वास्तव में आभारी हूं और ऐसे अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ लिस्ट में शामिल किए जाने पर सम्मानित महसूस कर रही हूं, जिन्हें मैं वर्षों से देखती आई हूं।अभिनेत्री ने कहा, किसी भी चीज से ज्यादा मैं दर्शकों से मिले प्यार और प्रोत्साहन के लिए बहुत आभारी हूं। हर संदेश और हर बार जब कोई मुझे पहचानता है, यह सब मेरे लिए बहुत मायने रखता है।उन्होंने कहा, आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ, श्रद्धा कपूर और यामी गौतम के साथ नॉमिनेट होना पहले से ही एक सपना सच होने जैसा है और मैं इस पल के लिए यूनिवर्स के प्रति अपना आभार व्यक्त कर सकती हूं।किरण राव के निर्देशन में बनी लापता लेडीज को पिछले साल, ऑस्कर 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में चुना गया और प्रस्तुत किया गया था।लापता लेडीज दो दुल्हनों की ताकत की कहानी को बखूबी पर्दे पर उतारती है।

दोनों ट्रेन में अपने परिवार से अलग हो जाती हैं, दोनों के दूल्हे अलग–अलग होते हैं। गलतफहमी और खास मैसेज के साथ फिल्म की कहानी को पर्दे पर बखूबी उतारा गया है।लापता लेडीज आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है।पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखा, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने तैयार किया है।

आलिया–कैटरीना, श्रद्धा और यामी के साथ नॉमिनेट होना सपना सच होने जैसा: गोयल

अदिवी शेष की पैन–इंडिया फिल्म गुडाचारी 2 से जुड़ीं वामिका गब्बी, पहली झलक आई सामने

विनय कुमार सिरिगिनीदी द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित स्पाई थ्रिलर जी2, डायनामिक अदिवी शेष के साथ एक सिनेमेटिक ट्रीट बनने का वादा करती है, जो स्पाई थ्रिलर का नेतृत्व करती है। इस महत्वकांक्षी पैन इंडिया एक्शन फ्रैंचाइज में उनके साथ इमरान हाशमी के साथ वामिका गब्बी भी शामिल हैं। मेकर्स द्वारा वामिका की विशेषता वाला एक नया पोस्टर जारी किया गया है, जिसमें उन्हें अदिवी शेष के साथ एक शक्तिशाली और रहस्यमय पोज में दिखाया गया है और इस प्रभावशाली स्टारकास्ट के साथ, जी2 एक ट्रू पैन इंडिया स्पेक्टेकल बनने जा रहा है।पोस्टर में फैंस के लिए आने वाली गहन और मनोरंजक कहानी का संकेत दिया गया है, जिसमें वामिका रहस्यमयी अदिवी शेष के विपरीत मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जो इस फ्रैंचाइज को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उनका किरदार स्पाई थ्रिलर में एक नया, डायनामिक लेयर जोडऩे का वादा करता है।स्टाइलिश स्पाई के रूप में अपनी भूमिका को दोहराने वाले अदिवी शेष और वामिका गब्बी और इमरान हाशमी के साथ मुरली शर्मा, सुप्रिया यारलागड्डा और मधु शालिनी जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। साथ में, वे एक्शन, सस्पेंस और रोमांचक ड्रामा से भरपूर सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं।टी जी विश्व प्रसाद और अभिषेक अग्रवाल द्वारा निर्मित, पीपल मीडिया फैक्ट्री, अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स – और एके एंटरटेनमेंट्स के तहत, जी2 एक पैन इंडियन असाधारण फिल्म बनने के लिए तैयार है, जो तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। दफ़्तर के कामकाज में ज़्यादा व्यस्तता के चलते अपने जीवनसाथी के साथ आपका रिश्ता तनावपूर्ण हो सकता है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें और परेशानियों का सामना होठों पर मुस्कुराहट के साथ करें। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे, जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है। जो लोग टैक्स चोरी करते हैं आज वो बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं। घर का कुछ समय से टलता आ रहा काम–काज आपका थोड़ा वक़्त ले सकता है। तब तक कोई वादा न करें, जब तक आप ख़ुद यह न जानते हों कि आप उसे हर क़ीमत पर पूरा करेंगे। घर मे हवन का आयोजन नयी लेकर आएगा

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। प्रेम के नज़रिए से आज का दिन आपके लिए ख़ुशियों से भरा रहेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी सेहत का खयाल करें। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आप–को अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। किसी बुज़ुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। कार्यक्षेत्र के किसी काम में खराबी की वजह से आज आप परेशान रह सकते हैं और इस बारे में सोचकर अपना कीमती वक्त बर्बाद कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

किसी भी तरह के द्वन्द्व या विरोध से बचें, क्योंकि आपकी सेहत पर इसका बुरा असर होगा। आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। बढ़िया खाने, महक और ख़ुशी के साथ आप अपने हमदम के साथ बेहतरीन समय बिता सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। घर में पड़ी कोई पुरानी वस्तु आज आपको मिल सकती है जिससे आपको अपने बचपन के दिनों की याद सता सकती है और आप उदासी के साथ अपने दिन का काफी समय अकेले बिता सकते हैं। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफ़ी सारी मांगें होंगी। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। आपका जीवनसाथी आपको ज़्यादा ख़ास वक़्त देने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। बोलते समय और वित्तीय लेन–देन करते समय सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है ।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 12 फरवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 07:26 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 07:36 तक
योग : सौभाग्य प्रातः 08:06 तक
करण : विष्टि प्रातः 07:08 तक
चन्द्र राशि : कर्क रात्रि 07:36 तक
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:16 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:24 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34, सूर्यास्त 06:08 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30 दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : माघ पूर्णिमा व्रत–पुण्य , गुरु रविदास–ललिता जयंती , कुंभ संक्रांति रात्रि 09:55 से , संक्रांति पुण्यकाल दोपहर 12:53 से सूर्यास्त तक , भद्रा प्रातः 07:08 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर,11 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 57वीं पुण्यतिथि पर धानक्या में आयोजित प्रार्थना सभा में पहुंचे। शर्मा ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

पण्डित उपाध्याय का दर्शन युवा, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिज्ञों के लिए प्रेरणादायक : देवनानी

जयपुर,11 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय ने राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र के भविष्य की संकल्पना के लिए गहन चिन्तन किया। पण्डित उपाध्याय ने विकास का आधार एकात्ममानव दर्शन बताया है। देवनानी ने कहा कि पण्डित उपाध्याय का दर्शन युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिज्ञों के लिए प्रेरणादायक है। धानक्या की इस पवित्र भूमि पर राष्ट्रवाद से प्रेरित इस कार्यक्रम में कुशाग्र बुद्धि वाले पण्डित उपाध्याय जी की प्रतिमा के सामने खडे होने पर ही उनके अभूतपूर्व जीवन का सम्पूर्ण चित्र उभरकर आ जाता है। समाज सेवा के पथ प्रदर्शक, राजनीति के आदर्श, अदभुत व्यक्तित्व, चिंतन, बुद्धि कौशल, नेतृत्व और सांगठनिक क्षमता के धनी पण्डित उपाध्याय ने लागातार समाज को नई दृष्टि देकर समाज को जगाने का कार्य किया।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने मंगलवार को धानक्या में स्थित पण्डित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक स्थल पर पहुँचकर पण्डित जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण किया। उन्होंने कहा कि धानक्या की इस पवित्र भूमि पर राष्ट्रवाद से प्रेरित इस कार्यक्रम में कुशाग्र बुद्धि वाले पण्डित उपाध्याय जी की प्रतिमा के सामने खडे होने पर ही उनके अभूतपूर्व जीवन का सम्पूर्ण चित्र उभरकर आ जाता है। समाज सेवा के पथ प्रदर्शक, राजनीति के आदर्श, अदभुत व्यक्तित्व, चिंतन, बुद्धि कौशल, नेतृत्व और

सांगठनिक क्षमता के धनी पण्डित उपाध्याय ने लागातार समाज को नई दृष्टि देकर समाज को जगाने का कार्य किया। मोमबत्ती और लालटेन की रोशनी में अध्ययन करने वाले पण्डित उपाध्याय ने पांचजन्य, स्वदेश, राष्ट्र धर्म जैसे समाचार पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से राष्ट्रीय जागरण और राष्ट्रीय विचारों का प्रचार–प्रसार किया। देवनानी ने कहा कि पण्डित उपाध्याय ने भारत की कृषि प्रधान अर्थ व्यवस्था को सुदृढ करने के लिए विकेन्द्रीकृत राजनीति और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था को केन्द्र में रखकर आधुनिक तकनीको को शामिल करने का सुझाव दिया।

पेपर लीक पर न्यायिक फटकार

हाईकोर्ट ने उठाए आरपीएससी की कार्यशैली पर सवाल

जयपुर,11 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में एसआई भर्ती घोटाले को लेकर हाईकोर्ट ने मंगलवार को आरपीएससी की निष्क्रियता पर कड़ी नाराजगी जताई। जस्टिस समीर जैन की अध्यक्षता वाली बेंच ने आरपीएससी के कार्यवाहक चेयरमैन कैलाश चंद्र मीणा से सीधे सवाल किया–जब आयोग के दो सदस्यों के नाम सामने आए, तो एफआईआर दर्ज कराने की जिम्मेदारी आपकी नहीं थी?

हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए पूछा, क्या आरपीएससी का कोई धणी–धोरी है? अदालत ने कहा कि आयोग पूरे मामले में 'साइलेंट मोड' में है, जबकि इतनी गंभीर अनियमितताएँ उजागर हो रही हैं। एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने कोर्ट को बताया कि पहले आरपीएससी में इस तरह की गड़बड़ियाँ होती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। इस पर हाईकोर्ट ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा–जो अब हो रहा है, वो 3-4 साल बाद पता चलेगा।

याचिकाकर्ता ने प्रवर्तन निदेशालय को पार्टी बनाने के लिए आवेदन दायर किया था। इस पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि अब इसकी जरूरत नहीं, क्योंकि अदालत पहले ही ईडी को जांच में शामिल करने के आदेश दे चुकी है।

हाईकोर्ट ने आरपीएससी में सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए और मौखिक टिप्पणी में कहा कि आयोग की कार्यप्रणाली पारदर्शी नहीं दिख रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

राजस्थान में हुक्का बार पूर्णतः प्रतिबंधित

अवैध संचालन पर होगी सख्त कार्रवाई : मुख्य सचिव

जयपुर,11 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य में हुक्का बार पूरी तरह से प्रतिबंधित है और अवैध रूप से संचालित हुक्का बार व ड्रग कारोबारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नशामुक्त प्रदेश के संकल्प को साकार करने के लिए पुलिस विभाग को राजस्थान हुक्का बार निषेध अधिनियम- 2019 के तहत त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पंत मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित नार्को कॉर्डिनेशन सेन्टर तंत्र (एनसीओआरडी) की राज्य स्तरीय कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि विभिन्न स्थानों पर संचालित बार, पब, होटल, रेस्टोरेंट एवं शराब की

दुकानों के बाहर अवैध मादक पदार्थ सेवन के संबंध में चेतावनी बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करें और सोशल मीडिया के माध्यम से भी अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए।उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), पुलिस, परिवहन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित सभी संबंधित विभाग और एजेंसियां समन्वय से कार्य करें और ड्रग माफियाओं पर कड़ी नकेल कसें। इसके लिए जिला स्तर पर नियमित रूप से टास्क फोर्स की बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। मुख्य सचिव ने चिकित्सा विभाग, पुलिस और एनसीबी द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अवैध रूप से बिना चिकित्सकीय परामर्श के एच श्रेणी के ड्रग्स, अवैध दवाईयों एवं मादक पदार्थ बेचने वाले मेडिकल स्टोर्स पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

हरियाणा में बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग को ईसी ने किया खारिज

सुप्रीम कोर्ट में भी दायर है याचिका :कांग्रेस

चंडीगढ़,11 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने हरियाणा में होने वाले निकाय चुनाव को बैलेट पेपर से कराने की कांग्रेस की मांग को खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग के इस निर्णय पर हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक अशोक अरोड़ा की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि भले ही चुनाव आयोग ने हमारी मांग को खारिज कर दिया है, लेकिन पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर रखी है।

हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक अरोड़ा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान के नेतृत्व में मुख्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात की गई थी। हमने मांग की थी कि ईवीएम

को लेकर देशभर में एक प्रश्नचिन्ह लगा हुआ है। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में हारने के बाद कांग्रेस पार्टी के हारे हुए 18 उम्मीदवारों ने जीते हुए प्रत्याशियों के खिलाफ पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में ईवीएम को लेकर भी एक याचिका दायर की है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट में भी पार्टी की तरफ से एक याचिका दायर है। एक्ट में प्रावधान भी है कि चुनाव आयोग वोटिंग को बैलेट पेपर या ईवीएम से करा सकता है। मगर चुनाव आयोग ने निकाय चुनाव बैलेट से कराने की हमारी मांग को खारिज कर दिया है।

हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल विज को भाजपा द्वारा कारण बताओ नोटिस भेजे जाने पर अशोक अरोड़ा ने कहा, ये उनका (भाजपा) अंदरूनी मामला है, लेकिन जितना मुझे इस मामले के बारे में पता चला है, मैं इसे अनुशासनहीनता नहीं मानता हूं। उन्होंने (अनिल विज) ने अपनी पार्टी के अध्यक्ष को सिर्फ सलाह दी थी, वो इसके खिलाफ नहीं थे।

हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राज्य चुनाव आयुक्त से मुलाकात करके बैलेट पेपर से चुनाव करवाने की मांग की थी। हालांकि, चुनाव आयोग ने स्पष्ट कहा है कि हरियाणा में निकाय चुनाव ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) से होंगे।

कांग्रेस अच्छे से जानती है, ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं : रणबीर गंगवा

चंडीगढ़,11 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के मंत्री रणबीर गंगवा ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि विपक्षी पार्टी के लोगों को अच्छे से पता है कि बैलेट पेपर या ईवीएम में किसी भी प्रकार की खामी नहीं है, दोनों ही ठीक हैं।

दरअसल, कांग्रेस ने हरियाणा में होने जा रहे नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाने की मांग की है। इस पर मंत्री रणबीर गंगवा ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी दल के नेताओं को अच्छे से पता है कि उसे नगर निकाय चुनाव में किसी भी प्रकार से जनता का समर्थन नहीं मिलेगा। इसके बाद जब चुनाव में हार का मुंह देखना पड़ेगा, तो वह भाजपा पर ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाएगी।गंगवा ने कहा, मैं एक बार फिर से स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि ईवीएम में किसी भी प्रकार की खामी नहीं है। अगर कहीं पर खामी है, तो वह कांग्रेस की सोच में है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस इतने साल तक सत्ता में रही, लेकिन आज तक जनता के हितों में किसी भी प्रकार का काम नहीं किया, न ही युवाओं को रोजगार दिलाने की दिशा में इस पार्टी ने कोई कदम उठाए। इसी को देखते हुए अब जनता इस पार्टी को किसी भी कीमत पर स्वीकार करने वाली नहीं है। यह पार्टी जनता के दिल से उतर चुकी है।

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग ईवीएम के मुद्दे को लेकर इसलिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटा रहे हैं, क्योंकि उन्हें अच्छे से पता है कि वे चुनाव नहीं जीतने वाले हैं। वे चुनाव आयोग जा रहे हैं ताकि ईवीएम का मुद्दा उछालकर खुद को बचा सकें। लेकिन, जनता अब कांग्रेस के मंसूबों को भलीभांति समझ चुकी है।

भाजपा के घोटालों और निजीकरण से खस्ताहाल हुई हरियाणा रोडवेज सेवा : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़,11 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विद्यार्थियों की मुफ्त बस सेवा बंद करने के फैसले का विरोध किया है। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने आईटीआई के करीब 40000 विद्यार्थियों को मिलने वाली यह सुविधा बंद करके अन्याय किया है। इन विद्यार्थियों में 20000 छात्राएं भी शामिल हैं। बड़ी तादाद में ये विद्यार्थी गरीब, ग्रामीण, एससी, ओबीसी और किसान समाज से आते हैं।

इससे पहले रोडवेज का निजीकरण करके बीजेपी बुजुर्गों, विकलांगों व अन्य लाभार्थी वर्गों को मिलने वाली रियायती बस सेवा भी सीमित कर चुकी है। प्रदेश के आम आदमी को लाभान्वित करने के लिए शुरू की गई रोडवेज सेवा को बीजेपी ने घोटाले करने व जनता को लूटने का जरिया बना लिया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी द्वारा किए जा रहे घोटालों और निजीकरण के चलते हरियाणा रोडवेज खस्ताहाल हो चुकी है। कांग्रेस सरकार ने जिस रोडवेज को देश में नंबर वन और सबसे सुरक्षित बस सेवा बनाया था, उसे बीजेपी ने बर्बादी की कगार पर ला दिया है।

दिल्ली में हुई भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक

मेयर और अध्यक्षों के नाम का फाइनल पैनल तैयार

चंडीगढ़,11 फरवरी (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव के निमित मंगलवार को दिल्ली हरियाणा भवन में भाजपा की कोर ग्रुप की बैठक हुई। देर सायं हुई बैठक के दौरान हरियाणा में होने वाले नगर निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, सांसद धर्मबीर सिंह, सांसद रामचंद्र जांगडा, मंत्री कृष्ण बेदी, पूर्व मंत्री राम बिलास शर्मा, पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व मंत्री जेपी दलाल, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व विधायक सत्य प्रकाश जरावता आदि नेताओं की उपस्थिति में मेयर और चेयरमैन के नामों पर विस्तृत चर्चा कर उम्मीदवारों के नामों के

फाइनल पैनल तैयार किए गए। बैठक में बीजेपी नेताओं ने दावा करते हुए कहा कि हरियाणा के नगर निकाय चुनाव में बीजेपी की जीत तय है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश के लोगों ने बहुमत के साथ ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का मन बनाया हुआ है। उन्होंने कहा कि आज की कोर ग्रुप की बैठक में मेयर और चेयरमैन के नामों पर विस्तृत रूप से चर्चा करने के बाद प्रत्याशियों के नामों का फाइनल पैनल तैयार कर केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजा गया है जिस पर जल्द ही निर्णय लेने के बाद नामों की घोषणा कर दी जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा में नगर निकाय चुनाव में बीजेपी की जीत तय है। उन्होंने कहा कि चुनाव चाहे छोटा हो या बड़ा भाजपा चुनाव को लेकर हमेशा गंभीर रहती है।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता हर चुनाव को गंभीरता से लड़ता है। बड़ौली ने कहा कि हरियाणा के स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी में भी पार्टी कार्यकर्ता जी–जान से लगे हुए हैं और भाजपा चुनाव में अपना परचम लहराएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में नॉन स्टॉप विकास करा रहे हैं।

हरियाणा के लोगों का विश्वास भाजपा लगातार बढ़ रहा है। भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर लोगों ने तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनाई और अब नगर निकाय चुनाव में भी जनता कमल खिलाएगी और विकास के नाम पर भाजपा को वोट देगी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

सीएम नीतीश कुमार ने औरंगाबाद को दी करोड़ों की सौगात, विकास योजनाओं की बड़ी घोषणाएं की

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा मंगलवार को औरंगाबाद पहुंची, जहां उन्होंने जिले को करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों की मांगों पर विशेष ध्यान देते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की, जिनमें रिंग रोड, ट्रॉमा सेंटर, मेडिकल कॉलेज, स्टेडियम, नहरों का पुनरुद्धार, पर्यटन क्षेत्र का विकास और सड़कों के विस्तार जैसी कई योजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार औरंगाबाद जिले में अब तक कई विकास कार्य करा चुकी है, लेकिन जो अधूरे रह गए हैं या जिनमें सुधार की जरूरत है, उन्हें भी जल्द पूरा किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय निवासियों को भरोसा दिलाया कि हर क्षेत्र में विकास की गति को और तेज किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने देव नगर पंचायत में ऐतिहासिक सूर्य मंदिर तक श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए रिंग रोड के निर्माण की घोषणा की। इससे देव नगर पंचायत में यातायात का दबाव कम होगा और इस ऐतिहासिक धार्मिक स्थल को पर्यटन के दृष्टिकोण से विकसित करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा औरंगाबाद शहर में अदरी नदी पर रिवर फ्रंट डेवलपमेंट परियोजना शुरू करने की घोषणा भी की गई। इस योजना के तहत नदी के एक ओर सड़क बनाई जाएगी, जो शहर के लिए बाईपास का काम करेगी। वहीं, दूसरी ओर पार्क का निर्माण किया जाएगा, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सूर्य मंदिर के पास सूर्य कुंड और रुद्र कुंड परिसर से एसएच-101 तक ग्रीनफील्ड संपर्क पथ का निर्माण भी किया जाएगा। इससे छठ पूजा और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान होने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

बिशुनपुर कैनाल के पुनर्निर्माण की घोषणा की गई, जो पहले सक्रिय था लेकिन एनटीपीसी नवीनगर के अधिष्ठापन के बाद बंद हो गया था। इसके पुनः चालू होने से लगभग 15 गांवों की 2500 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

इसके साथ ही मदनपुर प्रखंड के चांद बिगहा गांव में केशहर नदी पर चेक डैम के निर्माण की घोषणा भी की गई, जिससे स्थानीय किसानों को सिंचाई में काफी सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री ने औरंगाबाद जिले में एक नए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के निर्माण की घोषणा की। इसके लिए भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिससे जल्द ही मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो सकेगी और लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

इसके अलावा, राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रॉमा सेंटर के निर्माण की भी घोषणा की गई। एनएच-19 और एनएच-139 के अलावा कोलकाता-वाराणसी एक्सप्रेस-वे से गुजरने वाले इस जिले में प्रतिदिन 25 से 30 सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। लेकिन गया और कैमूर के बीच कोई ट्रॉमा सेंटर नहीं है। इस ट्रॉमा सेंटर के बनने से सड़क हादसों में घायलों को समय पर इलाज मिल सकेगा।

औरंगाबाद जिले में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा, जिससे जिले के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और आधुनिक खेल सुविधाएं प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी मुख्यमंत्री ने बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि अगर औरंगाबाद में केंद्रीय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव आता है, तो इसके लिए राज्य सरकार आवश्यक जमीन उपलब्ध कराएगी।

औरंगाबाद जिले में मदनपुर, नवीनगर, हसपुरा, गोह, ओबरा, दाउदनगर और औरंगाबाद प्रखंडों में नए प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय भवनों के निर्माण की भी घोषणा की गई। इससे प्रशासनिक सेवाओं में सुधार होगा और लोगों को सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने में अधिक सहूलियत मिलेगी।

रफीगंज में बाइपास सड़क के निर्माण की घोषणा की गई, जिससे इस क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर किया जा सकेगा। इसके अलावा अगर जम्होर पंचायत नगर पंचायत बनने की सभी शर्तें पूरी करता है, तो उसे नगर पंचायत का दर्जा देने की कार्रवाई भी की जाएगी।

घूसखोर दारोगा गिरफ्तार, 75,000 रुपये रिश्वत लेते विजिलेंस टीम ने दबोचा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए विजिलेंस टीम ने सब-इंस्पेक्टर रोशन सिंह को 75,000 रुपये घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी जिले के करजा थाना क्षेत्र स्थित मड़वन उच्च विद्यालय के पास हुई।

घटना के अनुसार, अवधेश सिन्हा नामक व्यक्ति ने घूस मांगे जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि सब-इंस्पेक्टर रोशन सिंह ने किसी मामले को निपटाने के एवज में 75,000 रुपये की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए विजिलेंस टीम ने जाल बिछाया और जैसे ही दारोगा रिश्वत की रकम ले रहा था, उसे मौके पर ही धर-दबोचा। दारोगा की गिरफ्तारी के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। विजिलेंस टीम ने सब-इंस्पेक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस बात की भी जांच हो रही है कि आरोपी दारोगा के खिलाफ पहले से कोई भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतें दर्ज हैं या नहीं।

जानकारी के मुताबिक, रोशन सिंह 2019 बैच के सब इंस्पेक्टर हैं और वर्तमान में जिले के सरैया थाना में पदस्थापित हैं। इस मामले में निगरानी की टीम आगे की करवाई में जुटी हुई है। जमीन के मामले में पैसे लेने के लिए बुलाया था। स्कूल में परीक्षा की ड्यूटी के दौरान वादी को बुलाया था, जिससे रिश्वत लेते हुए दारोगा को रंगे हाथ पकड़ा गया है। गिरफ्तारी के बाद सब-इंस्पेक्टर रोशन सिंह को विजिलेंस कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसके अलावा इस मामले में अन्य संलिप्तता की जांच भी की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, अगर आगे और भी घूसखोरी के मामले उजागर होते हैं, तो आरोपी पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल, एक की हालत गंभीर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के जजुआर थाना क्षेत्र के नगवारा गांव में देर रात जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई, जिसमें दोनों पक्षों के छह से अधिक लोग घायल हो गए।

घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे बेहतर इलाज के लिए शहर के एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मोहम्मद मुन्ना देर रात अपने घर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते को लेकर उनकी मोहम्मद मुबारक और चांद से बहस हो गई।

देखते ही देखते गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदल गया और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस घटना में एक पक्ष के चार और दूसरे पक्ष के दो लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी। जजुआर थाना के एसएचओ हेमंत कुमार ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई है। दोनों पक्षों के लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घायलों का इलाज कराया जा रहा है और स्थिति नियंत्रण में है।

घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस सतर्कता बरत रही है और गांव में लगातार गश्त कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीषण सड़क हादसे में छात्र समेत तीन लोगों की मौत, चार की हालत गंभीर

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के बेतिया में कॉलेज से लौट रहे बीए पार्ट वन के छात्र सहित तीन लोगों की सड़क हादसे मे मौत हो गई है। वहीं अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल है। मरने वालों की पहचान बेतिया के आईटीआई में मुफस्सिल थाना के सरस्वती नगर निवासी रविंद्र कुमार के पुत्र बीए के छात्र राहुल कुमार, मरहिया गांव के सत्या मियां की पत्नी रंभा खातून (50) और योगापट्टी थाना के गोलाघाट डुमरी निवासी मनीर मियां के पुत्र मुन्ना खान है। घायलों में योगापट्टी थाना के विक्रमा प्रसाद (45), गोलाबाट डुमरी के मजलूम खान (45), अमैठिया के रामजी शर्मा की पत्नी संध्या देवी (35) और शंभू शर्मा की पत्नी प्रतिमा देवी (30) शामिल हैं।

मृत छात्र के चाचा अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि उनका भतीजा राहुल श्रीवास्तव एमजेके कॉलेज में बीए पार्ट वन का छात्र था। सोमवार शाम को वह साइकिल से घर सरस्वती नगर लौट रहा था। जैसे ही आईटीआई के पास पहुंचा, तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने उसे जीएमसीएच में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग एनएच-727 पर मंगुराहा चौक के पास ऑटो और कार की आमने-सामने भिड़ंत में मरहिया गांव के सत्या मियां की पत्नी रंभा खातून की घटनास्थल पर मौत हो गई। योगापट्टी थाना के गोलाघाट डुमरी निवासी मनीर मियां के पुत्र मुन्ना खान इसी सड़क हादसे मे गंभीर रूप से घायल हो गए था। इनकी जीएमसीएच में इलाज के दौरान सोमवार के देर शाम मौत हो गई है।

वहीं मृत मुन्ना खान के चाचा नजर आलम ने बताया कि उनके भाई मजलूम मियां और भतीजा मुन्ना खां जमीन के काम से लौरिया जा रहे थे। हादसे में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को जीएमसीएच में भर्ती कराया। वहां मुन्ना की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया। पटना ले जाते समय बेतिया-मोतिहारी मुख्य मार्ग पर मछलीलोक के पास मुन्ना ने दम तोड़ दिया। अस्पताल ओपी प्रभारी मदन कुमार मांझी ने बताया कि मुन्ना के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। घायलों का इलाज इमरजेंसी वार्ड में जारी है। अन्य चार लोग गंभीर रूप से घायल है, इसमें एक अन्य की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वही कार चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही लौरिया एवं मुफस्सिल पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच भेजा है। ग्रामीणों की मदद से घायलों को लौरिया सीएचसी लाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने सभी को जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया। वहां इलाज जारी है।

थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि ऑटो और कार जब्त कर ली गई है। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए। अब तक कोई आवेदन नहीं मिला है। उधर, मृतका रंभा की पत्नी सत्या मियां ने बताया कि उनकी पत्नी रंभा, योगापट्टी थाना के दुबौलिया निवासी उनके साढू सरफुल्लाह मियां की बेटी की शादी में शामिल होने गई थी। शादी के बाद ऑटो से घर लौट रही थी। मंगुराहा चौक पर सामने से आ रही कार से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो सड़क किनारे 20 फीट गड्ढे में पलट गया। हादसे में ऑटो सवार सभी लोग घायल हो गए। लौरिया सीएचसी में डॉक्टरों ने रंभा को मृत घोषित कर दिया। रंभा के तीन बेटियां और एक बेटा है।

भाजपा नेता के युवक को थप्पड़ मारने पर मचा बवाल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के वैशाली जिले के पातेपुर विधानसभा क्षेत्र के पातेपुर भाजपा के विधायक लखींद्र पासवान पर एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने का आरोप है। राजद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भाजपा विधायक की थप्पड़ मारने का वीडियो शेयर करते हुए तंज भी कसा है।

राजद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है कि- पातेपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक लखींद्र पासवान ने बिजरौली गांव में एक युवक को थप्पड़ मारा! स्थानीय लोगों ने जमकर भाजपा विधायक की हिंसक करतूत का विरोध किया! किसी तरह से मान मुनव्वल कर के भाजपा विधायक को वहां से हटाया गया! भाजपा और जदयू में आम नागरिकों को अपना गुलाम समझने की ही संस्कृति है! यह वीडियो रविवार के दिन का बताया जा रहा है। घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक किशोर की मौत हो गई थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने जमकर या फिर अपनी बात कहने के दौरान उन्होंने वहां मौजूद एक युवक को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा करना शुरू कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस ने लोगों को समझा बूझाकर विधायक को भीड़ से बाहर निकाला, इसके बाद विधायक वहां से जा सके।

ग्रामीणों ने बताया कि रविवार के दिन वैशाली जिला के तिसीऔता थाना क्षेत्र के बिझरौली गांव निवासी संतोष झा की बिंदी चौक स्थित खैनी की दुकान है। वहां उनका पुत्र अमन कुमार अपने पिता के लिए खाना लेकर दुकान पर जा रहा था। इसी दौरान तीसीऔता की ओर से आ रहे गिट्टी लोड हाईवा ने तेज रफ्तार में ठोकर मार दी। तीखा मोड़ होने की वजह से तेज रफ्तार हाईवा ने संतुलन खो दिया, जिससे साइकिल से जा रहा किशोर ट्रक की चपेट में आ गया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि मृत किशोर एकलौता पुत्र था।

स्कूल से लौट रहीं दो जुड़वा बहनों की हत्या

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज में दो जुड़वा बहनों की निर्मम हत्या कर दी गई है। दोनों स्कूल से घर लौट रही थी। इसी बीच अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। दोनों के शव सरसों के खेत में मिले। दोनों के मुंह और नाक में मिट्टी ठूंस दी गई थी। घटना थावे थाना क्षेत्र के मठ गौतम गांव की है। इधर, दोनों के शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। शवों को देखकर प्रतीत हो रहा था कि अपराधियों ने निर्ममता से दोनों की हत्या की है। दोनों को गला दबाकर मारा गया था। दोनों बहनें जगदीशपुर निवासी मन्नू सिंह की जुड़वा बेटियां था और इनकी उम्र छह साल बतायी गयी।

इधर, घटना की सूचना मिलने पर थावे थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों बच्चियों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया है। पुलिस के अनुसार गला दबाकर दोनों बच्चियों की हत्या करने की बात सामने आई है। बताया जाता है कि जिले के थावे थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी मन्नू सिंह की दोनों जुड़वा बेटियां पास के ही विद्यालय में सोमवार को पढ़ने के लिए गई हुई थी। सोमवार की देर देर शाम तक जब घर वापस नहीं लौट सकी तब परिजनों ने खोजबीन शुरू की। मठ गौतम गांव में सरसों के खेत में दोनों बच्चियों का शव मिला। जुड़वा बहनों का शव मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गयी। पुलिस के अनुसार, मृतक बच्चियों के पिता मन्नू सिंह राज मिस्त्री का काम करते हैं और बाहर हैं। हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने जांच के लिए एफएसएल टीम के अलावा डॉग स्क्वायड टीम को भी बुलाया है। थावे थाने की पुलिस आसपास के लोगों से इस मामले में पूछताछ करने में जुटी हुई है। वहीं एसपी अवधेश दीक्षित ने कहा कि इस मामले में जांच के लिए सदर एसडीपीओ प्रांजल त्रिपाठी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है।

बेंगलुरु में संदिग्ध हालात में बिहार के युवक की मौत

शव गांव पहुंचते ही परिजनों में मचा कोहराम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के भलूही खान निवासी 26 वर्षीय अमरनाथ कुमार सहनी की बेंगलुरु में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना की सूचना बेंगलुरु में साथ काम करने वाले मजदूरों ने फोन के जरिए परिजनों को दी।

सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। सोमवार की शाम जब अमरनाथ का शव उसके गांव पहुंचा, तो घर में चीत्कार मच गया। पूरे गांव में शोक का माहौल रहा। मृतक की मां सुमित्रा देवी, पत्नी और बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल था। परिजनों ने आशंका जताई कि कंपनी की लापरवाही के कारण अमरनाथ की मौत हुई है।

मृतक की मां सुमित्रा देवी ने बताया कि बड़े भाई की मृत्यु के बाद अमरनाथ ही परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा था। वह महज एक महीने पहले ही बेंगलुरु कमाने गया था और वहां एक पाइपलाइन कंपनी में बतौर मैकेनिक काम कर रहा था। परिजनों को यह खबर बेंगलुरु में साथ काम कर रहे मजदूरों ने फोन पर दी। मजदूरों के अनुसार, अमरनाथ रात में अपने कमरे में सोया था। लेकिन सुबह जब साथी उसे जगाने पहुंचे, तो वह मृत मिला।

अमरनाथ तीन बच्चों का पिता था और उसकी कमाई से ही घर चलता था। परिजनों ने कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। सोमवार शाम जब अमरनाथ का शव गांव पहुंचा, तो पूरे इलाके में मातम पसर गया। पत्नी और बच्चों की करुण पुकार सुनकर गांव के लोग भी भावुक हो गए।

इस मामले में साहेबगंज थाना पुलिस ने कहा कि युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि अगर परिजन लिखित शिकायत देंगे, तो मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल परिजन शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी में जुटे हैं, लेकिन इस मौत ने गांव में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com